21 जनवरी 2025
मंगलवार

डिजिटल संस्करण
केशव टाइम्स

महिलाओं के बिना विकास अधूरा : सीएम
2

स्पीकर ने सदन में हंगामे पर जताई चिंता, राजनीतिक दलों को आचार संहिता बनाने का दिया सुझाव

एजेंसी/पटना

पटना में विभिन्न राज्यों के विधानमंडलों के पीठासीन अधिकारियों को संबोधित करते हुए लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि संवैधानिक मूल्यों के अनुरूप सदन चलाना हमारी जिम्मेदारी है। सदन में बैठकों का अभाव और व्यवधान चिंता का विषय है। सामूहिक सहयोग से इनका समाधान निकालें। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सोमवार को पटना में आयोजित 85वें अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित किया. जहां उन्होंने सदन की गरिमा, सत्रों

की संख्या में कमी, सदन में हंगामे और व्यवधान पर चिंता जताई और सदस्यों से सदन की कार्यवाही में अनुशासन और गरिमा बनाए रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि सदनों को बार-बार स्थगित होने से रोकना चुनौतीपूर्ण कार्य है। इसके लिए उन्होंने सभी नेताओं और पदाधिकारियों से एकजुट होने की अपील की। सत्र की संख्या में कमी पर स्पीकर ने जताई चिंता। लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि सदन बहस और चर्चा के लिए मंच हैं और विधायकों से लोगों की आशाओं और आकांक्षाओं को पूरा करने की उम्मीद की जाती है। सत्र की संख्या में कमी के कारण विधानमंडल अपने संवैधानिक दायित्व को पूरा करने में विफल हो रहे हैं। उन्होंने सांसदों से राष्ट्रीय मुद्दों को संबोधित करने और लोगों की आवाज को सदन में सही तरीके से उठाने के लिए संसदीय समय के उपयोग को प्राथमिकता देने का आग्रह किया। उन्होंने यह भी कहा कि हमारे सदनों की गरिमा और प्रतिष्ठा को बनाए रखने और बढ़ाने का मुद्दा अत्यंत महत्वपूर्ण है। राजनीतिक दलों को आचार संहिता बनाने का सुझाव दिया। ओम बिरला ने अपने संबोधन में कहा कि लोकतंत्र को मजबूत बनाने के लिए जरूरी है कि सदन में स्वस्थ बहस और विचारों का आदान-प्रदान हो। उन्होंने सुझाव दिया कि सभी राजनीतिक दलों को अपने सदस्यों के लिए आचार संहिता बनानी चाहिए ताकि सदन की गरिमा बनी रहे। उन्होंने विधानमंडलों को तकनीकी युग से जुड़ने की सलाह देते हुए कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और सोशल मीडिया का उपयोग सदन की कार्यप्रणाली को प्रभावी बनाने में मददगार हो सकता है।दूसरा नई दिल्ली के अंदर सभी राजनीतिक दलों में पीठासीन अधिकारियों के साथ-साथ राजनीति दल के नेता भी थे, जिन्होंने यह कहा था कि सदनों के अंदर लगातार व्यवधान, बेल में आना, नारेबाजी करना, नियोजित तरीके से सदन स्थगित करना, इन सारे विषयों पर बड़ी गंभीर चर्चा हुई थी।

देश के सभी सदन जल्द आ जाएंगे एक डिजिटल प्लेटफॉर्म पर

ओम बिरला ने बताया कि कई विधानमंडल पहले ही कागज रहित हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि एक राष्ट्र, एक विधायी मंच के तहत जल्द ही देश के सभी सदन एक डिजिटल प्लेटफॉर्म पर आ जाएंगे। सदन की स्वायत्तता और संघीय ढांचे पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि राज्य विधानमंडलों को स्थानीय जरूरतों और अपेक्षाओं के अनुसार नीतियां बनानी चाहिए। उन्होंने केंद्र और राज्यों के बीच ह्यसहकारी संघवाद की भावना को बढ़ावा देने का भी आह्वान किया।लोक सभा अध्यक्ष ओम बिड़ला ने कहा कि हमें प्रयास करना चाहिए कि हमें लोकतांत्रिक संस्थाओं को मजबूत करने के लिए हमारे जो विधान मंडलों की बैठकों की संख्या घटती जा रही है, उसको हम किस तरीके से ठीक करें।

घटना के 164वें दिन मिली सजा, कोर्ट ने कहा- यह रेयरेस्ट ऑफ रेयर मामला नहीं

कोलकाता: ट्रेनी डॉक्टर से रेप-मर्डर के दोषी को उम्रकैद

- संजय इयरफोन और सीसीटीवी से पकड़ में आया था
- इस घटना के बाद पूरे देश में जमकर हुआ था विरोध-प्रदर्शन
- हाई कोर्ट के बाद सीबीआई ने पूरे मामले का किया था जांच

केटी न्यूज/कोलकाता

कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज-अस्पताल में 8 अगस्त की रात को ट्रेनी डॉक्टर से रेप और मर्डर के दोषी संजय रॉय को उम्रकैद (मरते दम तक जेल) की सजा सुनाई गई और 50 हजार का जुर्माना लगाया।सियालदह कोर्ट के जज अनिर्बान दास ने सोमवार को सजा सुनाते हुए कहा कि यह रेयरेस्ट ऑफ रेयर मामला नहीं है। मौत की सजा नहीं दी सकती। कोर्ट ने पश्चिम बंगाल सरकार को निर्देश दिया कि वह पीड़ित परिवार को 17 लाख रुपए मुआवजा दे। हालांकि परिवार ने इसे लेने से इनकार कर दिया। कोर्ट ने 18 जनवरी को संजय को दोषी ठहराया था। घटना के 164वें दिन (20 जनवरी) सजा पर 160 पेज का फैसला सुनाया। वहीं संजय का परिवार के लोगों ने बोला कि भले ही फांसी हो। हम फैसले के खिलाफ अपील नहीं करेंगे।

मैं इस फैसले से संतुष्ट नहीं हूं: ममता बनर्जी

बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इस फैसले के बाद कहा कि हमें नहीं पता कि जांच कैसे की गई। राज्य पुलिस की तरफ से जांच किए गए ऐसे ही कई मामलों में मौत की सजा सुनिश्चित की गई। मैं (फैसले से) संतुष्ट नहीं हूं। सियालदह की अदालत ने संजय रॉय को राज्य सरकार की तरफ से संचालित आर जी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में प्रशिक्षु चिकित्सक से बलात्कार और हत्या के मामले में दोषी करार दिये जाने के बाद आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। उन्होंने कहा, हम सभी ने (दोषी के लिए) मृत्युदंड की मांग की थी, लेकिन अदालत ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। मामला हमसे जबरन ले लिया गया। अगर यह (कोलकाता) पुलिस के पास ही रहा होता, तो हम सुनिश्चित करते कि उसे मौत की सजा मिले।

संजय की मां ने कहा कि मैं उस लड़की के मां-बाप का दुख समझती हूं, मेरी भी बेटियां हैं। संजय रॉय की वकील सेनजुति चक्रवर्ती ने बताया कि हमने कोर्ट से डेथ पेनल्टी की सजा सुनाते वक्त सुप्रीम कोर्ट के दिशा निर्देशों का ध्यान रखने की दलील रखी थी। डेथ पेनल्टी को लेकर सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइन है, जिसमें बताया गया है कि किस-किस केस में डेथ पेनल्टी होना चाहिए और किस-किस केस में इससे बचना चाहिए। फोरेंसिक टीम की मदद से कोलकाता की प्रेसीडेंसी जेल में संजय का पॉलीग्राफ टेस्ट किया था।

बोले पीड़ित के अभिभावक ... इस फैसले के खिलाफ जाएंगे हाईकोर्ट

कोलकता। ट्रेनी डॉक्टर के माता-पिता ने कहा है कि वे दोषी संजय रॉय को उम्रकैद की सजा सुनाए जाने के सेशन कोर्ट के फैसले से संतुष्ट नहीं हैं। ड्यूटी पर मौजूद एक डॉक्टर के साथ बलात्कार किया गया और उसकी हत्या कर दी गई। यह रेयरेस्ट ऑफ रेयर केस क्यों नहीं है। उन्होंने दावा किया कि जांच ठीक से नहीं हुई है। कई लोगों को बचाया गया है। सेशन कोर्ट से फैसले की कॉपी मिलने के बाद हम हाईकोर्ट जाएंगे। पिछले साल 8-9 अगस्त की रात ट्रेनी डॉक्टर की रेप के बाद हत्या हुई
आरजी कर हॉस्पिटल में 8-9 अगस्त की रात ट्रेनी डॉक्टर का रेप-मर्डर हुआ था। 9 अगस्त की सुबह डॉक्टर की लाश सेमिनार हॉल में मिली थी। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस ने संजय रॉय नाम के सिविक वॉलंटियर को 10 अगस्त को अरेस्ट किया था। घटना को लेकर कोलकाता समेत देशभर में प्रदर्शन हुए। बंगाल में 2 महीने से भी ज्यादा समय तक स्वास्थ्य सेवाएं ठप रही थीं। कोर्ट ने डॉक्टर की मौत के लिए 10 लाख और रेप के लिए 7 लाख मुआवजा तय किया। कोर्ट में मौजूद ट्रेनी डॉक्टर के माता-पिता ने हाथ जोड़कर कहा कि हमें मुआवजा नहीं, न्याय चाहिए। इस पर जज ने कहा- मैंने कानून के मुताबिक यह मुआवजा तय किया है। आप इसका इस्तेमाल चाहे जैसे कर सकते हैं। इस रकम को अपनी बेटी के रेप और मर्डर के मुआवजे के तौर पर मत देखिए।

3 को आरोपी बनाया गया, 2 को जमानत मिली: आरोपी संजय रॉय के अलावा मामले में मेडिकल कॉलेज के पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष को भी आरोपी बनाया गया, लेकिन उइक90 दिन के अंदर घोष के खिलाफ चार्जशीट दायर नहीं कर पाई, जिस कारण सियालदह कोर्ट ने 13 दिसंबर को घोष को इस मामले में जमानत दे दी। इसके अलावा ताला थाने के पूर्व प्रभारी अभिजीत मंडल को भी चार्जशीट दायर न करने के कारण जमानत दी गई। 9 अगस्त की घटना के बाद आरजी कर अस्पताल के डॉक्टरों और पीड़ित परिवार ने मामले की उइकजांच की मांग की, लेकिन मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने जांच के आदेश नहीं दिए। हाईकोर्ट के आदेश के बाद 13 अगस्त को जांच सीबीआई को सौंपी गई।

जेल से चुनाव लड़ने पर लगे रोक : सुप्रीम कोर्ट

ताहिर हुसैन की जमानत याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई

- दंगों के दौरान आईबी अधिकारी अंकित शर्मा की हत्या करने का लगा है आरोप

एजेंसी/नई दिल्ली

दिल्ली दंगों के आरोपी ताहिर हुसैन की जमानत याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा कि जेल में बंद सभी लोगों को चुनाव लड़ने से रोका जाना चाहिए। जस्टिस पंकज मित्तल और जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्लाह की बेंच के सामने सोमवार को केस लिस्ट था, लेकिन सुनवाई हो नहीं सकी। ताहिर के वकील ने कहा कि ताहिर का नामांकन स्वीकार किया जा चुका है। इस पर कोर्ट ने मामले को मंगलवार के लिए लिस्ट कर लिया। आम आदमी पार्टी ताहिर पर दिल्ली दंगों के दौरान 25 फरवरी 2020 को आईबी अधिकारी अंकित शर्मा की हत्या करने का आरोप है। ताहिर ने चुनाव प्रचार के लिए हाईकोर्ट से 14 जनवरी से 9 फरवरी तक अंतरिम जमानत मांगी थी। 13 जनवरी को हाईकोर्ट ने कहा था कि नामांकन जेल से भी भरा जा सकता है। इस पर ताहिर की वकील तारा नरूला ने तर्क दिया कि इंजीनियर रशीद को चुनाव प्रचार के लिए अंतरिम जमानत दी गई थी। उनके खिलाफ टेरर फंडिंग का भी मामला चल रहा है। ताहिर को एक राष्ट्रीय पार्टी ने उम्मीदवार बनाया है। वे अपनी सभी संपत्तियों का विवरण देने को तैयार हैं। उन्हें अपने लिए एक प्रस्तावक भी खोजना है और दिल्ली में चुनाव प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। मामले में ट्रायल शुरू हो चुका है और अब तक 114 गवाहों में से 20 गवाहों से पूछताछ हो चुकी है। ऐसे में ट्रायल जल्द पूरी होने की उम्मीद नहीं है। ताहिर 4 साल 9 महीने से ज्यादा समय से हिरासत में है। हाईकोर्ट ने 14 जनवरी को ताहिर की कस्टडी पेरोल मंजूर की थी। 16 जनवरी को कड़ी सुरक्षा के बीच ताहिर तिहाड़ जेल से बाहर आए और नामांकन भरने के बाद वापस जेल चले गए थे। इसके बाद ताहिर जमानत के लिए सुप्रीम कोर्ट पहुंचे थे।

पटना में राजस्थान के स्पीकर देवनानी को आया हार्ट अटैक

एजेंसी/पटना

पटना में दो दिवसीय अखिल भारतीय पीठासीन सम्मेलन में शामिल होने आए राजस्थान विधानसभा के स्पीकर वासुदेव देवनानी की तबीयत अचानक बिगड़ गई। बताया जा रहा है कि, राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी की पटना में दिल का दौरा पड़ने से तबीयत बिगड़ गई, उन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। जांच में कोई गंभीर बात नहीं निकली है। उनकी एंजियोग्राफी होगी, जिसके बाद और स्थिति स्पष्ट होगी। उन्हें डॉक्टरों की देखरेख में रखा गया है।

कैबिनेट मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने जताई चिंता: वहीं राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी की तबीयत बिगड़ने पर कैबिनेट मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने चिंता जताते हुए उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना की है। उन्होंने कहा कि राजस्थान विधानसभा के माननीय अध्यक्ष आदरणीय वासुदेव देवनानी जी के अस्वस्थ होने की सूचना अत्यंत दुःखद है। मैं, ईश्वर से आदरणीय अध्यक्ष जी के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ व सकुशलता की प्रार्थना करना हूं। बता दें कि, वासुदेव देवनानी भाजपा से अजमेर नॉर्थ से विधायक हैं। देवनानी पहले सिंधी हैं जिन्हें राजस्थान विधानसभा का स्पीकर बनाया गया है। वे पटना में 19 जनवरी से चल रहे अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारियों के सम्मेलन में शामिल होने पटना पहुंचे थे।

कर्नाटक में ट्रक और कार की टक्कर में तीन लोगों की मौत

एजेंसी/कलबुर्गी

कर्नाटक के कलबुर्गी जिले में सोमवार को एक कार और ट्रक के बीच हुई आमने-सामने की टक्कर के कारण तीन लोगों की मौत हो गई जबकि तीन अन्य लोग घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक यह दुर्घटना जिले के चिंचोली तालुका के मगधमपुर गांव में अपराह्न करीब 12.30 बजे हुई। प्राप्त जानकारी के अनुसार कार तेलंगाना के बीदर से धारुर आ रही थी तभी उसकी टक्कर एक ट्रक से हो गई।

मृतकों की पहचान अविनाश (24), अभिषेक (26) और संजीव (40) के रूप में हुई है। यह तीनों लोग कार में यात्रा कर रहे थे

और उनके साथ बैठे तीन अन्य लोग घायल हो गए। तीनों घायलों को तुरंत नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। हालांकि इन तीनों की भी हालत गंभीर बतायी जा रही है। पुलिस ने बताया कि दुर्घटना के सिलसिले में मामला दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है। साथ ही मृतकों का पोस्टमार्टम कर शव उनके परिजनों को सौंप दिया गया है।

योगी की पसंदीदा योजना ओडीओपी के स्टाल बने आकर्षण का केंद्र

वैश्विक स्तर पर ब्रांड यूपी को सशक्त करेगा महाकुंभ

केटी न्यूज/लखनऊ

तीरथ राज प्रयाग में करीब डेढ़ महीने तक चलने वाले महाकुंभ से ब्रांड यूपी देश और दुनिया में और सशक्त होगा। यही वजह है कि देश की हर नामचीन कंपनी महाकुंभ में किसी न किसी रूप में खुद की ब्रांडिंग कर रही है। एक रिपोर्ट के अनुसार ये कंपनियां मार्केटिंग और ब्रांडिंग पर लगभग 30 हजार करोड़ रुपये खर्च कर रही हैं। यह सिर्फ उत्तर प्रदेश ही नहीं, ब्रांड इंडिया को भी वैश्विक स्तर पर और मुकम्मल पहचान देगा। भारत और स्थानीय उत्पादों को बड़ा बाजार मिलने का मतलब मेक इन इंडिया, वोकल फॉर लोकल की ओर एक और मजबूत कदम होगा।

उल्लेखनीय है कि विविधताओं से भरपूर उत्तर प्रदेश को देश और दुनिया में ब्रांड बनाने को लेकर योगी सरकार लगातार प्रयास कर रही है। इसी मकसद से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पहल पर सरकार ने वर्ष 2018 में प्रदेश के पहले

स्थापना दिवस पर एक जिला, एक उत्पाद योजना/वन डिस्ट्रिक वन प्रोडक्ट (ओडीओपी) लागू की। आज यह सरकार की सबसे सफलतम योजनाओं में से एक है। इस योजना के जरिए हर जिले के कुछ खास उत्पादों के देश और दुनिया में नई पहचान मिली है। सरकार की मदद और ब्रांडिंग से इनसे जुड़े हजारों हस्तशिल्पियों और उनके परिवारों का जीवन बदला है। सरकार के इन्हीं प्रयासों के नाते सिद्धार्थनगर का कालानमक चावल, गोरखपुर के टेराकोटा उत्पाद, कुशीनगर का केला और उससे बने उत्पाद, मुजफ्फरनगर के गुड़ और उससे बनने वाले अन्य उत्पादों का क्रेज तेजी से बढ़ा है। ये तो प्रतीक के तौर पर चंद उदाहरण हैं। हर जिले की ओडीओपी का क्रेज इस योजना के बाद बढ़ा। साथ ही देश व दुनिया में इनकी मांग भी। इसी सफलता के नाते योगी सरकार ने इस योजना को विस्तार दिया।

वोकल फॉर लोकल को चरितार्थ कर रहा महाकुंभः वोकल फॉर लोकल की पहचान को और मजबूत बनाने के लिए योगी सरकार ने प्रदेश के हर जिले के कुछ खास उत्पादों को जीआई (जियोग्राफिकल इंडिकेशन) भौगोलिक पहचान दिलवाने की योजना बनाई। आज लगभग हर जिले के किसी एक या एक से अधिक खास उत्पाद को जीआई मिल चुकी है। कुछ और उत्पाद भी पाइप लाइन में हैं। महाकुंभ में करीब 6 हजार वार्गमीटर में एक जिला एक उत्पाद की प्रदर्शनी लगी है। चूंकि एक जिला एक उत्पाद के कई उत्पादों को जियोग्राफिकल इंडिकेशन भी मिला है। इसलिए इसमें विशिष्ट भौगोलिक पहचान वाले ये उत्पाद भी शामिल हैं।

सड़क सप्ताह के दौरान दुर्घटना रोकने के लिए परिवहन विभाग की अनूठी पहल

सीनियर सिटीजन के वाहनों पर लगेगा विशेष स्टीकर

♦ सीनियर सिटीजन को बेवजह हार्न, ओवरटेकिंग इत्यादि परेशानियों का सामना करना पड़ता है

केटी न्यूज/पटना

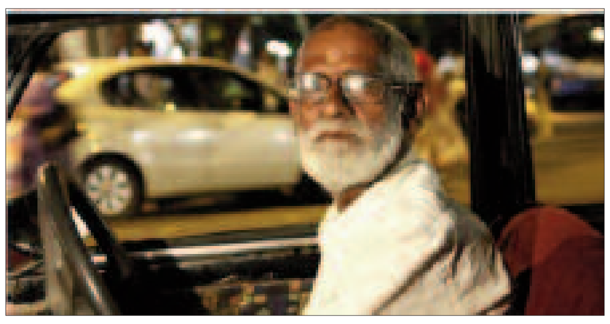

सूबे में 60 साल से ज्यादा उम्र के 514 लोगों की मौत 2023 में हुई थी। जबकि 262 घायल हो चुके हैं। जिसे देखते हुए वरिष्ठ नागरिकों ने एक विशेष स्टीकर गाड़ी पर लगाने का अनुरोध परिवहन सचिव से किया था। अब संजय कुमार अग्रवाल ने इसकी स्वीकृति दी है। परिवहन विभाग ने वरिष्ठ नागरिकों के सुरक्षित वाहन चालन के लिए अनूठी पहल शुरू की है। दुर्घटना रोकने के लिए अब सीनियर सिटीजन के गाड़ियों पर स्टीकर लगाया जाएगा। स्टीकर में धैर्य रखें, वाहन चालक वरिष्ठ नागरिक हैं, सावधानी ही सुरक्षा है लिखी होनी चाहिए। दरअसल वरिष्ठ नागरिकों के एक समूह ने परिवहन सचिव से मिलकर वरिष्ठ नागरिक का विशेष स्टीकर अपने वाहन के पीछे लगाने का अनुरोध किया था। परिवहन सचिव संजय कुमार अग्रवाल ने बताया कि सीनियर सिटीजन के वाहनों के पीछे स्टीकर लगे होने से अन्य वाहन चालक अवेयर होकर गाड़ी चला सकेंगे। इससे सड़क दुर्घटना में कमी आ सकेगी एवं सीनियर सिटीजन सुरक्षित वाहन चला सकेंगे। सड़क सुरक्षा माह के दौरान परिवहन विभाग द्वारा विशेष अभियान के तहत सीनियर सिटीजन के वाहनों में यह स्टीकर लगाया जायेगा। सीनियर सिटीजन को सड़क पर वाहन चलाते समय अधिक सुरक्षा और सहूलियत प्रदान करने के उद्देश्य से परिवहन विभाग ने एक नई पहल शुरू करने का निर्णय लिया है। अब वरिष्ठ नागरिकों के वाहनों के पीछे एक विशेष स्टीकर लगाए जाएंगे, जिस पर धैर्य रखें।

वाहन चालक वरिष्ठ नागरिक हैं। लिखा रहेगा: हाल ही में वरिष्ठ नागरिकों के एक समूह ने परिवहन सचिव से मिलकर वरिष्ठ नागरिक का एक विशेष स्टीकर अपने वाहनों के पीछे लगाने का अनुरोध किया था। उनके अनुरोध पर परिवहन सचिव ने जनहित में वाहनों के पीछे वरिष्ठ नागरिक का स्टीकर लगाने की स्वीकृति दी है।

सीनियर सिटीजन के प्रति धैर्य और सम्मान का बनेगा वातावरण: परिवहन सचिव ने बताया कि यह स्टीकर न केवल सुरक्षा सुनिश्चित करेगा, बल्कि सड़क पर अन्य चालकों के बीच सीनियर सिटीजन के प्रति जागरूकता भी बढ़ाएगा। इससे सड़क पर उनके प्रति धैर्य और सम्मान का वातावरण बनेगा।

सड़क सुरक्षा माह के दौरान लगाया जायेगा स्टीकर

राज्य में सड़क सुरक्षा माह चल रहा है। इसके तहत सड़क सुरक्षा जागरुकता हेतु विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। सड़क सुरक्षा माह के दौरान परिवहन विभाग द्वारा विशेष अभियान के तहत सीनियर सिटीजन के वाहनों पर स्टीकर लगाया जायेगा। सीनियर सिटीजन का स्टीकर प्रिंट कर खुद भी अपनी सुविधानुसार वाहन चालक (वरिष्ठ नागरिक) लगा सकते हैं। यह प्रयास है कि इससे अधिक से अधिक जागरूकता फैले।

बेवजह हॉर्न न बजाएं

परिवहन सचिव ने आम लोगों से अपील की है कि वाहन चलाते समय बेवजह हॉर्न न बजाएं इससे वाहन चालकों को परेषानियों का सामना करना पड़ता है। सीनियर सिटीजन अक्सर धीमी गति से वाहन चलाते हैं, जिससे अन्य वाहन चालकों को उनकी उपस्थिति का पता नहीं चल पाता। इस पहल का उद्देश्य सीनियर सिटीजन की सुरक्षा बढ़ाना और सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाना है।

सड़क दुर्घटनाओं में लायी जा सकेगी कमी

परिवहन सचिव संजय कुमार अग्रवाल ने बताया कि सीनियर सिटीजन को वाहन चलाते समय अन्य वाहन चालकों द्वारा बेवजह हार्न, ओवरटेकिंग इत्यादि परेशानियों का सामना करना पड़ता है। ऐसी स्थिति में वरिष्ठ नागरिक असहज महसूस करते हैं। स्टीकर लगे होने से अन्य वाहन चालकों को उनकी उपस्थिति की जानकारी आसानी से हो सकेगी और सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सकेगी। इन दुर्घटनाओं में वाहन चालक, पैसेंजर, पेडिस्ट्रीयन आदि शामिल हैं।

पटना में दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल के खिलाफ परिवाद दाखिल

केटी न्यूज/पटना

पटना में दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल के खिलाफ परिवाद-पत्र दाखिल किया गया है। यह उनके विवादित बयान चार दिन पहले बिहार में एक शख्स ने राहुल गांधी के खिलाफ परिवाद-पत्र दाखिल किया। अब दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के खिलाफ परिवाद-पत्र दाखिल किया गया है। पटना में दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के खिलाफ परिवाद-पत्र दाखिल हुआ है। इस संबंध में अधिवक्ता बबलू कुमार कटयाल ने बताया कि 9 जनवरी को पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने उत्तर प्रदेश और बिहार को लेकर एक विवादित बयान दिया। इसको लेकर पटना सिविल कोर्ट में परिवाद- पत्र दाखिल किया गया है। इस संबंध में अधिवक्ता बबलू कुमार ने बताया कि बीते 9 जनवरी को दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बिहार और यूपी के लोगों को फर्जी वोटर बताते हुए विवादित बयान दिया था। इसी विरोध में सोमवार को पटना के सिविल कोर्ट में परिवाद पत्र दाखिल किया गया है। यह परिवार पत्र बीएनएस की धारा 356 के तहत सिविल कोर्ट में दर्ज किया गया है। वहीं सीनियर अधिवक्ता ऋषिकेश नारायण सिंह का कहना है कि यह काफी निंदनीय बात है कि बिहार और यूपी के लोगों के ऊपर फर्जी वोटर विवादित बयान दिया गया है। अधिवक्ताओं का कहना है कि सीजीएम कोर्ट ने 21 जनवरी यानी मंगलवार का समय सुनवाई के लिए तय किया है। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के खिलाफ अब तक कुल 11 मुकदमा दर्ज हो चुके हैं, जिसमें अरविन्द केजरीवाल तीन बार माफी भी मांग चुके हैं। हालांकि अब मामला कोर्ट में है।

महिलाओं के बिना विकास अधूरा: सीएम

प्रगति यात्रा

केटी न्यूज/सुपौल

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सोमवार को अपनी प्रगति यात्रा के तीसरे चरण में सुपौल पहुंचे। सदर प्रखंड के बकौर पंचायत में उन्होंने जीविका दीदियों से संवाद किया और उनके काम की जमकर प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि बिहार में महिला सशक्तिकरण का सबसे बड़ा उदाहरण जीविका दीदियां हैं। इनके योगदान से ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में सामाजिक और आर्थिक बदलाव हुआ है। सीएम ने बताया कि अब शहरी क्षेत्रों में भी एसएचजी का गठन हो रहा है। अब तक 26 हजार एसएचजी बनाए गए हैं, जिनसे तीन लाख से अधिक महिलाएं जुड़ी हुई हैं। उन्होंने कहा कि जीविका दीदियां जहां भी काम कर रही हैं, वहां बदलाव नजर आता है। हम हमेशा उनके साथ खड़े हैं और उनकी जरूरतों को प्राथमिकता देते हैं।

210 योजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास: प्रगति यात्रा के दौरान सीएम ने सुपौल जिले में 298.07 करोड़ रुपये की 210 योजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इसमें 134.22 करोड़ की 52 योजनाओं का उद्घाटन और 163.84 करोड़ की 158 योजनाओं का शिलान्यास शामिल था। सीएम ने कोसी नदी पर निमार्णाधीन भेजा-बकौर पुल का हवाई सर्वेक्षण किया। इसके निर्माण कार्य की प्रगति का जायजा लिया। इसके बाद बकौर पंचायत के बिजलपुर पुनर्वास टोला में उन्होंने विकासात्मक कार्यों का निरीक्षण किया। स्थानीय लोगों से बातचीत करते हुए उन्होंने उनकी समस्याएं सुनीं।

जल-जीवन-हरियाली योजना का निरीक्षण: मुख्यमंत्री ने जल-जीवन-हरियाली योजना के तहत परसौनी सार्वजनिक पोखर का निरीक्षण किया। पोखर के चारों ओर बनाए गए सीढ़ीनुमा घाट और पैदल मार्ग के निर्माण कार्य को उन्होंने सराहा। उन्होंने कहा कि यह एक बेहतरीन काम है, जिससे स्थानीय लोगों को बड़ी सुविधा मिलेगी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने विभिन्न विभागों और जीविका दीदियों द्वारा लगाए गए 20 स्टॉल का अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि ये स्टॉल महिलाओं की उद्यमशीलता का उदाहरण हैं। मुख्यमंत्री ने जीविका दीदियों से बातचीत कर उनकी उपलब्धियों और आवश्यकताओं के बारे में जानकारी ली। साथ ही अधिकारियों को निर्देश दिया। अधिकारियों का निर्देश देते हुए कहा कि जो भी योजनाएं ली गई है। उन्हें समय पर पूरा किया जाए।

महिलाओं ने दिया अपना योगदान: नीतीश कुमार ने कहा कि बिहार में विकास की गति महिलाओं के योगदान के बिना अधूरी है। जीविका दीदियां न केवल आर्थिक रूप से मजबूत हो रही हैं, बल्कि सामाजिक बदलाव की धुरी भी बन रही हैं। उन्होंने सभी जीविका दीदियों को उनकी कड़ी मेहनत और लगन के लिए बधाई दी। मुख्यमंत्री ने बताया कि 2005 में जब उनकी सरकार ने काम शुरू किया था, तब सेल्फ हेल्प ग्रुप (एसएचजी) की संख्या बेहद कम थी। उन्होंने विश्व बैंक से कर्ज लेकर एसएचजी का विस्तार शुरू किया। आज बिहार में 10 लाख 61 हजार एसएचजी हैं, जिनसे एक करोड़ 35 लाख महिलाएं जुड़ी हुई हैं। नीतीश कुमार ने कहा कि हमने एसएचजी से जुड़ी महिलाओं को जीविका दीदी का नाम दिया। यह नाम इतना प्रभावी रहा कि केंद्र सरकार ने इसे अपनाते हुए इसे आजीविका का नाम दिया।

1 अप्रैल से बिहार के लोगों को मिलेगी सस्ती दर पर बिजली

केटी न्यूज/पटना

बिहार के लोगों को सस्ती बिजली मिलने वाली है। बिजली कंपनी ने बिहार सरकार को प्रस्ताव भेजा है। 1 अप्रैल से रियायत लागू होने के बाद बिहार में गरीबी रेखा से नीचे गुजर बसर करने वाले बीपीएल और घरेलू उपभोक्ताओं को बड़ी राहत मिलने वाली है। दरअसल, बिजली कंपनी ने ग्रामीण इलाकों के बीपीएल और घरेलू बिजली उपभोक्ताओं को सस्ते दर पर बिजली देने का प्रस्ताव सरकार के पास भेजा है। वैसे उपभोक्ता जो महीने में 50 यूनिट से अधिक बिजली खपत करते हैं उन्हें 40 पैसे प्रति यूनिट सस्ती बिजली देने का प्रस्ताव है। बिजली कंपनी ने बिहार विद्युत विनियामक आयोग को अपना प्रस्ताव भेजा है। आयोग के फैसला लेते ही इसे लागू कर दिया जाएगा। बिहार में फिलहार कुटीर ज्योति के कंज्यूमर्स को 50 यूनिट तक बिजली 7.42 रुपए प्रति यूनिट की दर से दिया जाता है, जिसमें 5.45 रुपए प्रति यूनिट का अनुदान सरकार की तरफ से दिया जाता है। ऐसे में मात्र 1.94 रुपए प्रति यूनिट की दर से ही इन उपभोक्ताओं को भुगतान करना पड़ता है लेकिन 50 यूनिट से अधिक बिजली खपत होने पर घरेलू क्षेणी के उपभोक्ताओं के मुताबिक ही बिल देना पड़ता है। इसमें राज्य सरकार 4.97 रुपए प्रति यूनिट का अनुदान देती है। ऐसे में 50 यूनिट तक बिजली खपत करने पर महज 2.45 रुपए प्रति यूनिट के हिसाब से बिल भुगतान करना पड़ता है जबकि 50 यूनिट से अधिक खर्च करने पर 7.96 रुपए प्रति यूनिट का प्रावधान है। सरकार 5.11 रुपए प्रति यूनिट का अनुदान देती है।

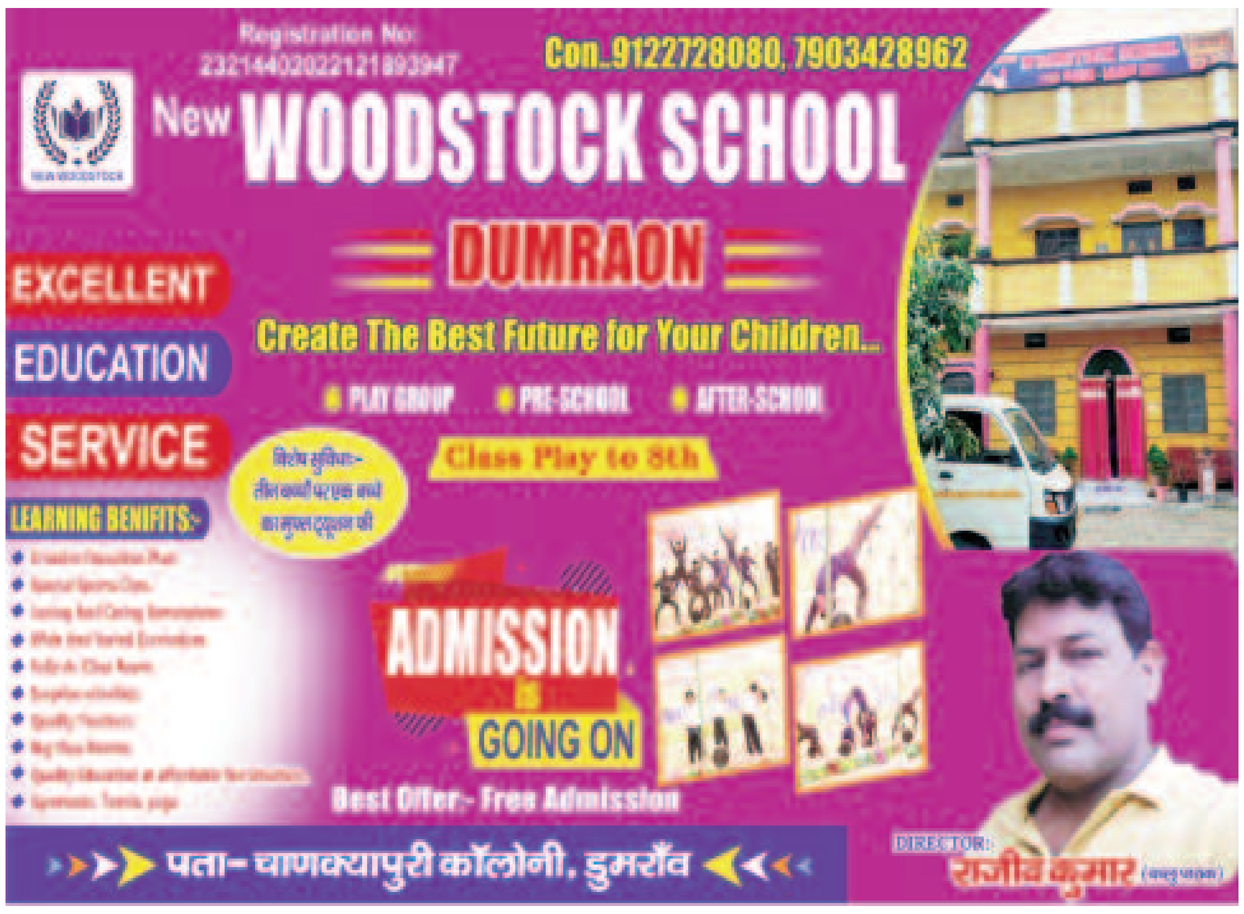

बोले तेजस्वी यादव... नीतीश कुमार के ऊपर एक 'सुपर सीएम'

♦ नीतीश कुमार को 20 साल तक सीएम के रूप में देख लिया, अब होगा बदलाव

केटी न्यूज/औरंगाबाद

औरंगाबाद में तेजस्वी यादव ने नीतीश कुमार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार पूरी तरह से सरकार नहीं चला रहे हैं। तेजस्वी यादव के अनुसार साढ़े तीन लोग मिलकर सरकार चला रहे हैं। तेजस्वी ने नीतीश कुमार के ऊपर एक सुपर सीएम होने का भी दावा किया। उन्होंने कहा कि सुपर सीएम डीके बॉस है। हालांकि तेजस्वी ने डीके बॉस की पहचान नहीं बताई।

नीतीश कुमार के ऊपर सुपर सीएम 'डीके बॉस': नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव कार्यकर्ता दर्शन सह संवाद कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे थे। सोमवार को कार्यकर्ता दर्शन कार्यक्रम के दौरान तेजस्वी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। तेजस्वी ने सीधे तौर पर कहा कि बिहार में नीतीश कुमार नहीं बल्कि साढ़े तीन लोग सरकार चला रहे हैं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से भी ऊपर सुपर सीएम हैं। वहीं सुपर सीएम डीके बॉस हैं।

नीतीश कुमार का हेल्थ कार्ड भी जारी करने की मांग: तेजस्वी यादव ने सीएम नीतीश कुमार का हेल्थ कार्ड जारी करने की भी मांग की। उन्होंने कहा कि उम्र के एक पड़ाव पर शारीरिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं आ जाती है। ऐसी समस्याएं नीतीश कुमार के साथ भी है। अब वो सरकार चलाने के लिए फिट नहीं है।

20 साल के बाद बिहार में अब बदलाव जरूरी: तेजस्वी यादव ने कहा कि नीतीश कुमार थक चुके हैं, थके हुए आदमी और रिटायर्ड अधिकारी से बिहार नहीं चलने वाला है। उन्होंने कहा कि उन्हें 20 साल मुख्यमंत्री के रूप में देख लिया। एक ही जमीन पर 20 साल तक एक ही ब्रांड का बीज डालने पर जमीन खराब हो जाता है। बिहार में नया बीज डालने की जरूरत है। तेजस्वी यादव ने कहा कि बिहार की जनता भी अब समझ चुकी है।

छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती को लेकर बैठक

पटना। छत्रपति शिवाजी महाराज की 395 वां जयंती सह सम्मान समारोह के आयोजन को लेकर सोमवार को पटना में छत्रपति शिवाजी महाराज सेवा समिति के कोर कमेटी की बैठक की गई. इस मौके पर डॉ सुधीर पटेल ने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज सेवा समिति संस्था द्वारा विगत 10 वर्षों से छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती मनाती आ रही है. पिछले वर्ष विधान परिषद में जयंती समारोह मनाई गई थी. छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती 19 फरवरी को है लेकिन इस बार आगामी 2 मार्च 2025 को छत्रपति शिवाजी महाराज की 395 वां जयंती सह सम्मान समारोह को आयोजन किया जाना है।

विश्व मूर्ति फिल्म्स प्रोडक्शन और पिकासो प्रोडक्शन के बैनर तले बन रही है फिल्म

भव्य मुहूर्त में शुरू हुआ भोजपुरी फिल्म नारी की शूटिंग

केटी न्यूज/पटना

विश्व मूर्ति फिल्म्स प्रोडक्शन और पिकासो प्रोडक्शन के बैनर तले बनने वाली बहुप्रतीक्षित फिल्म नारी की शूटिंग का सोमवार भव्य मुहूर्त के साथ शुभारंभ हुआ। फिल्म का मुहूर्त पटना में हुआ और इसकी शूटिंग पटना के विभिन्न रमणीय स्थलों पर की जाएगी। इस फिल्म के निमार्ता संजय पांडेय हैं, जबकि लेखक और निर्देशक सोम भूषण श्रीवास्तव हैं। फिल्म सामाजिक मुद्दों पर आधारित होगी।

नारी फिल्म एक समाज के लिए संदेश देने वाली कहानी है, जिसमें महिलाओं के संघर्ष, उनकी सशक्तिकरण की कहानी और जीवन की चुनौतियों को दिखाया जाएगा। निमार्ता संजय पांडेय ने बताया कि इस फिल्म का उद्देश्य मनोरंजन के साथ-साथ सामाजिक जागरूकता बढ़ाना भी है। निर्देशक सोम भूषण श्रीवास्तव ने कहा कि फिल्म की कहानी हर वर्ग के दर्शकों को पसंद आएगी और यह फिल्म भोजपुरी सिनेमा को एक नई पहचान देगी।

फिल्म की शूटिंग पटना के विभिन्न लोकेशनों पर की जाएगी। मुहूर्त के दौरान फिल्म से जुड़े सभी कलाकार, तकनीकी टीम और प्रोडक्शन से जुड़े लोग उपस्थित थे। इस दौरान फिल्म के निमार्ता और निर्देशक ने फिल्म की कहानी और इसके महत्व पर चर्चा की। फिल्म में बेहतरीन संगीत और दृश्य संयोजन का वादा किया गया है। डीओपी समीर जहांगीर फिल्म के दृश्यात्मक अनुभव को यादगार बनाने के लिए नई तकनीकों का उपयोग करेंगे। कोरियोग्राफर प्रवीण सेलार फिल्म के गानों को आकर्षक बनाने के लिए मेहनत करेंगे। गौरतलब है कि फिल्म नारी के पीआरओ रंजन सिन्हा हैं। डीओपी समीर जहांगीर हैं। कोरियोग्राफर प्रवीण सेलार हैं। फिल्म के मुख्य कलाकार गौरव झा, संजना पांडेय, राम सुजान सिंह, के के गोस्वामी, रोहित सिंह मटरू, सुबोध सेठ, निशा तिवारी और केहना सिंह हैं। फिल्म नारी की घोषणा और मुहूर्त के बाद से ही दर्शकों में इसे लेकर उत्साह बढ़ गया है। पटना के विभिन्न लोकेशनों पर शूटिंग के दौरान स्थानीय दर्शकों को फिल्म की झलकियां देखने का अवसर मिलेगा।

फिल्म के मुख्य अभिनेता गौरव झा ने बिहार में फिल्म नीति के लिए राज्य सरकार का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि बिहार में फिल्म निर्माण को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने जो नीति बनाई है, वह काबिले तारीफ है। इससे हमें अपने राज्य की संस्कृति और कला को सिनेमा के माध्यम से प्रदर्शित करने का शानदार अवसर मिलता है।

घटना के बाद परिजनों ने नहीं जताई है किसी तरह की अनहोनी की आशंका

अटांव में छह दिन से गायब युवक का तालाब से मिला शव, गूंज उठी चित्कार

♦ सूचना मिलते ही पुलिस ने शव को कब्जे में ले पोस्टमार्टम के लिए भेजा

केटी न्यूज/डुमरांव

स्थानीय थाना क्षेत्र के अटांव गांव स्थित ठाकुरबाड़ी तालाब से एक युवक का शव बरामद हुआ है। उसकी शिनाख्त स्थानीय गांव निवासी स्व. श्याम बिहारी मुसहर के 35 वर्षीय पुत्र मुरई मुसहर के रूप में हुई है। तालाब में उसका शव उतराया हुआ था, ग्रामीणों की सूचना पर पहुंचे परिजनों ने शव की शिनाख्त की। इसके बाद घटना की जानकारी डुमरांव पुलिस को दी गई।

सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची डुमरांव थाने की पुलिस ने शव को कब्जे में ले डुमरांव थाना लाई तथा यहां से कागजी कार्रवाई पूरा करने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। वहीं, घटना के बाद से मृतक के परिजनों में कोहराम मच गया।

सैकड़ों ग्रामीणों की लग गई भीड़ : मिली जानकारी के अनुसार वह 14 जनवरी से ही घर से गायब था। परिजन उसकी तलाश कर रहे थे, लेकिन उसका कहीं पता नहीं चल रहा था। इसी दौरान सोमवार को अटांव गांव के ठाकुरबाड़ी तालाब में एक शव उतराया मिला। जब ग्रामीणों की नजर उक्त शव पर पड़ी तो गांव हो हल्ला कर पूरे गांव में इसकी जानकारी दी गई। देखते ही देखते वहां सैकड़ों ग्रामीणों की भीड़ लग गई थी। जानकारी मिलते ही उसके परिजन भी मौक पर पहुंचे तथा शव देखते ही फफक पड़े। जाहिर है, उक्त शव छह दिन से लापता मुरई मुसहर का ही था। इसके बाद ग्रामीणों ने स्थानीय चौकीदार के माध्यम से डुमरांव पुलिस को तालाब से शव मिलने की जानकारी दी।

हालांकि, उसकी मौत कैसे हुई है, यह रहस्य बना हुआ है। परिजनों ने किसी तरह की आशंका नहीं जताई है। ऐसे में अनुमान लगाया जा रहा है कि शौच के दौरान उसका संतुलन बिगड़ गया होगा तथा वह गहरे पानी में डूब गया होगा, जिससे उसकी मौत हो गई हो गई होगी।

डुमरांव थानाध्यक्ष शंभू कुमार भगत ने जानकारी देते हुए बताया कि सुबह में पुलिस को सूचना मिली कि अटांव गांव के ठाकुरबाड़ी तालाब में एक शव उतराया मिला है। उक्त शव गांव के ही मुरई मुसहर का है तथा वह पिछले छह दिन से घर से लापता था। थानाध्यक्ष ने बताया कि उसकी मौत कैसे हुई है, यह पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही पता चल सकेगा। उन्होंने कहा कि परिजनों ने किसी तरह की आशंका नहीं जताई है।

महादेवगंज के ट्रक ड्राईवर की कोचस में सड़क दुर्घटना में मौत

केटी न्यूज/केसठ

प्रखंड के महादेवगंज गांव निवासी गुलेश्वर यादव के पुत्र विजय यादव की मौत कोचस में सड़क दुर्घटना में हो गई है। जानकारी के अनुसार डंफर ट्रक की आपसी टक्कर के चपेट में आने से हो गई।

मिली जानकारी के अनुसार मृतक ट्रक ड्राईवर सोमवार को सुबह चार बजे कोचस में अपने ट्रक को खड़ा करके चाय पीने गया था। इसी दौरान दो डंफर आपस मे टकरा गए। जिसके चपेट में आ वह घायल हो गया। जिनका इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है।

इस घटना की सूचना मिलते ही मृतक ड्राइवर के घर और पूरे गांव में मातम छा गया। वही परिजनों का रो रो कर हल बुरा हो गया है। मृतक अपने पीछे एक पुत्र तथा तीन पुत्री और पत्नी से भरा हुआ पूरा परिवार छोड़ गया हैं। मृतक की पत्नी ऊषा देवी का रो रो कर बुरा हाल बना हुआ है, वही हाल उसके बच्चों का भी है।

विदेशी शराब की खेप के साथ दो तस्कर गिरफ्तार, बाइक जब्त

डुमरांव। डुमरांव पुलिस ने थाना क्षेत्र के कालीमंदिर के पीछे से एक बाइक पर शराब की खेप लेकर जा रहे दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनकी बाइक भी जब्त कर ली है। गिरफ्तार तस्करों की पहचान नगर के शहीद मर्द मोहल्ला निवासी स्व. राजगृही खरवार के पुत्र जितेन्द्र कुमार व लक्ष्मण पासी के पुत्र लड्डु पासी के रूप में हुई है।

इस संबंध में थानाध्यक्ष शंभू कुमार भगत ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि दो तस्कर बाइक पर शराब की खेप लेकर काली मंदिर के रास्ते जाने वाले है। इस सूचना पर एक टीम को उन्हें गिरफ्तार करने के लिए भेजा गया। पुलिस टीम वहां पहुंच तस्करों को पकड़ने की फिराक में लगी थी, इसी दौरान एक पैशन प्रो बाइक पर सवार दो युवक आते दिखाई पड़े। उनके पास एक बैग था। पुलिस को देखते ही दोनों भागने का प्रयास किए, जिसे पुलिस टीम ने दौड़ाकर पकड़ लिया और तलाशी ली तो बैग से 8 पीएम ब्रांड का 61 पीस अंग्रेजी शराब बरामद हुआ। जिसके बाद पुलिस दोनों को गिरफ्तार कर थाने लाई। थानाध्यक्ष ने बताया कि दोनों के खिलाफ उत्पाद अधिनियम के तहत एफआईआर दर्ज किया गया है।

बक्सर मुख्यालय के दर्जन छात्रों का हुआ आशुलिपिक के पद पर चयन

केटी न्यूज/बक्सर

पटना उच्च न्यायालय के निर्देश पर जिला अदालतों के लिए घोषित आशुलिपिकों के भर्ती परीक्षा का परिणाम घोषित हो गया है। इस परिणाम में नगर के अलमा कम्प्यूटर के दर्जन भर छात्रों का चयन हुआ है। अलमा कंप्यूटर बक्सर के निदेशक संतोष कुमार ने बताया कि नगर के सोहनी पट्टी निवासी जूली कुमारी का आशुलिपिक पद पर व्यवहार न्यायालय आरा में पदस्थापित किया गया है।

बक्सर नगर के पेट्रोल पंप के पास की अमृता कुमारी का बांका न्यायमण्डल में आशुलिपिक पद पर चयन हुआ है, वहीं गोलंबर निवासी शालिनी कुमारी का औरंगाबाद, महाराजा हाता बक्सर नगर निवासी अभिषेक कुमार पांडेय का भी औरंगाबाद, गोला बाजार बक्सर निवासी कन्हैया गुप्ता का भभुआ, सैनिक कॉलोनी बक्सर निवासी सतीश चौबे का पटना न्यायमंडल में आशुलिपिक पद पर अंतिम चयन हो गया है।

डुमरांव निवासी सुधांशु कुमार का सीतामढ़ी, गोलंबर बक्सर निवासी सुमित कुमार ओझा का मुजफ्फरपुर, सौरी राजपुर गांव निवासी व वर्तमान में चरित्रवन निवासी सत्यम राय का कटिहार, बाबानगर बक्सर निवासी अनंत कुमार का गया न्यायमण्डल में आशुलिपिक पद पर चयन हो गया है। ठठेरी बाजार बक्सर निवासी राहुल कुमार का कोर्ट रीडर के पद पर गया न्यायमण्डल में पदस्थापित किया है। सिविल लाइंस बक्सर निवासी सोनू वर्मा का सीतामढ़ी न्यायमण्डल में अंतिम रूप से आशुलिपिक के पद पर चयन हुआ है। अलमा कंप्यूटर संस्थान में आज एक समारोह आयोजित कर सफल अभ्यर्थियों को सफल जीवन की मंगलकामना की गई।

ब्रह्मपुर में हेरोइन के साथ पकड़ा गया कुख्यात तस्कर पिंटू नट, जेल

केटी न्यूज/ब्रह्मपुर

ब्रह्मपुर पुलिस ने थाना क्षेत्र के रघुनाथपुर गांव से कुख्यात हेरोइन तस्कर पिंटू नट को गिरफ्तार कर लिया है। उसके पास से सात पुड़िया हेराइन बरामद हुई है। बरामद हेरोइन की कीमत हजारों रूपए है।

थानाध्यक्ष सुरेश प्रसाद ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर उसे पकड़ा गया है। बता दें कि पूर्व में भी वह हेरोइन तस्करी के आरोप में गिरफ्तार हो चुका है। वही, सूत्रों का कहना है कि वह इलाके का बड़ा कारोबारी है।

गौरतल हो कि रघुनाथपुर इलाके में लंबे समय से हेरोइन की तस्करी की जा रही थी। इसकी सूचना पुलिस को मिल रही थी। पुलिस ने तस्कर को पकड़ने के लिए अपने मुखबिरों को लगाया। मुखबिरों ने थानाध्यक्ष को सूचना दिया था कि पिंटू नट अपने घर में हेरोइन की खेप मंगवाया है तथा वह इसकी तस्करी कर रहा है। सूचना की तस्दीक के बाद थानाध्यक्ष ने एक टीम गठित कर उसके घर छापेमारी करवाई। इस दौरान वह रंगेहाथ पकड़ा गया।

शराब बेचने से मना करने पर तस्करों ने की फायरिंग, दो गिरफ्तार

केटी न्यूज/चौसा

शराब बेचने पर मना करने पर तस्करों ने मना करने वालों के साथ मारपीट की तथा दहशत कायम करने के लिए हवाई फायरिंग भी की। इसकी जानकारी मिलते ही पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दो तस्करों को गिरफ्तार कर लिया, जबकि दो लोग मौके का फायदा उठा भागने में सफल रहे। घटना मुफस्सिल थाना क्षेत्र के लालगंज छावनी के पास की हैं। पुलिस ने मौके से एक खोखा बरामद किया है तथा गिरफ्तार लोगों को थाने ला पूछताछ कर दोनों को जेल भेज दिया गया।

जानकारी के अनुसार लालगंज छावनी के रहने वाले मुन्ना सिंह के पुत्र मनोहर सिंह व अन्य

पर आरोप था कि वे लोग शराब बिक्री करते है। जिसको लेकर गांव के कुछ लोग मना कर रहे थे। जिसको लेकर मनोहर सिंह व अन्य द्वारा मारपीट की गई। वही दबाव बनाने के लिए इनलोगों द्वारा हवाई फायरिंग की गई। इसकी सूचना किसी ने पुलिस को दे दी, तत्काल सूचना पर पुलिस पहुंची व मनोहर सिंह व मंटू यादव को गिरफ्तार कर लिया। इस दौरान अन्य दो लोग मौके का फायदा उठा भाग खड़े हुए। वही जांच के दौरान पुलिस ने एक खोखा भी बरामद किया गया। जहा गिरफ्तार युवकों को थाना लाया गया। जिनसे पूछताछ की गई, उसके बाद दोनों युवकों को जेल भेज दिया। वही, अन्य दो युवकों की भी तलाश की जा रही है।

थानाप्रभारी अरविंद कुमार ने बताया कि मारपीट की व हवाई फायरिंग की सूचना पर तत्काल पुलिस मौके पर पहुंची जहा से दो युवकों को गिरफ्तार किया गया। वही, उस स्थल से एक खोखा भी बरामद किया गया। जहा अन्य दो युवक फरार हो गए। जिसकी पहचान कर ली गई है। उसके लिए छपेमारी की जा रही है। वही पकड़े गए युवकों से पूछताछ के बाद जेल भेज दिया गया।

राजगोला स्थित आधा दर्जन दुकानों में चोरी करने वाले दो चोर गिरफ्तार

♦ तीसरे की तलाश में हो रही है छापेमारी, अक्टूबर के पहले सप्ताह में एक ही रात हुई थी छह दुकानों में चोरियां

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव पुलिस ने शहर के राजगोला की आधा दर्जन दुकानों में एक ही रात हुई चोरी की सीरियल घटना का उद्भेदन कर लिया है। पुलिस ने इस घटना में शामिल दो शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। वही, उनका तीसरा साथी अभी फरार चल रहा है, जिसकी तलाश में छापेमारी की जा रही है।

गिरफ्तार चोरों की पहचान नगर के दक्षिण टोला निवासी देवमुनी राम का पुत्र चंदन कुमार राम व रजई मिश्र की गली निवासी नारायण यादव के पुत्र बाबूधन यादव के रूप में हुई है। आवश्यक पूछताछ के बाद दोनों को जेल भेज दिया गया है।

बता दें कि चार अक्टूबर 2024 की रात राजगोला में चोरों ने एक साथ आधा दर्जन दुकानों में सेंधमारी कर लाखों रूपए के सामान चुरा लिए थे। इस घटना के बाद व्यवसायियों में दहशत कायम हो गया था। वही, स्थानीय पुलिस के प्रति भी आक्रोश बढ़ गया है। हालांकि, पुलिस ने जब मामले की वैज्ञानिक तरीके से अनुसंधान शुरू की तथा आस पास में लगे सीसीटीवी कैमरे को खंगाला तो उसमें चोरों की हरकत कैद मिली। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस ने उनकी शिनाख्त कर गिरफ्तारी का प्रयास शुरू कर दिया था, लेकिन वे फरार चल रहे थे।

रविवार की रात गुप्त सूचना पर दोनों को उनके घर से गिरफ्तार किया गया। थानाध्यक्ष शंभू कुमार भगत ने बताया कि पुलिस की पूछताछ में दोनों ने अपनी संलिप्तता स्वीकार की है। वही, थानाध्यक्ष ने बताया कि तीसरे की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। चोरी के इस सीरियल घटना के उद्भेदन के बाद शहर के व्यवसायियों में पुलिस के प्रति विश्वास बढ़ गया है।

जवहीं दीयर से 20 पेटी शराब बरामद, तस्कर फरार

ब्रह्मपुर। ब्रह्मपुर पुलिस ने गुप्त सूचना पर थाना क्षेत्र के जवहीं दीयर गांव के पास से 20 पेटी शराब बरामद की है। हालांकि, पुलिस को देखते ही तस्कर भागने में सफल रहे। पुलिस शराब बरामद करने के बाद अज्ञात तस्करों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर तस्करों की शिनाख्त में जुट गई है।

थानाध्यक्ष सुरेश प्रसाद ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि जवहीं दीयर के रास्ते शराब तस्कर शराब की एक बड़ी खेप लेकर आ रहे हैं। इस सूचना पर एक टीम गठित कर उन्हें पकड़ने के लिए जाल बिछाया गया, लेकिन तस्कर पुलिस को देखते ही शराब की खेप छोड़ फरार हो गए। पुलिस ने बताया कि तस्करों की शिनाख्त की जा रही है। उन्हें जल्दी गिरफ्तार कर लिया जाएगा। गौरतलब हो कि हाल के दिनों में ब्रह्मपुर व नैनीजोर थाने की पुलिस ने गंगा के रास्ते यूपी से आने वाली शराब की कई खेप को बरामद कर तस्करों की कमर तोड़ दी है।

न्यायालय के नये भवन में मनाया गया स्व. प्रेमचंद की पुण्यतिथि

लंबे समय तक स्व. प्रेमचंद उपाध्याय ने की थी व्यवहार न्यायालय की सेवा: जिला जज

♦ जिला जज हर्षित सिंह ने जरूरतमंदों के बीच वितरित किया कंबल

केटी न्यूज/बक्सर

सोमवार को दिवंगत अधिवक्ता स्व. प्रेमचंद उपाध्याय की चौथी पुण्यतिथि मनाई गई। इस अवसर पर जिला जज हर्षित सिंह, अन्य न्यायाधीश और अधिवक्तागणों ने उनके तैल्य चित्र श्रद्धा सुमन अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दिया। इस मौके पर जिला जज ने जरूरतमंदों के बीच कंबल का वितरण किया।

यह कार्यक्रम नये बार भवन में जिला अधिवक्ता संघ के तत्वावधान में आयोजित किया गया था। जिसकी अध्यक्षता संघ के अध्यक्ष बबन ओझा ने व मंच संचालन वरीय

अधिवक्ता रामेश्वर प्रसाद वर्मा ने किया। उक्त अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में जिला जज हर्षित सिंह ने कहा कि अपने कार्यकाल में इन्होंने लंबे समय तक व्यवहार न्यायालय में योगदान दिया लोगों को लाभान्वित किए। उनका योगदान अपराधिक मामलों में रहा अपने विद्वता व अपने आचरण से वे समाज की सेवा किये थे। उन्होंने कहा कि उनके पुत्र शशिकांत उपाध्याय में उनकी पूरी झलक हम लोग देखते हैं। जिला जज ने कहा कि उनके मूल्यों को आदर्शों को अपनाएं और उनके मार्गदर्शन को फलीभूत करें। इस अवसर पर महासचिव बिंदेश्वरी पांडेय उर्फ पप्पू पांडेय ने सभी अतिथियों का अभिवादन करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित किया।

मौके पर जिला जज ने जरूरतमंदों के बीच कंबल का वितरण किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि समाज के कमजोर वर्ग की सहायता करना हर सामर्थ्यवान का कर्तव्य हैं।

इस दौरान न्यायाधीश मनोज कुमार, प्रेमचंद वर्मा, अमित कुमार शर्मा, राकेश कुमार राकेश, शारदा, अधिवक्ता शिवपूजन लाल, विजय नारायण मिश्र, गणपति मंडल, कामोद सिंह, सूबेदार पांडेय, कृपा राय, मथुरा चौबे, रामनाथ ठाकुर, द्वारिका नाथ तिवारी, वशीम अकरम, मोहित ओझा, वेद प्रकाश, रानी तिवारी, प्रिती सिंह, निकिता उपाध्याय, आनंद रंजना, उदय प्रताप, श्यामाश्री, विनोद दुबे, अशोक श्रीवास्त आदि उपस्थित थे। धन्यवाद ज्ञापन महासचिव ने किया।

मानव के लिए प्रेरणादायक है श्रीकृष्ण की लीलाएं: आचार्य रणधीर ओझा

- इटाढ़ी में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के पांचवें दिन आचार्य ने बाल लीला सहित कई प्रसंगों की सुनाई कथा, भाव विभोर हुए श्रद्धालु

केटी न्यूज/बक्सर

इटाढ़ी में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के पांचवे दिन मामाजी के कृपापात्र आचार्य श्री रणधीर ओझा ने श्रीकृष्ण के बाल लीला, कालिया मर्दन एवं गोवर्धन पूजा के साथ गोपियों की रासलीला का प्रसंग सुना श्रोताओं को भावि विभोर कर दिया। उन्होंने कहा कि भगवान की लीलाएं मानव जीवन के लिए प्रेरणादायक हैं। भगवान कृष्ण बचपन में अनेक लीलाएं किए हैं। आचार्य ने कहा कि भगवान कृष्ण सभी का मन मोह लिया करते थे। नटखट स्वभाव के चलते यशोदा मां के पास उनकी हर रोज शिकायत आती थी।

मां यशोदा कहती थी कि तुम रोज माखन चुरा कर खाया करते हो, तो श्रीकृष्ण तुरंत अपना मुंह खोलकर दिखा दिया करते थे और कहते थे कि मैया मोरी, मैं नहीं माखन खायो... जितना यशोदा मैया और नंदलाला उनके नटखट अंदाज से परेशान थे, उतने ही वहां के गांव वाले भी। कृष्णजी अपने मित्रों के साथ मिलकर गांववालों का माखन चुराकर खा जाते थे। जिसके बाद गांव वाले उनकी शिकायत मैया यशोदा के पास लेकर पहुंच जाते थे, इस वजह से उन्हें अपनी मैया से डांट भी खानी पड़ती थी।

आचार्य ने आगे गोवर्धन पर्वत की कहानी सुनाते हुए कहा कि इस कहानी से भी हर कोई परिचित है जो कि उनकी प्रचलित लीलाओं में से एक है। उन्होंने कथा के दौरान बताया कि कार्तिक मास में ब्रजवासी भगवान इंद्र को प्रसन्न करने के लिए पूजन का कार्यक्रम करने की तैयारी करते हैं, लेकिन कृष्ण उनको भगवान इंद्र की पूजा करने से मना करते हुए गोवर्धन महाराज की पूजन करने की बात कहते हैं। इंद्र भगवान उन बातों को सुनकर क्रोधित हो जाते हैं। वे अपने क्रोध से भारी वर्षा करते हैं, जिसको देखकर समस्त ब्रजवासी परेशान हो जाते हैं। भारी वर्षा को देख भगवान श्रीकृष्ण गोवर्धन पर्वत को अपनी कनिष्ठा उंगली पर उठाकर पूरे नगर वासियों को पर्वत के नीचे बुला लेते हैं। जिससे हारकर इंद्र 1 सप्ताह के बाद बारिश को बंद कर देते हैं। जिसके बाद ब्रज में भगवान श्रीकृष्ण और गोवर्धन महाराज के जयकारे लगने लगते हैं। कथा सुनने के लिए श्रद्धालुओं की काफी भीड़ जुटी रही।

श्रीकृष्ण ने कालिया नाग का किया था मर्दन

अचार्य ने बताया कि कालिया नाग का मर्दन श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं में से एक है। एक बार श्रीकृष्ण अपने मित्रों के साथ यमुना नदी के किनारे गेंद से खेल रहे थे। अचानक गेंद यमुना नदी में चली गई और बाल गोपाल के सारे मित्रों ने मिलकर उन्हें नदी से गेंद लाने को भेज दिया। बाल गोपाल भी एकदम से कदंब के पेड़ पर चढ़कर यमुना में कूद गए, वहां उन्हें कालिया नाग मिला। श्रीकृष्ण ने अपने भाई बलराम के साथ मिलकर जहरीले कालिया नाग का मर्दन किया।

एक नजर

सत्संग से बदल जाता हैं जीवन: दीदी सुदीक्षा

डुमरांव। शहर के शक्ति द्वार के समीप बड़ी संगत उदासीन मठिया में श्रीमद्भागवत कथा के तीसरे दिन भक्त प्रह्लाद प्रसंग का बखान किया गया। इसमें कथावाचिका दीदी सुदीक्षा कृष्णा जी ने कहा कि भक्त प्रह्लाद ने माता कयाधु के गर्भ में ही नारायण नाम का मंत्र सुना था। जिसके सुनने मात्र से भक्त प्रह्लाद के कई कष्ट दूर हो गए थे। कथा का आगाज गुरु वंदना के साथ किया गया। इसके उपरांत उन्होंने भगवान श्री कृष्ण की पावन लीलाओं का वर्णन किया। उन्होंने कहा कि बच्चों को धर्म का ज्ञान बचपन में दिया जाता है, वह जीवन भर उसका ही स्मरण करता है। ऐसे में बच्चों को धर्म व आध्यात्म का ज्ञान दिया जाना चाहिए। माता-पिता की सेवा व प्रेम के साथ समाज में रहने की प्रेरणा ही धर्म का मूल है। अच्छे संस्कारों के कारण ही ध्रुव जी को पांच वर्ष की आयु में भगवान का दर्शन प्राप्त हुआ। इसके साथ ही उन्हें 36 हजार वर्ष तक राज्य भोगने का वरदान प्राप्त हुआ था। ऐसी कई मिसालें हैं, जिससे सीख लेने की जरूरत है। उन्होंने जीवन में सत्संग व शास्त्रों में बताए आदर्शों का श्रवण करने का आह्वान करते हुए कहा कि सत्संग में वह शक्ति है, जो व्यक्ति के जीवन को बदल देती है। उन्होंने कहा कि व्यक्तियों को अपने जीवन में क्रोध, लोभ, मोह, हिंसा, संग्रह आदि का त्यागकर विवेक के साथ श्रेष्ठ कर्म करने चाहिए। इस मौके पर आयोजन समिति के अध्यक्ष विकास ठाकुर, बब्लू जायसवाल, अरविंद श्रीवास्तव, विनोद केशरी, कन्हैया तिवारी, मुन्ना जी, बिहारी यादव, मनीष मिश्रा, राजेश यादव, मनीष यादव, अमित मिश्रा, देवेंद्र सिंह, सोनू ठाकुर, सुड्डू प्रसाद, मो. एकराम, रामजी प्रसाद आदि उपस्थित रहे।

पूर्व सरपंच प्रतिनिधि की तत्परता से परिजनों परिजनों से मिली भटकी बच्चियां

डुमरांव। पुराना भोजपुर निवासी व पूर्व सरपंच प्रतिनिधि भरत चौधरी की तत्परता से घर से भटक कर आई दो नाबालिग बच्चियां अपने परिजनों से सकुशल पहुंच गई। परिजनों ने इस प्रयास के लिए भरत का आभार जताया है। जानकारी के अनुसार सिमरी प्रखंड के डूभा गांव की दो छोटी बच्चियां भटककर पुराना भोजपुर चौक पहुंच गई थी। दोनों चौक पर खड़ी होकर रो रही थी। जैसे ही पूर्व सरपंच प्रतिनिधि भरत चौधरी की नजर उनपर पड़ी तो वे बच्चियों के पास पहुंचे तथा बड़े प्यार से दोनों से रोने का कारण पूछा। इस दौरान बच्चियां सिर्फ रोते जा रही थी, जिससे वे समझ गए कि बच्चियां भटकते हुए यहां तक चली आई है। इसकी सूचना उन्होंने स्थानीय पुलिस को दी तथा दोनों की तस्वीर साइबर सेनानी और विभिन्न सोशल मीडिया ग्रुप्स में बच्चियों के बरामदगी की सूचना को प्रसारित किया गया। स्थानीय युवाओं ने भी बच्चियों को उनके परिजनों तक पहुंचाने की कवायद तेज कर दी। बच्चियों को जब लगा कि ये लोग उनके माता पिता से मिलवाने का प्रयास कर रहे है तो दोनों ने बताई कि वे डूभा गांव की रहने वाली है। बच्चियों की पहचान डूभा गांव के अरूण चौहान की पुत्री शिवानी कुमारी और छोटक चौहान की पुत्री सरिता कुमारी के रूप में हुई। सरपंच ने प्रयास कर उनके अभिभावकों तक यह सूचना पहुंचाई, जिसके बाद उनके परिजन भोजपुर आकर दोनों को अपने साथ ले गए। परिजनों ने पूर्व सरपंच प्रतिनिधि का आभार जताया।

मकान तोड़ने के दौरान दबंगों ने केस करने पर पूरे परिवार को मारने की दी धमकी

दबंगों ने मिल्लत नगर में हथियार के बल मकान तोड़ा, मांगी 10 लाख रंगदारी

- धमकी देने और डराने के आरोप में पूर्व पार्षद समेत सात नामजद
- जमीन विवाद से जुड़ा है मामला, शहर में बना चर्चा का विषय

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव में जमीन विवाद में दबंगों ने एक निमार्णाधीन मकान को हथियार के बल पर जेसीबी से ध्वस्त कर दिया है। इतना ही नहीं मकान तोड़ने के दौरान दबंगों ने पीड़ित परिवार को केस करने पर जान से मारने की धमकी भी दिया है। मामला नगर के ढेलवानी मोहल्ला स्थित मिल्लत नगर की है।

इस मामले में पीड़िता फातमा खातुन पति मो. मुस्तफा अंसारी ने पुलिस को दिए आवेदन में इस बात की जिक्र की है कि उसने मिल्लत नगर में एक जमीन खरीदी थी, जिसका थाना नं. 168 खाता 43 खेसरा 943 व होल्डिंग सं. 87 है। ये होल्डिंग वर्तमान में मिल्लत नगर, वार्ड नं-21 में स्थित है। पीड़िता ने बताई है कि पिछले पांच वर्ष से यह जमीन उसके कब्जे में है तथा चाहरदीवारी व एक गैराज निर्मित है। पीड़िता ने बताई है कि दो महीना पहले उसने नवनिर्मित मकान बनवाया है, जिसमें अपने परिवार के साथ निवास करती हैं।

थाना में जाने से रोकने का प्रयास कर रहे है अभियुक्त : लोगों के जागने व आवागमन का आहट सुनकर सभी लोग धमकी देते हुए चले गए कि इसकी शिकायत कहीं भी कोर्ट या थाने में करोगे तो परिणाम बुरा होगा तथा हमलोग तुम्हारी पूरे परिवार की हत्या करके फेंक देंगे। घटना के बाद मेरे पूरे परिवार का पीछा किया जा रहा है थाना आने जाने के क्रम में रास्ते में पड़ने वाले असलम अंसारी व कलीम अंसारी के बीज व खाद के दुकान से गुंडा बैठाकर धमकी दिया जा रहा है और थाना में जाने से अवरोध पैदा किया जा रहा है।

5.58 लाख की संपति के नुकसान का लगाई है आरोप

फातमा की मानें तो इस घटना से पूरा परिवार डरा सहमा हुआ है व दंबगों द्वारा जेसीबी से माकन ध्वस्त किए जाने से उसमें लगे संसाधन समेत कुल पांच लाख अंठावन हजार रुपए खर्च की संपति का नुकसान हुआ है।

पीड़िता के आवेदन पर पुलिस एफआईआर दर्ज कर मामले की जांच पड़ताल में जुट गई है। थानाध्यक्ष शंभू कुमार भगत ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि पीड़िता की शिकायत पर एफआईआर दर्ज कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि पुलिस मामले की जांच कर रही है तथा जल्दी ही आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

मकान को जेसीबी से किया ध्वस्त

पीड़िता की मानें तो रविवार की रात करीब दो बजे मेरे मकान से सटे उत्तर दिशा में स्थित असलम अंसारी व कलीम अंसारी के मकान से पूर्व वार्ड पार्षद नसीम अंसारी उर्फ गोरख, कलीम अंसारी, असलम अंसारी, राजा अंसारी सभी पिता स्व. क्यामुद्दीन अंसारी, मो. इजहार अंसारी सभी ढेलवानी मोहल्ला वार्ड नं-21 के निवासी है। इनके अलावे लाला टोली के दीपू कुमार पिता लक्ष्मण प्रसाद समेत एक अन्य नामजद ने अपने 10-15 साथियों के साथ हर-वे-हथियार से लैस होकर निकले तथा मेरे घर में घुसकर गाली-गलौज करते हुए मेरे पूरे मकान को जेसीबी से ध्वस्त करने लगे तथा नसीम अंसारी, इजहार अंसारी, कलीम अंसारी, असलम अंसारी राजा अंसारी पिस्टल लहराते हुए मेरे कनपट्टी पर सटाकर चुप रहने की हिदायत देकर लूट-पाट करने लगे तथा अन्य दीपू कुमार आदि ने अपने हाथ में छूरा लिए हुए मेरे लड़के सरफराज आलम व शाहनवाज आलम को चारों तरफ से घेरकर चुप रहने व हल्ला गुल्ला नहीं करने की हिदायत देते हुए 10 लाख रुपए रंगदारी की मांग करने लगे तथा धमकी देने लगे कि हल्ला गुल्ला करोगे तो जान मार कर यही जेसीबी से गड़वा देंगे तथा उन लोगों द्वारा यह भी बोला गया कि हमने घर ध्वस्त किया कि तुमलोग इसी में दब कर मर जाओ, लेकिन तुमलोग बच गए, तो हमलोग हाथ जोड़ने लगे तो उपरोक्त अभियुक्तों द्वारा यह कहा गया कि यह जमीन छोड़कर भाग जाओ नहीं तो 10 लाख रुपए रंगदारी दो तब हमलोग तुम्हें छोड़ेंगे।

अहिरौली सरस्वती विद्या मंदिर में बच्चों को किया प्रोत्साहित

बक्सर। नगर के अहिरौली स्थित सरस्वती विद्या मंदिर परिसर में दो दिवसीय समूह निरीक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। दो दिवसीय विद्यालय निरीक्षण के प्रथम सोमवार को वंदना सभा में प्रवासी कार्यकर्ता पटना एवं नालंदा विभाग राजेश कुमार, प्रधानाचार्य, सरस्वती विद्या मंदिर रामगढ़ राजीव रंजन दुबे, (प्रधानाचार्य, सरस्वती विद्या मंदिर, जम्होर परशुराम ओझा और प्रधानाचार्य, सरस्वती विद्या मंदिर, दौलतपुर शैलेन्द्र कुमार सिंह द्वारा संयुक्त रूप से मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं पुष्पार्चन किया गया। वंदना के पश्चात अतिथियों का परिचय विद्यालय के प्रधानाचार्य रामजी प्रसाद सिन्हा द्वारा कराया गया। अतिथियों को अंगवस्त्र से सम्मानित किया गया। राजेश कुमार ने वंदना स्थल पर भैया बहनों को प्रेरक प्रसंग सुनाकर उन्हें अपने कर्म अर्थात अध्ययन के प्रति प्रोत्साहित किया। निरीक्षणोपरांत सोमवार को आचार्यों के साथ बैठक हुईं।

जदयू वार्ड ने डुमरांव में घर घर जाकर लिया सीएम के योजनाओं की लाभ की जानकारी

केटी न्यूज/डुमरांव

पार्टी कार्यकर्ताओ में जोश भरने के लिये विभिन्न पार्टी के नेता गांव और शहर में दौड़ करने लगे हैं। वार्डवार कमिटी का गठन भी किया जा रहा है। डुमरांव नगर में बनायी गई जदयू कमिटी का जायजा लेकर उसका सत्यापन करने के लिये डुमरांव विधान सभा प्रभारी रवि उज्जवल कुशवाहा ने सोमवार को दौरा किया। उन्होंने पहले पहुंच नगर के पार्टी प्रभारियों के साथ बैठक की फिर उसके बाद उनको लेकर नगर भ्रमण किया।

सबसे पहले उन्होंने वार्ड 1, 2, 3 और 24 में बने कमिटी का सत्यापन शुरू किया। सत्यापन में ज्यादा समय लगने के कारण मात्र चार कमिटी का ही हो पाया।

चार वार्ड के सत्यापन में ही कई कमियां उजागर हुई, जिस पर कार्रवाई भी की गई। उन्होंने कहा कि जो कमिटी बनी है, उसे घर-घर जाकर महिला व पुरूषों से मिल उनसे प्रोग्रेस रिपोर्ट जाना। उन्होंने बने रिपोर्ट में मिली कमी को बताते हुए उसमें सुधार कैसे करना है बताया गया। नीतीश सरकार ने लोगों के लिये कितनी योजनाएं चला रही हैं, पात्र लभुकों तक वह पहुंच राह है कि नहीं लोगों से बात कर जानकारी हासिल की। फिर साथ चल रहे पार्टी कार्यकताओं को समझाते हुए योजनाओं का लाभ दिलाने की बात कही। फिर उन्होंने विभागीय अधिकारियों से भी बात कर योजनाओं का लाभ पहुंचाने की बात कही। यदि योजनाओं का लाभ दिलाने में कोई अधिकारी या कर्मी आनाकानी करता है तो इसकी रपोर्ट भी किया जाए, उस अधिकारी पर कार्रवाई होगी। उन्होंने कहा की एक-एक वार्ड का सत्यापन किया जाएगा। मौके पर जदयू नगर अध्यक्ष गोपाल प्रसाद गुप्ता, नगर कमिटी उपाध्यक्ष मिथिलेश कुशवाहा, सचिव सत्यनारायण ठाकुर, मिंटू हाशमी, राजू कुशवाहा, पिंटू गोंड, ओमप्रकाश शमा, गोविंद शर्मा, ललित रंजन, नंदजी गांधी, रमावती देवी सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

शराब के साथ तीसरी बार पकड़ी गई महिला

चौसा। मुफस्सिल थाने की पुलिस ने गुप्त सूचना पर थाना क्षेत्र के अखौरीपुर गोला से 37 टेट्रा पैक देशी शराब के साथ एक महिला कारोबारी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार महिला कारोबारी अखौरीपुर गोला निवासी देवराज बिंद की पत्नी कालिंदी देवी है, जिसे शराब तस्करी के आरोप में तीसरी बार पकड़ा गया है। पुलिस ने उसके खिलाफ उत्पाद अधिनियम के तहत एफआईआर दर्ज कर जेल भेज दिया है। मिली जानकारी के अनुसार स्थानीय पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि अखौरीपुर गोला पर एक महिला तस्करी की लायी गयी शराब बेचती है। जिसको लेकर महिला पुलिस के साथ उक्त बताये जगह पर पुलिस पहुंच छापेमारी की गई। जहा से तलाशी ने पुलिस को 37 टेट्रा पैक 180 एमएल की देशी शराब बरामद की गई। वही उक्त महिला को भी गिरफ्तार कर लिया गया।

डुमरांव एसडीएम ने अनुमंडल कार्यालय में शिक्षकों और छात्रों को किया पुरस्कृत, बोले...

सम्मान से बढ़ता है और बेहरत करने का हौसला

केटी न्यूज/डुमरांव

सम्मान किसी विशेष क्षेत्र में बेहतर करने का हौसला देता है। किसी की उपलब्धि के बाद यदि उसे सम्मान मिलता है तो उसके अंदर और अच्छा करने की ललक जगती है। उक्त बातें डुमरांव एसडीएम राकेश कुमार ने सोमवार को अपने कार्यालय में कहीं। अवसर था पिछले कुछ महीनों के दौरान बेहतर शिक्षण कार्य करने वाले शिक्षकों, पढ़ाई में औव्वल आने वाले छात्रों तथा खेल के क्षेत्र में अच्छा करने वाले खिलाड़ियों के सम्मान समारोह का। एसडीएम ने सभी चयनित शिक्षकों, खिलाड़ियों तथा छात्रों को अपने हाथों सम्मानित कर उनका हौसला बढ़ाया।

जानकारी के अनुसार अनुमंडल के विभिन्न प्रखंडों के वैसे शिक्षक, छात्र या खिलाड़ी को सम्मानित किया गया, जो विभिन्न गतिविधियों में विद्यालय, प्रखंड और जिला का नाम रौशन किए है। इसके लिए एककार्यक्रम अनुमंडल कार्यालय में आयोजित किया गया था। कार्यक्रम में अनुमंडल पदाधिकारी ने सम्मानित सूची में शामिल शिक्षकों, छात्रों तथा खिलाड़ियों को प्रेरणा दी कि वे अनवरत अपने इस मुहिम को जारी रखें, ताकि विद्यालय, प्रखंड, अनुमंडल, जिला के साथ-साथ उनकी गतिविधियां राज्य, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ख्याति प्राप्त करें।

कोरोनाकाल के बाद पहली बार हुआ आयोजन : बताया जाता है कि वैश्विक महामारी कोरोना काल के बाद प्रतिभा सम्मान का ऐसा भव्य कार्यक्रम का आयोजन पहली बार अनुमंडल प्रशासन के द्वारा आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम से सभी प्रतिभागी काफी प्रसन्न दिखाई दिए तथा सम्मान देकर हौसला अफजाई के लिए एसडीएम राकेश कुमार के प्रति आभार जताया। इस अवसर पर अनुमंडल कार्यालय के सभी पदाधिकारी और कर्मियों ने इस सम्मान समारोह में अपनी भूमिका का निर्वहन किया। सम्मानित होने वाले खिलाड़ी ,विद्यार्थी और शिक्षक राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न कार्यक्रमों में सम्मान प्राप्त कर चुके हैं।

इस अवसर पर राजकीय शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित डॉ. मनीष कुमार शशि व सेवानिवृत शिक्षक ददन सिंह के अलावे राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता में अपनी प्रतिभा दिखाने वाले खिलाड़ी और इंस्पायर अवार्ड मानक में राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाने वाले विद्यार्थी शामिल रहे, इंस्पायर अवार्ड के प्रतिभागी की सराहना सभी ने की। सम्मानित होने वाले खिलाड़ियों में विवेक शाह, रानी कुमारी, शिवानी कुमारी, रंजन कुमार, दीपांशी कुमारी, प्रिंस कुमार, प्रिया कुमारी, प्रीति कुमारी, राजीव सिंह, दिव्यांशु सिंह, अभिषेक कुमार, नूरी खातून इत्यादि शामिल है। मौके पर राज हाई स्कूल के प्रधानाध्यापक अनुराग मिश्र, शिक्षक डॉ. संजय रंजन सिन्हा समेत अन्य कर्मी मौजूद थे।

संक्षिप्त समाचार

लकड़ी तस्कर मोटरसाइकिल व लकड़ी के साथ गिरफ्तार

लातेहार , एजेंसी। वन व पुलिस विभाग की संयुक्त कार्रवाई में एक अवैध लकड़ी तस्कर को गिरफ्तार किया गया है। जानकारी के अनुसार, सूचना मिली थी कि महुआडांड़ थाना क्षेत्र के सोहर पाठ जंगल में वनों की अवैध कटाई कर लकड़ी तस्करों के द्वारा उसकी तस्करी की जा रही है। इस सूचना पर पुलिस व वन विभाग की संयुक्त टीम बनायी गयी। टीम ने जंगल में छापेमारी अभियान चलाकर जावेद अंसारी, पिता कयूम अंसारी (लुरगुमी) को गिरफ्तार किया। उसके पास से पांच पीस चौखट और एक मोटरसाइकिल बरामद किया गया। यह छापामारी अभियान थाना प्रभारी अवनीश कुमार और वन पाल कुंवर गंझू के नेतृत्व में अभियान चलाया गया।

जन शिकायत समाधान कार्यक्रम 22 को, मॉनिटरिंग करेंगे झारखंड पुलिस के 24 आईपीएस अधिकारी

रांची, एजेंसी। झारखंड पुलिस राज्य के सभी जिलों में 22 जनवरी को जन शिकायत समाधान कार्यक्रम का आयोजन करेगी। डीजीपी अनुराग गुप्ता के निर्देश पर इस कार्यक्रम की शुरुआत हुई है। जन शिकायत समाधान कार्यक्रम में 18 मुख्य मुद्दों पर आम जनता की समस्या सुनी जायेगी और उनकी मदद की जायेगी। झारखंड पुलिस मुख्यालय ने कार्यक्रम की मॉनिटरिंग के लिए 24 जिलों में 24 आईजी, डीआईजी और रैंक के अफसरों को प्रतिनियुक्त किया है। प्रतिनियुक्त अधिकारी जन शिकायत समाधान कार्यक्रम से संबंधित दिशा-निर्देश का सही से अनुपालन हो रहा है या नहीं, आम जनता से मिली शिकायत का सही तरीके से निवारण किया जा रहा है या नहीं, पुलिस पदाधिकारी व कर्मी के खिलाफ दुर्व्यवहार से संबंधित प्राप्त शिकायत को लेकर नियमानुसार कार्रवाई हो रही है या नहीं, आम जनता के प्रति पुलिस का व्यवहार सम्मानजनक है या नहीं और जिले के एसपी द्वारा प्राप्त शिकायतों का निष्पादन सही ढंग से किया जा रहा है या नहीं, इसकी मॉनिटरिंग करेंगे।

रांची डीसी मंजू नाथ भजंत्री की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में 20 फरवरी को सुनवाई

रांची, एजेंसी। आईएएस अधिकारी और वर्तमान में रांची डीसी के पद पर पदस्थापित मंजू नाथ भजंत्री की याचिका पर अब सुप्रीम कोर्ट 20 फरवरी को सुनवाई करेगा। फिलहाल शीर्ष अदालत ने उन्हें कोई राहत नहीं दी है। सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस ऋषिकेश रॉय और जस्टिस पंकज मित्तल की बेंच में डीसी भजंत्री की याचिका पर सुनवाई चल रही है। दरअसल मंजू नाथ भजंत्री ने सुप्रीम कोर्ट में एसएलपी (स्पेशल लीव पिटीशन) दाखिल कर हाईकोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी है जिसमें उन्हें चुनावी कार्य से दूर रखे जाने के आदेश दिया गया था। पिछले वर्ष 22 सितंबर को ड्ढस-अधिकारी मंजू नाथ भजंत्री के खिलाफ विभागीय कार्रवाई करने और उन्हें चुनावी कार्यों से उन्हें अलग रखने के आदेश के खिलाफ दायर अपील याचिका स्वीकार कर ली गयी थी, जिसके बाद उन्हें चुनाव के कार्य से दूर रखा गया था। आचार संहिता के दौरान आननफानन में उन्हें रांची डीसी के पद से हटा कर वरुण रंजन को रांची डीसी नियुक्त कर दिया गया था। हालाकि हेमंत सोरेन के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के बाद सरकार ने वापस मंजू नाथ भजंत्री को रांची डीसी नियुक्त कर दिया है।

22 को चांडिल व कुकडू में और 24 को ईचागढ़ व नीमडीह में लगेगा प्रखंड स्वास्थ्य मेला

सरायकेला, एजेंसी। सरायकेला-खरसावां जिले के हर प्रखंड में प्रखंड स्तरीय स्वास्थ्य मेला का आयोजन किया जाएगा। चांडिल अनुमंडल के चारों प्रखंड में इसको लेकर तैयारी शुरू कर दी गई है। मिली जानकारी के अनुसार 22 जनवरी को स्वास्थ्य मेला का आयोजन हाट तोला के समीप कुकडू उप स्वास्थ्य केंद्र में किया जाएगा। जबकि इसी दिन अनुमंडलीय अस्पताल चांडिल में स्वास्थ्य मेला का आयोजन किया जाएगा। वहीं 24 जनवरी को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ईचागढ़ और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नीमडीह में प्रखंड स्वास्थ्य मेला का आयोजन किया जाएगा। ईचागढ़ प्रखंड कार्यालय में प्रखंड स्वास्थ्य मेला के आयोजन को लेकर प्रखंड विकास पदाधिकारी एकता वर्मा की अध्यक्षता में बैठक हुई।

गैर आदिवासी से शादी करने पर जाति के लिए आवेदन पर मानकी-मुंडा नहीं करेंगे अनुशंसा

चाईबासा, एजेंसी। आदिवासी हो' समाज में धर्मांतरित एवं गैर आदिवासी से शादी करने पर मुंडा-मानकी जाति के लिए आवेदन पर अनुशंसा नहीं करेंगे। यह निर्णय रविवार को पश्चिमी सिंहभूम जिले के मझगांव के घोड़ाबांधा में आदिवासी हो समाज महासभा केंद्रीय समिति के दो दिवसीय वार्षिक अधिवेशन सह समापन सत्र में लिया गया। अध्यक्ष मुकेश बिरुवा की अध्यक्षता में सम्पन्न द्वितीय दिवस के द्वितीय सत्र के खुला सत्र में बागे-बापागे (पति-पत्नी के बीच संबंध-विच्छेद), धर्मांतरण, परस्पर सामाजिक सहयोग और सामाजिक एकता एवं आपसी भाईचारे पर विशेष चर्चा की गयी।

केंद्रीय मुंडा मानकी संघ की ओर से गणेश पाठ पिंगुवा ने समाज से कहा कि गैर आदिवासी से शादी करने पर समाज की ओर से उन्हें जाति प्रमाण पत्र के आवेदन पर अनुशंसा मानकी-मुंडा नहीं करेंगे। इस निर्णय का समाज सख्ती से पालन करेगा। समापन सत्र में लक्ष्मीनारायण लागुरी, मानकी मुंडा संघ अध्यक्ष गणेश पाट पिंगुवा, मोनाचंद्र सिंह संवैया, दामोदर सिंह सिंकु, देवेंद्र नाथ चंपिया, भूषण पाट पिंगुवा, इपिल समाड उपस्थित रहे। वहीं गब्बर सिंह हेम्ब्रोम, सुरेंद्र पूर्ति, बिरसिंह बिरुली, गोविंद बिरुवा, अंजू सैमड, इंदु तिऊ, रमेश जेराई, विनीता पुरती, चैतन्य कुंकल, मानसिंह समाड, विपिन चंद्र तामसोय, रमेश बालमुचू भी समापन सत्र में उपस्थित रहे।

हरीश चंद्र समड, छोटेलाल तामसोय,शेर सिंह बिरुवा, बहालेन चंपिया, लक्ष्मण बांकिरा, भूषण लागूरी, डौरा पिंगुवा, सुनील हेम्ब्रोम, सुरेंद्र पिंगुआ, सामु लागूरी, सतीश समड, अनिल चातर, सिकंदर हेम्ब्रोम, कालीचरण बिरुवा आदि समाज के सैकड़ो लोग इस अवसर पर उपस्थित थे। अधिवेशन के दौरान ही समाज के महत्वपूर्ण निर्णयों को लिपिबद्ध करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए निर्णय लिया गया कि एरे बोंगा में ही शादी की तिथि तय की जाएगी। अधिवेशन में कहा गया कि आदिवासी हो समाज में बाला के रूप में सगाई होने के पश्चात, लड़का और लड़की के घर की ओर जाने की प्रक्रिया में जो भी ग्रह नक्षत्र या अपशगुन दिखता है, उसे पारंपरिक एरे-बोंगा से समाप्त करने की परंपरा है।

हालिया दिनों में इस परंपरा का समाज के लोगों के द्वारा अनुपालन नहीं किया जा रहा। वार्षिक अधिवेशन की प्रतिनिधि सभा ने आदिवासी हो समाज में एरे-बोंगा को शादी की आवश्यक गतिविधि के रूप में अनुमोदित किया।

यानी आदिवासी हो समाज की शादी के अनुष्ठानों में यह अनुष्ठान आवश्यक है। इस अनुष्ठान को किये बगैर आदिवासी हो समाज की शादी मान्य नहीं होगी। यह अनुष्ठान वर और वधु दोनों के गांव के बीच के जगहों पर संपन्न की जाएगी।

हो' समाज की शादी में बाराती नहीं बल्कि सराती (हो' भाषा में सुरतुली कहते हैं) जाएंगे। यानी लड़के वाले लड़की के यहां उन्हें अपने साथ लाने के लिए जाएंगे जिसमें वर छोड़ कर नजदीकी पारिवारिक रिश्ते वाले लोग गांव से जाएंगे। हो भाषा में इसे ओर-एरा कहते हैं। पारंपरिक शादी को अपनाते हुए यह तय हुआ कि शादी के मंडप में किसी भी पुजारी से पूजा विधि हो' समाज में नहीं होगी अर्थात अन्य समाज के पुजारियों से कराना वर्जित होगा। चूंकि सभी विधियां पारंपरिक तरीके से संपन्न होती है, उसमें किसी पुजारी की मान्यता नहीं है।

रांची, डाल्टेनगंज समेत कई जिलों में गिरा तापमान

रांची, एजेंसी। झारखंड की राजधानी रांची, डाल्टेनगंज समेत कई जिलों के तापमान में गिरावट आई है। हालांकि, झारखंड का उच्चतम तापमान बढ़कर 30.4 डिग्री सेंटीग्रेड हो गया है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के रांची स्थित मौसम केंद्र ने यह जानकारी दी है। मौसम केंद्र ने कहा है कि झारखंड का उच्चतम तापमान सामान्य से अधिक हो गया है। रांची के अधिकतम तापमान की बात करें, तो यह पिछले 24 घंटे में 1.8 डिग्री सेंटीग्रेड बढ़कर 25 डिग्री हो गया है, जो सामान्य से 0.8 डिग्री सेंटीग्रेड अधिक है। मौसम विभाग ने कहा है कि झारखंड में कहीं-कहीं हल्के से मध्यम दर्जे का कोहरा रहेगा। बाद में आसमान साफ हो जाएगा। मौसम विभाग ने कहा कि अगले 5 दिन के दौरान न्यूनतम तापमान में किसी बड़े बदलाव की संभावना नहीं है।

जमशेदपुर का उच्चतम तापमान 2 डिग्री बढ़कर 28 डिग्री हो गया है। यह सामान्य से 0.8 डिग्री सेल्सियस अधिक है। डाल्टेनगंज के तापमान में पिछले 24 घंटे के दौरान अप्रत्याशित रूप से 6.4 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि हुई है। यहां का पारा 26 डिग्री हो गया है, जो सामान्य से 0.4 डिग्री अधिक है। बोकारो का उच्चतम पारा 1.6 डिग्री बढ़कर 26.1 डिग्री हो गया, जो सामान्य से 0.6 डिग्री अधिक है। चाईबासा का अधिकतम तापमान 2.6 डिग्री सेंटीग्रेड बढ़कर 30.4 डिग्री सेंटीग्रेड हो गया। यह सामान्य से 5।2 डिग्री सेल्सियस अधिक है।

अगर न्यूनतम तापमान की बात करें, तो जमशेदपुर का न्यूनतम तापमान 1.6 डिग्री सेल्सियस बढ़कर 11.8 डिग्री हो गया है, जो सामान्य से 1 डिग्री अधिक है।

डाल्टेनगंज का न्यूनतम पारा 3 डिग्री घटा है और यह 8।6 डिग्री रहा, जो सामान्य से 0।5 डिग्री सेल्सियस कम है। बोकारो और चाईबासा में भी न्यूनतम तापमान सामान्य से कम है। बोकारो में यह 1.5 डिग्री घटकर 10।6 डिग्री हो गया, जो सामान्य से 1.3 डिग्री सेल्सियस है।

मुख्य सचिव अलका तिवारी पहुंची चांडिल डैम, लिए आवश्यक सुझाव व जानकारी

रांची, एजेंसी। राज्य की मुख्य सचिव अलका तिवारी रविवार को चांडिल डैम पहुंचीं। चांडिल डैम पहुंचने पर डैम में नौका विहार का संचालन करने वाली विस्थापित समिति के सदस्यों ने उनका गर्मजोशी से अभिनंदन किया। वहीं मौके पर जिला प्रशासन की ओर से मोमेंटो देकर उनका स्वागत किया गया। चांडिल डैम पहुंचने के बाद उन्होंने डैम में मत्स्य पालन, पर्यटन के विकास व विस्थापितों के संबंध में जानकारी हासिल की और सुझाव लिए। इस अवसर पर चांडिल डैम के विभिन्न लाभुक समिति के सदस्यों के साथ बात कर आवश्यक जानकारी ली।

पर्यटन के विकास पर आवश्यक कार्रवाई करने का भरोसा दिया : मौके पर लाभुक समिति के सदस्यों ने डैम के अन्य क्षेत्रों में भी पर्यटन के विकास पर फोकस करने की बात कही। समिति के सदस्यों ने कहा कि कुकडू प्रखंड के उदाटांड समेत अन्य क्षेत्र में पर्यटन के विकास पर काम करने की जरूरत है। यह क्षेत्र पश्चिम बंगाल से सटा क्षेत्र है। उन्होंने डैम में पर्यटन के विकास और मत्स्य पालन के संबंध में आवश्यक जानकारी लेने के बाद इस पर आवश्यक कार्रवाई करने का भरोसा दिया। उन्होंने कहा कि डैम में पर्यटन के विकास की असीम संभावनाएं हैं। प्रकृति से डैम क्षेत्र के अपने अनुपम सौंदर्य से सजाया है।

केज कल्चर से हो रहे मत्स्य पालन की ली जानकारी : चांडिल डैम पहुंचने के बाद उन्होंने केज कल्चर से हो रहे मत्स्य पालन को देखा और केज में फिसिंग का लुत्फ उठाया। मौके पर मत्स्य पालकों ने उनसे बाजार उपलब्ध कराने की गुहार लगाई। मुख्य सचिव के साथ सेवानिवृत आइएएस डॉ डीके तिवारी, जिला के उपायुक्त रविशंकर शुक्ला, पुलिस अधीक्षक मुकेश कुमार लुणायत, प्रशिक्षु आइएएस कुमार रजत, उप विकास आयुक्त, जिला मत्स्य पदाधिकारी रौशन कुमार, मत्स्य प्रसार पदाधिकारी राजकुमार तुरी समेत कई पदाधिकारी उपस्थित थे।

ऑक्सीजन रेगुलेटर के नहीं होने से धूल फांक रही एसआइसीयू में वेंटिलेटर मशीन

धनबाद, एजेंसी। शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल (एसएनएमएमसीएच) के सर्जिकल इंटेसिंव केयर यूनिट (एसआइसीयू) का हाल बुरा है। यहां प्रबंधन की लापरवाही के कारण मरीज व उनके परिजन परेशान हैं। एसआइसीयू के विभिन्न बेड के समीप रेगुलेटर नहीं होने के कारण सामान्य मरीजों को पहले से ही ऑक्सीजन की सुविधा सही तरीके से नहीं मिल पा रही है। वहीं ऑक्सीजन रेगुलेटर के कारण गंभीर मरीजों को वेंटिलेटर सपोर्ट की सुविधा भी नहीं मिल पा रही है। वेंटिलेटर सपोर्ट से संबंधित मरीजों को कंसंट्रेटर लगाकर ऑक्सीजन अथवा लाइफ सेविंग ड्रग देकर उनकी जान बचायी जा रही है। बता दें कि एसआइसीयू में गंभीर मरीजों को भर्ती लिया जाता है, जिन्हें विशेष चिकित्सकीय सुविधा मुहैया करानी पड़ती है। इस यूनिट में भर्ती लिये गये ज्यादातर मरीज या तो सड़क दुर्घटना में घायल होकर पहुंचते हैं अथवा किसी तरह की अन्य सर्जरी के बाद उन्हें भर्ती लिया जाता है। वर्तमान में एसआइसीयू के बेड के समीप लगे कई ऑक्सीजन रेगुलेटर मशीन खराब हो चुकी हैं। वहीं कुछ मशीन चोरी हो गयी है।

बता दें की एसआइसीयू में लगे उपकरणों के मेंटेनेंस की जिम्मेवारी निजी एजेंसी अपेक्स इंडिया को सौंपी गयी है। इस वार्ड से जुड़े सभी प्रकार की सामग्री खराब होने पर बदलने की जिम्मेदारी इसी एजेंसी की है। अस्पताल प्रबंधन ने एसआइसीयू में खराब रेगुलेटर को बदलने का निर्देश एजेंसी को दिया है। बावजूद इसके एजेंसी खराब उपकरणों को बदलने में लापरवाही बरत रही है। मेंटेनेंस का नाम पर उक्त एजेंसी सिर्फ खानापूर्ति करने में लगी हुई है।

विधायक सरयू राय के कार्यकर्ता सम्मेलन सह वनभोज में शामिल हुए हजारों लोग

जमशेदपुर, एजेंसी। जमशेदपुर पश्चिमी के विधायक सरयू राय के निर्देश पर आयोजित कार्यकर्ता सम्मेलन सह वनभोज का कार्यक्रम रविवार को आदित्यपुर ऑटो क्लस्टर में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में पूरे जमशेदपुर के जनता दल (यूनाइटेड) के साथ ही भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता भी हजारों की संख्या में जुटे। विधायक सरयू राय ने प्रायः हर कार्यकर्ता से मुलाकात की और उनका कुशलक्षेम पूछा। कार्यकर्ता विधायक सरयू राय से मिल कर प्रफुल्लित नजर आ रहे थे। इस कार्यकर्ता सम्मेलन सह वनभोज में जमशेदपुर के सांसद बिद्युत बरण महतो भी शामिल हुए। वह अपने समर्थकों संग आये थे।

इस आयोजन के कर्ता-धर्ता आशुतोष राय ने कहा कि कार्यकर्ता ही पार्टी की पूंजी होते हैं। उनको मान-सम्मान देना बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि विधायक सरयू राय कार्यकर्ताओं के लिए हर वक्त उपलब्ध रहते हैं और मानते हैं कि उनकी आन-बान-शान कार्यकर्ता ही हैं। श्री राय ने कहा कि चुनाव परिणाम के बाद से इस बात की शिद्दत से जरूरत महसूस की जा रही थी कि कार्यकर्ताओं के साथ खुले माहौल में बात करना, उन्हें सम्मान देना जरूरी है। इसलिए कार्यकर्ता सम्मेलन सह वनभोज का आयोजन किया गया।इस कार्यकर्ता सम्मेलन सह वनभोज में गीत-संगीत की भी बहार रही। हजारों लोगों ने स्वादिष्ट भोजन का स्वाद लिया। कार्यक्रम की शुरुआत से ही गीत-संगीत का कार्यक्रम प्रारंभ हो गया था। सोनू सिंह दुलरुआ की टीम के देवेंद्र पांडेय और चंचला सिंह ने भोजपुरी में एक से बढ़ कर एक भजन और गीत से लोगों का मन मोह लिया।

कार्यक्रम में धर्मेंद्र तिवारी, अशोक गोयल, अविनाश सिंह, सुबोध श्रीवास्तव, नीरज सिंह, शैलेन्द्र राय, मुकेश मित्तल, आर सी जी, पंकज सिन्हा, भाजपा कदमा मंडल अध्यक्ष अजीत सिंह, भाजपा मानगो मंडल के अध्यक्ष विनोद राय, भाजपा सोनारी मंडल अध्यक्ष प्रशांत पोद्दार, मनोज सिंह, संजीव कुमार, टाटा वर्कर्स यूनियन महामंत्री शैलेश सिंह, सतीश सिंह, नीरज सिंह(भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ), हरेराम सिंह, शेष नाथ पाठक, द्विपल विश्वास, तारक मुखर्जी, अजय श्रीवास्तव, मुकुल मिश्रा, पप्पू सिंह मानगो, मुन्ना सिंह, कविता परमार, नीरु सिंह, पप्पू सिंह सूर्यवंशी, निमाईचंद्र अग्रवाल, टीडी गांगुली, विश्वजीत सिंह, संजीव सिंह, धर्मेंद्र प्रसाद, निखार सबलोक, रिक्की केशरी, आदित्य मुखर्जी समेत हजारों लोग मौजूद रहे।

मटकुरिया गोलीकांड में पूर्व मंत्री मन्नान मल्लिक ने कहा-मैं निर्दोष हूं मुझे झूठा फंसाया गया है

धनबाद, एजेंसी। धनबाद के चर्चित मटकुरिया गोलीकांड की सुनवाई शनिवार को एमपी एमएलए न्यायालय के विशेष न्यायाधीश दुर्गेश चंद्र अवस्थी की अदालत में हुई। अदालत ने बचाव पक्ष के अधिवक्ता ब्रजेंद्र प्रसाद सिंह, आयुष श्रीवास्तव, सिद्धार्थ शर्मा, अंजनी कुमार झा की दलील सुनने के बाद सभी 29 आरोपियों का सफाई बयान दर्ज किया। इस दौरान सभी 29 आरोपी सदेह उपस्थित थे। अदालत ने सभी आरोपियों का बयान दर्ज किया। कोर्ट को दिए बयान में झारखंड सरकार के पूर्व मंत्री मन्नान मलिक ने कहा कि में निर्दोष हूं मुझे झूठा फंसाया गया है। वहीं अन्य आरोपियों ने भी खुद को निर्दोष बताया और कहा कि साजिश के तहत उन्हें फंसाया गया है।अदालत ने बचाव पक्ष को साक्ष्य पेश करने का निर्देश देते हुए सुनवाई की अगली तारीख 24 जनवरी 2025 निर्धारित कर दी है।

शब्बीर आलम, धर्मवीर कुमार शर्मा, राजकुमार पासी, मन्नान मल्लिक, हुबान मल्लिक, वीरिंदर कुमार सिंह, कुमार अभिषेक, मोहम्मद अजीम, अजय कुमार सिंह, शगुन चौहान, बलदेव पांडेय, दिल चंद चौहान, मो कलाम, भगवान साव, शक्ति कुमार, बाबर अली खान, ब्रजेश कुमार, वीरेंदर पासवान, अरविंद कुमार सिंह, बिनोद सिंह, रंजीत कुमार, जीवन चंद्र घोष, मो हलीम अंसारी, मदन महतो, नवनीत नीरज, हरिंदर शाही, दीपक कुमार पासवान इजहार अहमद, बद्री रविदास, जबकि अजय कुमार राउत का बयान दर्ज नहीं किया जा सका, क्योंकि वह बीमार थे। 27 अप्रैल 2011 को मटकुरिया में बीसीसीएल के आवासों को अतिक्रमण से मुक्त कराने गये पुलिस बल के साथ आंदोलनकारियों की हिंसक झड़प हुई थी। घटना में तत्कालीन एसपी आरके धान जख्मी हो गये थे। वहीं विकास सिंह समेत चार लोगों की मौत हो गयी थी। तत्कालीन एसडीओ जॉर्ज कुमार के लिखित प्रतिवेदन पर पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज की थी। अनुसंधान के बाद केस के अनुसंधानकर्ता शिवशंकर तिवारी ने 38 लोगों के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया था। सुनवाई के दौरान पूर्व मंत्री बच्चा सिंह, ओपी लाल, पूर्व डिप्टी मेयर नीरज सिंह, उदय सिंह, अशोक यादव की मौत हो गयी, जबकि दिलीप कुमार को भगोड़ा घोषित कर दिया गया।

ट्रेनों के परिचालन में स्टेशन मास्टर की भूमिका अहम : प्रमोद

बोकारो, एजेंसी। ऑल इंडिया स्टेशन मास्टर्स एसोसिएशन की ओर शनिवार को सेक्टर-04 स्थित बुद्ध विहार में सेफ्टी सेमिनार की गयी। इसमें पांच डिवीजन आद्रा, चक्रधरपुर, खड़कपुर, रांची व धनबाद के 70 से अधिक स्टेशन मास्टर शामिल हुए। शुरुआत अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर व एसोसिएशन का गीत 'संगठन गढ़े चलो, सुपंथ पर बढ़े चलोज्भलो हो जिसमें देश का, वो काम सब किये चलोज' प्रस्तुत कर किया। सेमिनार के दौरान शामिल स्टेशन मास्टरों ने सेफ्टी के प्रति अपने-अपने विचार रखे।मुख्य अतिथि एसो। के केंद्रीय अध्यक्ष प्रमोद कुमार ने कहा कि ट्रेनों के परिचालन में स्टेशन मास्टर की भूमिका काफी अहम होती है, चाहे कितनी ही व्यस्त ट्रैफिक हो समय का पालन करते हुए सुरक्षित व संरक्षित ट्रेनों का परिचालन कराना स्टेशन मास्टर के लिए हमेशा चुनौती भरा होता है। ऐसे में स्टेशन मास्टर को अपने डयूटी के दौरान मानसिक रूप से रिलैक्स रहने की जरूरत है। इसके लिए उन्हें अपनी डयूटी समाप्त करने के बाद आवास में चैन की नींद व परिवार के साथ सुखद दैनिक जीवन बिताना चाहिए।

सेमिनार में ये रहे शामिल : स्टेशन मास्टर एके हल्धर, ओपी सिन्हा, रमेश महतो, विजय कुमार, गौरी शंकर, जितेंद्र पासवान, सुजीत कुमार, महेश कुमार, एसके शर्मा, अविनाश, एमके झा, आरके रजक, रमानुज गिरि, सुभाष राजहंस, बीरेंद्र कुमार, नीतिश कुमार, बीएल गुप्ता, एम पात्रा, संजय कुमार, अविनाश कुमार, दिलीप कुमार आदि मौजूद थे।

मानगो नगर निगम और जेएनएसी क्षेत्र में बनाएंगे जनसुविधा समितियां: सरयू राय

जमशेदपुर, एजेंसी। जमशेदपुर पश्चिमी के विधायक सरयू राय ने ऐलान किया है कि वह मानगो नगर निगम और जेएनएसी क्षेत्र में अलग-अलग जनसुविधा समितियां बनाएंगे उन्होंने कहा कि पानी, बिजली, सड़क, नाली, कचरा आदि समस्या के निराकरण की दिशा में जो भी लोग काम करना चाहते हैं वह इन समितियों में शामिल हो सकते हैं। जनसुविधा समिति के सदस्य किसी भी पार्टी के हो सकते हैं और किसी भी राजनीतिक दल के सदस्य नहीं भी हो सकते हैं। उन्हें अपने क्षेत्र की समस्याओं की जानकारी और निराकरण के बारे में जानकारी होनी चाहिए।

झारखंड में ठोस कचरा प्रबंधन अधिनियम का पालन नहीं हो रहा

यहां बिष्टुपुर स्थित अपने आवासीय कार्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में रविवार को श्री राय ने कहा कि केंद्र सरकार ने ठोस कचरा प्रबंधन अधिनियम बनाया लेकिन झारखंड में उसका पालन नहीं हो रहा है। दो-तीन जिलों में कुछ काम हुए हैं पर वो नाकाफी हैं। उन्होंने बताया कि मानगो नगर निगम का चुनाव चार माह के भीतर होना है, ऐसा अदालत का आदेश है। उन्होंने इस बात पर चिंता जताई कि चार माह के भीतर चुनाव होंगे, परिणाम आएंगे तो जो लोग विजयी हुए हैं, वो बैठेंगे कहां। मानगो नगर निगम का अपना कार्यालय तक नहीं है।

झारखंड के वित्तमंत्री को कठोर बजट बनाना चाहिए

संवाददाता सम्मेलन में सरयू राय ने झारखंड के वित्त मंत्री से अपील की कि वे कठोर बजट बनाएं। लोकप्रिय बजट के चक्कर में न पड़ें। सरकार के पास प्रचंड बहुमत है। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य प्रशासन बजट को खर्च करने की ताकत पैदा करे। राज्य सरकार केंद्रीय सहायता में मिली धनराशि को खर्च करे। एक सवाल के जवाब में श्री राय ने कहा कि झारखंड का प्रशासन लचर है, इसलिए राज्य सरकार को फायदा नहीं हो पा रहा है उन्होंने वित्तमंत्री को सुझाव दिया कि वह अपने विभागों से, विभिन्न मंत्रियों से बात करें और उनसे पूछें कि जो पैसे मिलते हैं, उन्हें वह कितना खर्च कर पाते हैं और कहां खर्च करते हैं। उन्हें विभागीय सचिवों से पूछना चाहिए कि हम आपको जो पैसे दे रहे हैं, आप खर्च क्यों नहीं कर पा रहे हैं। अभी हालत ऐसे हैं कि दिसंबर माह में ही बजट सरेंडर किया जा रहा है, दूसरे विभागों को दिया जा रहा है। इससे राज्य की अर्थव्यवस्था सुधरेगी नहीं। राज्य का प्रशासन तंत्र प्रभावी हो। पैसे अगर खर्च हुए हैं तो उसका क्या प्रभाव दिखा, यह भी जनता के सामने रखने की जरूरत है।

सरयू राय ने कहा कि अब चार खदानें चालू होने वाली हैं। ये खदानें केंद्र सरकार चालू कराएगी। श्री राय ने इस बात पर घोर चिंता जताई कि राज्य सरकार लौह-अयस्क के खदानों को चलाने के लिए न तो लाइसेंस दे पाई, ना ही उन्हें नीलाम कर पाई। यह राज्य सरकार का काम था कि वह माइंसों को नीलाम करती। सरकार ने ऐसा नहीं किया। श्री राय ने कहा कि सरकार को चाहिए कि वह अर्थव्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए विभागों की नकेल कसे, कड़ाई से पेश आए। उन्होंने सरकार को सलाह दी कि वह केंद्र से लड़े नहीं, संघर्ष की स्थिति पैदा न करे। समन्वय स्थापित करे। तलवारबाजी से काम नहीं चलेगा।

ऐसे ही मांगने से नहीं मिलेगा केंद्र से धन

एक सवाल के जवाब में श्री राय ने कहा कि सरकार बार-बार कहती है कि केंद्र के पास उसका 1।36 लाख करोड़ रुपये का बकाया है। सरकार को चाहिए कि वह जनता को बताए कि 1।36 लाख करोड़ किन-किन मदों में बकाया है, किस मद में कितने पैसे की लेनदारी है। इसे जनता के सामने रखना चाहिए। ऐसे ही मांगने से नहीं मिलेगा वह धन, यह तय मानिए। श्री राय ने यह भी कहा कि 1।36 लाख करोड़ से राज्य की अर्थव्यवस्था नहीं सुधरेगी।

झारखंड को उत्पादक राज्य बनने की दिशा में आगे बढ़े सरकार

श्री राय ने कहा कि झारखंड सरकार को देखना चाहिए कि विकसित राज्य सरकारें कैसे एक से दो बेहतरीन अफसरों की नियुक्ति दिल्ली में करती हैं। उन्होंने कहा कि रेजीडेंट कमिश्नर ऐसा होना चाहिए, जो केंद्र में लायजनिंग कर सके और राज्य की जरूरी फाइलों को आगे बढ़वा सके ताकि राज्य का कल्याण हो। श्री राय ने कहा कि झारखंड को उत्पादक राज्य बनने की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए, उपभोक्ता राज्य नहीं। उन्होंने तर्क दिया कि हर उपभोक्ता राज्य को जीएसटी में नुकसान उठाना पड़ता है। सरकार बजट सत्र में अपनी कमी-खूबियों को पारदर्शिता के साथ बताए, तभी वित्तमंत्री का लोगों से राय लेना सफलीभूत हो सकेगा। श्री राय ने कहा कि सरकार को आंतरिक संसाधनों से धन पैदा करना होगा। इस दिशा में सरकार को आगे बढ़ना चाहिए, जनता के बीच बातों को रखना चाहिए।

सुभाषितम्

मनुष्य अपने जन्म से नहीं बल्कि अपने कर्म से महान बनता है।

- चाणक्य

सबसे चर्चित अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप का शपथ ग्रहण समारोह

दुनिया के देशों में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का शपथ ग्रहण समारोह चर्चाओं में है। अमेरिका के नए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप आज 20 जनवरी सोमवार को राष्ट्रपति पद की शपथ ले रहे हैं। इस शपथ ग्रहण समारोह के लिए जो चंदा एकत्रित किया गया उसका अपना एक अलग रिकॉर्ड बन गया है। सबसे ज्यादा चंदा पाने वाले डोनाल्ड ट्रंप पहले राष्ट्रपति बने हैं, जिन्हें कारपोरेट कंपनियों ने दिल खोलकर चंदा दिया है। चंदा देने वाली कंपनियों में टेक्नोलॉजी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, क्रिप्टोकरंसी और कई बड़ी-बड़ी कंपनियां शामिल हैं। संभावना व्यक्त की जा रही है कि आयोजन के लिए 200 मिलियन डॉलर का चंदा शपथ ग्रहण समारोह के लिए डोनाल्ड ट्रंप एकत्रित कर सकते हैं। शपथ ग्रहण समारोह के लिए अमेरिका के इतिहास में अभी तक का यह सबसे बड़ा चंदा है। अमेरिका में राष्ट्रपति को चंदा देने की कोई सीमा निर्धारित नहीं है। अमेरिका के राष्ट्रपति को मिले हुए दान का खुलासा करना पड़ता है। शपथ ग्रहण समारोह में जो खर्च हो रहा है उससे ज्यादा चंदा एकत्रित हो जाने से अमेरिका में इस बात की चर्चा होने लगी है कि भविष्य में इस चंदे का उपयोग किस काम के लिए होगा। शनिवार की देर रात चीनी कंपनी टिकटॉक की सेवाएं बंद कर दी गई थीं। अमेरिका में टिकटॉक प्लेटफार्म से करोड़ों लोग जुड़े हुए हैं। अमेरिकी नागरिकों की कमाई का एक बड़ा जरिया टिकटॉक कंपनी थी। रविवार की देर रात इसको पुनः शुरू कर दिया गया। ट्रंप शपथ ग्रहण करने के बाद राष्ट्रपति टिकटॉक कंपनी को 90 दिन तक शुरू करने का आदेश देने वाले हैं। उनके मौखिक आदेश पर टिकटॉक की सेवाएं शुरू कर दी गई हैं। माना जा रहा है कि इस कंपनी को एलन मस्क की कंपनी खरीद सकती है, क्योंकि अमेरिका के रोजगार से जुड़ा हुआ यह मामला है। अतः माना जा रहा है कि टिकटॉक जल्द ही नए नाम से अमेरिका में व्यवसाय शुरू कर देगी। ट्रंप का शपथ ग्रहण समारोह इसलिए भी चर्चाओं में है क्योंकि अमेरिका से जिन राष्ट्रों के साथ अच्छे संबंध नहीं हैं उन्हें भी शपथ ग्रहण समारोह का न्योता भेजा गया। यूरोपीय संघ और मित्र राष्ट्रों को उन्होंने चुन-चुन कर शपथ ग्रहण का न्योता भेजा। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जिन्होंने पिछले चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप का चुनाव प्रचार किया था अबकी बार ट्रम्प सरकार का नारा लगाया था उन्हें शपथ ग्रहण में नहीं बुलाया गया। यह अलग बात है कि भारत के विदेश मंत्री को अमेरिका का न्योता आया और वह शपथ ग्रहण में भाग लेने के लिए गए हैं। मुकेश अंबानी और नीता अंबानी को शपथ ग्रहण समारोह का न्योता भेजा गया जिसको लेकर भारत में बड़ी चर्चा हो रही है। सारी दुनिया में शपथ ग्रहण समारोह की चर्चा इसलिए भी हो रही है क्योंकि एक तरफ शपथ ग्रहण समारोह के लिए सबसे ज्यादा चंदा इकट्ठा किया गया तो वहीं पुरानी सारी परंपराओं को तोड़कर शपथ ग्रहण समारोह के लिए अतिथियों को बुलाया गया। ट्रंप के राष्ट्रपति बनने के बाद दुनिया के सभी देशों में इसकी क्रिया और प्रतिक्रिया हो रही है। डोनाल्ड ट्रंप राष्ट्रपति शपथ लेने के बाद 100 ऐसे आदेश जारी करने जा रहे हैं जिसका असर दुनिया के सभी देशों में पड़ सकता है। इसलिए शपथ ग्रहण समारोह के साथ ही दुनिया के देशों में आशंकाएं भी बढ़ गई हैं। डोनाल्ड ट्रंप राष्ट्रपति बनने के बाद क्या करेंगे यह अलग बात है, लेकिन जिस तरह के भाषण राष्ट्रपति बनने के पहले वो दे रहे थे, वही नीतियां यदि लागू की गई तो बड़े पैमाने पर पूरी दुनिया में अफरा-तफरी मच सकती है। अमेरिका में घुसपैठ करके अवैध प्रवासी रह रहे हैं, उनमें सबसे ज्यादा चिंता है। कच्चे तेल के दाम, मैक्सिको बॉर्डर पर दीवार बनाने और रूस-यूक्रेन के बीच युद्ध विराम एवं विस्तारवाद को लेकर उन्होंने जो बयान दिए थे उसको लेकर दुनिया भर के देशों में तरह-तरह की चर्चाएं हो रही हैं। दरअसल ट्रंप ने कनाडा, ग्रीनलैंड और पनामा नहर के बाद मैक्सिको की खाड़ी पर भी एक बड़ा बयान दिया था, जिस पर लगातार चर्चाएं हो रही हैं। ट्रम्प कनाडा को 51वां राज्य बनाने का प्रस्ताव दोहराते रहे हैं, जिससे कनाडा में विवाद और अनिश्चितता की स्थिति उत्पन्न हो गई।

चिंतन-मनन

क्या है कृष्णकर्म?

ऐसा कोई कार्य न करें जो कृष्ण से संबंधित न हो। कोई भले ही कितने ही कर्म क्यों न करे, किंतु उसे उनके फल के प्रति आसक्ति नहीं होनी चाहिए। यह फल तो कृष्ण को ही अर्पित किया जाना चाहिए। उदाहरणार्थ, यदि कोई व्यापार में मस्त है, तो उसे इस व्यापार को कृष्णभावनामृत में परिणत करने के लिए, कृष्ण को अर्पित करना होगा। यदि कृष्ण व्यापार के स्वामी हैं, तो इसका लाभ भी उन्हें ही मिलना चाहिए। यदि किसी व्यापारी के पास करोड़ों रुपए की संपत्ति हो और यदि वह इसे कृष्ण को अर्पित करना चाहे, तो वह ऐसा कर सकता है। यही कृष्णकर्म है। अपनी इंद्रियतृप्ति के लिए विशाल भवन न बनवाकर, वह कृष्ण के लिए सुंदर मंदिर बनवा सकता है, कृष्ण का अर्चाविग्रह स्थापित कर सकता है। यह सब कृष्णकर्म है। मनुष्य को अपने कर्मफल में लिप्त नहीं होना चाहिए, अपितु इसे कृष्ण को अर्पित करके बची हुई वस्तु को प्रसाद रूप में ग्रहण करना चाहिए। यदि कोई कृष्ण के लिए विशाल भवन बनवा देता है और उसमें कृष्ण का अर्चाविग्रह स्थापित कराता है, तो उसमें उसे रहने की मनाही नहीं होती, लेकिन कृष्ण को ही इस भवन का स्वामी मानना चाहिए। यही कृष्णभावनामृत है। किंतु यदि कोई कृष्ण के लिए मंदिर नहीं बनवा सकता तो वह कृष्ण-मंदिर की सफाई में तो लग सकता है, यह भी कृष्णकर्म है। मत्परमः शब्द उस व्यक्ति के लिए आता है जो अपने जीवन का परमलक्ष्य, भगवान कृष्ण के परमधाम में उनकी संगति करना मानता है।

तम्बाकू एक धीमा जहर

रहीम खान

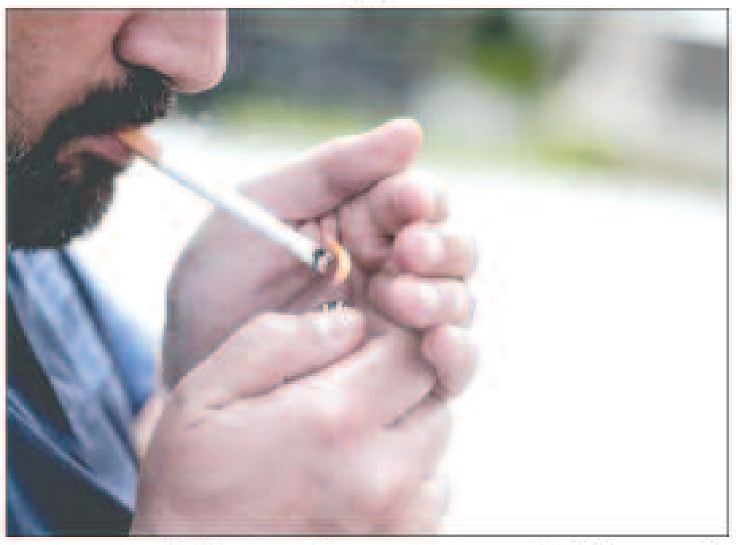

इसे विडंबना कहे कि जिस तम्बाकू के पेड़ के पत्तों को गधे भी नहीं खाते वह समझदार प्राणी कहे जाने वाले मानव का सबसे प्रिय खानी वाली एक वस्तु है । तम्बाकू आज के दौर में भारत में बच्चों, किशोर, युवा और वृद्ध सभी आयु वर्ग में खाई जाने वाली वस्तु है । तम्बाकू एक प्रकार की निकोटियाना प्रजाति के पेड़ के पत्तों को सुखा कर नशा करने की वस्तु बनाई जाती है । यह एक मीठा और धीमा जहर है जो धीमे धीमे आदमी की जान लेता है । भले की सरकार को तम्बाकू के माध्यम से राजस्व के रूप में करोड़ों रुपए प्राप्त होता है । परन्तु दूसरी ओर इससे उत्पन्न रोगों के इलाज पर इससे ज्यादा खर्च किया जाता है । इसके सेवन से जीवनी शक्ति का ह्रास होता है । लाख बुराई होने और इसके नुकसान को जानने के बाद भी जब इसकी लत आदमी को लग जाती है तो उसको छुड़ा पाना मुश्किल हो जाता है। इस प्रकार से वह अपने आप को उसके हवाले करके अपनी ताकत धीरे धीरे खोते जाता है। इसके शौकीन पुरुष महिला सभी है। भारत में प्रयोग की जाने वाली धुंआरहित तम्बाकू में तम्बाकू वाला पान/पान मसाला/तम्बाकू चूने और बुझे हुए चूने का मिश्रण/मैनपुरी तम्बाकू/मावा/तम्बाकू और बुझा हुआ चूना खैनी/चबाने योग्य तम्बाकू/ सनस/ मिश्री/ बज्जर/ गुडाखू/ क्रीमदार तम्बाकू पावडर/ तम्बाकू युक्त पान इत्यादि । इसी के साथ तम्बाकू का उपयोग सिगरेट और बीड़ी के माध्यम से भी किया जाता है । तम्बाकू धूम्रपान एक ऐसा अभ्यास है जिसमें तम्बाकू को जलाया जाता और उसका धुंआ या तो चखा जाता है या फिर उसे सांस में खींचा जाता है । इसका चलन सन 5000 ई. पूर्व से हुआ है । तम्बाकू सेवन का सबसे आम तरीका धूम्रपान है । प्रारंभिक अवस्था में धूम्रपान सुखद अनुभूतियां प्रदान करता है । सकारात्मक दृष्टिकोण के एक स्रोत के रूप में कार्य करता है बाद में इसके नकारात्मक प्रभाव शरीर में पड़ते है। धूम्रपान के अलावा दवा के रूप में भी तम्बाकू का उपयोग होता है। एक दर्द निवारक के तौर में यह कान के दर्द और दांत के दर्द और कभी कभी एक प्रलेप के रूप में भी प्रयोग किया जाता है । रेगिस्तान में रहने वाले भारतीय कहते है कि धूम्रपान करने से जुकाम ठीक हो जाता है । वर्तमान समय बाजार में बड़ी संख्या में पाऊच बेचे जा रहे है। जिसमें किसी न किसी प्रकार से तम्बाकू का अंश बहुत ज्यादा है। 1980 के दशक में मिले वैज्ञानिक प्रमाण के अनुसार तम्बाकू कंपनियों ने दावा किया कि लापरवाही बरतने का कारण स्वाद पर पड़ने वाले प्रतिकूल प्रभाव से पहले उनका अंजान होना था या पर्याप्त विश्वसनीयता का अभाव था। कि इसका प्रभाव किस प्रकार पड़ता है। धूम्रपान और तम्बाकू सेवन से बचने के लिये विश्व स्तर पर प्रचार अभियान सभी देशों की सरकारों द्वारा चलाया जाता है। जिसके कारण इसके प्रति रूचि रखने वाले लोगों में इतनी कमी नहीं आ पाई जितनी सरकार अपेक्षा करती है । सिगरेट में पत्तों को जलाकर और वाष्पीकरण गैस को सांस से खींचकर प्राप्त किया जाने वाला आनंद शरीर के भीतर नये नये रोगों को जन्म देता है। क्योंकि यह प्रभावशाली ढंग से पदार्थों को खून में अवशोषित कर फेफड़ों में कोशिकाओं के जरिये पहुंचाया जाता है । फेफड़ों में लगभग 300 मिलियन रक्त कोशिका होती है । अधिक धूम्रपान किये जाने से हृदय रोग की बीमारी भी उत्पन्न होती है । जो महिलाएं इसके सेवक करती है । उनके शरीर के भीतर भी अनेक प्रकार के रोग उत्पन्न होते है । तम्बाकू का पत्ता अर्थात निकोटिन एक ऐसा जहर है जो जबान पर तो आनंद प्रदान करता है परन्तु शरीर के भीतर जाने के बाद यह कई प्रकार के बीमारियों का रास्ता खोल देती है । धूम्रपान की शुरूआत अधिकतर समय किशोर अवस्था से की जाती है। परन्तु बाद में यह इंसान को अपना गुलाम बना लेती है । तम्बाकू के बारे में अनेक सचेत करने वाले प्रचार प्रसार/संदेश सरकारों के तरफ से लगातार जारी किये जाते है परन्तु इसका कोई दूर दूर तक असर दिखाई नहीं पड़ता । विश्व स्वास्थ्य संगठन का कहना है कि तम्बाकू के कारण पैदा हुई बीमारियों और उससे हुई मौत के मामले ज्यादातर शिकार गरीब होते है। क्योंकि वह इसके दुष्परिणामों को गंभीरता से नहीं लेते। सन 2004 में दुनिया भर में 58.8 मिलियन लोगों की मृत्यु का अनुमान लगाया गया । जिनमें 5.4 मिलियन के लिये तम्बाकू को जिम्मेदार ठकराया । उसी प्रकार 2007 में 4.9 मिलियन मौतें तम्बाकू की वजह से होना बताया जाता है । तम्बाकू उपयोग के बारे में अनेक प्रकार की दुनिया भर में मान्यता व धारणाएं प्रचलित है। केंसर जैसा घातक रोग का जिम्मेदार भी तम्बाकू को माना जाता है । ऐसी मान्यता है कि तम्बाकू इस जगह से निमार्ता से मिला एक उपहार था और इसके कश से निकला धुंआ उसे व्यक्ति विशेष के विचारों और प्रार्थनाओं को स्वर्ग तक ले जाने में सक्षम है । तम्बाकू की हानि को इसी बात से समझा जा सकता है कि इसका जो पौधों होता है। उसके पत्तों को गधा जैसे मूर्ख प्राणी भी नहीं खाता । परन्तु बुद्धजीवी कहा जाने वाला मानव उसे खुशी खुशी खाते है । तम्बाकू में पाया जाना वाला निकोटिन का प्रभाव इतना गहरा है कि यह जब सिगरेट में पिया जाता है तो उसका धुंआ केवल पीने वालों को भी नहीं अन्य आसपास बैठे व्यक्तियों के शरीर पर भी अपना दुष्प्रभाव छोड़ता है इसीप्रकार धूम्रपान और चबा कर तम्बाकू जब शरीर में जाती है तो खून में मिल जाती है जिनके कारण इसकी आदत व्यक्ति से छूट नहीं पाती और वह इसका आदि हो जाती है । वह जल्दी थक जाता है ज्यादा दूर तक पैदल नहीं हल पाता थोड़ी से मेहनत से दम भर जाती है। ऐसे अनेक प्रकार के लक्षण व्यक्ति में उत्पन्न हो जाते है।

मद्य निषेध के नाम पर लूट:- भारत सरकार का स्वास्थ्य मंत्रालय विभिन्न एन.जी.ओ के माध्यम से लोगों धूम्रपान और तम्बाकू से बचने के लिये देश व्यापी प्रचार अभियान चलाता है परन्तु वास्तविकता यह है कि इसका रत्तीभर भी प्रभाव नहीं होता बल्कि मद्य निषेध के नाम पर एन.जी.ओ. अपनी जेब लाखों रूपयों से भर रहे है । किसी भी स्थान पर एकाध छोटा से प्रोग्राम करके अखबारों में लंबा चौड़ा प्रचार करवाकर लाखों रुपए की स्वीकृति सरकार से प्राप्त कर लेते है । तम्बाकू के दुष्प्रभाव से बचने के लिये सबसे अच्छा और सरल साधन यह है कि व्यक्ति उस वातावरण से दूर रहे जहां पर लोग इसका सेवक अधिक करते है । क्योंकि यह एक ऐसा शौक है जो बेहद सामान्य तरह से प्रारंभ होता है और धीरे धीरे शरीर को भीतर ही भीतर तरह तरह की बीमारियों का केन्द्र बना देता है । अनेक बार ऐसा देखा गया है कि धुपमान के माध्यम सेतम्बाकू का मजा लेने वाले युवा असमय ही दिल का दौरा पड़ने से दुनिया से चले गये। किसी भी रूप में तम्बाकू के सेवन करने वाले पुरुष महिला लड़का लड़किया और अन्य सभी से यही अपेक्षा है कि संसार में ईश्वर द्वारा प्रदान किया गया। जीवन अमूल्य है। इसे कुप्रवृतियों मद्यमान, धूम्रपान और तम्बाकू सेवन के शौक के माध्यम से समय पूर्व बर्बाद न करें ऐसी रोगों का रोगी न बने जो आपकी उम्र को कम करता है । यह तभी संभव है जब आप मन के भीतर से कुप्रवृतियों को छोड़ने का संकल्प उत्पन्न करें । और उस वातावरण से दूर रहे जहां पर इस प्रकार की कुप्रवृतियों को गले लगाया जाता है । जीवन अनमोल है कि इसके महत्व को समझो ।

भगवान श्री राम ही अमृत हैं

संजय गोस्वामी

भगवान श्री राम की श्री रामाब्धि शुक्ति मणि जिसमें श्री का अर्थ है देवी लक्ष्मी सार्वभौमिक शक्ति जो सीता के रूप में जन्मी थी, पूर्व की उत्पत्ति समुद्र से हुई थी और बाद में पृथ्वी में पैदा हुई थी, राम ने स्वयं में शिव और विष्णु के महत्वपूर्ण बीजों को मिलाया, अब्धि का अर्थ है सागर और शुक्तिमणि जिसका अर्थ है मोती। तो यह समझा जा सकता है कि जब हम रामायण के महासागर को छूते हैं, तो हमें दो मोती मिलेंगे, एक महान सेतु (महान पुल) और दूसरा लंकानगर, दोनों का निर्माण महासागर पर किया गया था। विश्वकर्मा, ब्रह्मा के निर्देश के तहत दिव्य शिल्पकार, निमार्ता ने त्रिदेवों में से एक भगवान शिव के निवास के रूप में लंका शहर का निर्माण किया था। उसी तरह हिंदू किंवदंतियों के चित्रण राजा नल ने विश्वकर्मा के महत्वपूर्ण तत्वों से पैदा हुए लंका नगरी और महान सेतु दोनों ही जल से संबंधित निर्माण हैं क्योंकि दोनों ही समुद्र पर बने थे। सेतु और लंका दोनों ही रामायण के दो मोती हैं। ये दोनों ही चमकदार मोती हैं, जिस पुस्तक का विषय उनके इर्द-गिर्द घूमता है, उससे यह आशा की जाती है कि यह भगवान श्री राम के आभूषणों की एक श्रृंखला की तरह चमकेगी जो असंख्य सूर्यों का प्रकाश बिखेरती है, और बदले में हम पर प्रकाश डालती है और हमारे जीवन को उद्देश्यपूर्ण बनाती है। मेरा दृढ़ विश्वास है कि रामचरित्र मानस में प्रत्येक तथ्य विज्ञान और हमारी भारतीय संस्कृति के अनुरूप है। हिंदू किंवदंतियां, पौराणिक कथाएँ, प्राचीन इतिहास, सूर्य सिद्धांत और आधुनिक विज्ञान सभी इसके के निर्माण में शब्द को लाए गए हैं। पुस्तक श्रीमद्रामायण में वर्णित राम सेतु और लंका नगर के बारे में कुछ जानने के लिए, हमें कुछ संबंधित तथ्यों को जानना आवश्यक है। रामायण में वर्णित तथ्य वर्तमान के अनुरूप हैं। विज्ञान की हर शाखा रामायण से जुड़ी हुई है। पुस्तक का उद्देश्य यह है की द्वीप में, भारत वर्ष स्थित है, कैसे हमारे देश को भारत खंड के रूप में जाना जाता है और हमारे देश से अलग हुए द्वीपों के नाम क्या हैं। पुस्तक सूर्य सिद्धांत में पाई जाने वाली माप की योजन इकाइयों के बारे में मजबूत जानकारी देती है, जो दूरी मापने की वर्तमान इकाई के अनुसार इसकी गणना प्रदान करती है। रावण का लंका नगर और वर्तमान श्रीलंका, जो भारत से अलग हो गए थे, दो दूर के द्वीप हैं और एक नहीं हैं। रामायण में राम के काल में केवल एक द्वीप लंका नगर का वर्णन मिलता है। भौगोलिक परिवर्तन के कारण लंका नगर की 90% भूमि समुद्र में डूब गई और शेष 10% भूमि सिंहल द्वीप में विलीन नहीं हुई। परिणामस्वरूप वर्तमान श्रीलंका के लोग कहते हैं कि उनकी भूमि (श्रीलंका) रामायण के अवशेषों से भरी हुई है, जिसका अर्थ है कि रामायण की लंका कुछ और नहीं बल्कि उनकी अपनी भूमि है, जिसमें महान सेतु का 90% हिस्सा समुद्र में डूबा हुआ है, शेष भाग वर्तमान में दानुष्कोटि (भारत में) और थलीमन्नार (श्रीलंका में) के बीच देखा जाता है। ऐसा माना जाता है कि महान सेतु का शेष भाग भी उत्तर पूर्व की ओर चला गया होगा। समय के साथ भौगोलिक परिवर्तन का एक विवरण। इस पुस्तक में हमारे देश पर शासन करने वाले सम्राटों और राजाओं के साथ-साथ आधुनिक काल में हमारे राज्य के राष्ट्रपतियों, प्रधानमंत्रियों और राज्यपालों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई है। पुस्तक का उद्देश्य श्रीमद्रामायण और अन्य मानक कार्यों के साथ-साथ भागवत और विभिन्न पौराणिक कथाओं के आधार पर यह तथ्य स्थापित करना भी है कि रावण का लंकानगर और सिंहल (वर्तमान श्रीलंका) दो अलग-अलग संस्थाएँ हैं और जैसा कि सार्वभौमिक रूप से माना जाता है, रामेश्वरम (भारत में) और श्रीलंका के बीच राम सेतु का निर्माण किया गया था। भौगोलिक स्थिति मनुष्य अपनी माँ के गर्भ से बाहर निकलते ही पृथ्वी की गोद में प्रवेश करता है। जब तक वह जीवित रहता है, पृथ्वी उसका आश्रय बनी रहती है। ईश्वर ने उसके जन्म से पहले ही उसके पदार्थ की व्यवस्था कर दी है। इसलिए भौगोलिक स्थिति को मनुष्य की यात्रा का पहला चरण माना जाता है। जैविक स्थितिः पृथ्वी मनुष्य के स्थिर विकास का आधार है। वेदों और विज्ञान के अनुसार पृथ्वी पर 84 करोड़ जीव-जंतु मौजूद हैं। प्रकृति की अनियमितताओं और परिवर्तनशीलता के कारण कुछ जानवर विलुप्त हो गए हैं।अतः आप इधर उधर की बातें से अच्छा भगवान श्री राम का स्मरण करते रहें जैसे प्रभु के ध्यान में पूज्य हनुमान को शक्ति मिलती है जब जब राम को मन मंदिर में पूरी तरह बसा नहीं लेते तब तक शांति नहीं मिलेगी और आपकी ऊर्जा नष्ट होते रहेगी जिसमें काम, क्रोध, मद, लोभ, द्वेष आदि का अंत नहीं कर देते तब तक प्रभु राम को समझना मुश्किल होगा आप ऐ तो जाने ऐ तो मेरे प्रभु राम ही थे जिसके चरण स्पर्श से पत्थर की अहिल्या जीवित हो उठी तभी तो केवट भगवान श्री राम के चरणों को अपने अश्रु से ही धो डालता है भगवान श्री राम दया के सागर हैं श्री? वही अमृत भी है जब तक ध्यान रहेगा आप सुरक्षित रहेंगे जैसे जो मछली मछुआरा के पैर तले आती है तो उसके जाल में नहीं फंसती है इसी तरह प्रभु श्री राम के चरणाविंद में रहते हैं तब तक आपका कोई कुछ भी नहीं बिगाड़ सकता है भगवान श्री राम महाकुम्भ जैसे ही तो हैं जिसमें ना जाने अपने अंदर कितने अ असंख्य साधु संतो को अपने विराट हृदय में समाहित किए है या फिर अथाह समुद्र जैसे जो उसमें एक बार डुबकी लगा देता है वो माया मोह के बंधन से मुक्त हो जाता है विशाल से विशाल कुंभ मेला में किसी कारण वश नहीं जा सके तो इसमें चिंता करने की बात नहीं है ऐ कुछ समय के लिए एक आध्यात्मिक वातावरण प्रदान करता है लेकिन प्रभु श्री राम तो अनन्त रूपों में व्याप्त है जो कभी भी किसी भी समय उपस्थित हो जायेंगे बस एक बार सच्चे मन से ध्यान कर के देखिये असली अमृत प्रभु राम के चरणों में छिपा है जो आपको शक्ति प्रदान करता है बस उन लोगों से दूर रहें जो मांस, मदिरा, का सेवन करते है और भोग विलास और क्रोधित हो जाते हैं संगत का प्रभाव पड़ता है जैसी संगती वैसी रंगत।

कांग्रेस का कार्यालय तो नया पर पार्टी की समस्यायें पुरानी

रहीम खान

भारतीय राजनीति में पांच दशक तक केन्द्र और राज्य की राजनीति में एकतरफा हुकूमत करने वाली कांग्रेस पार्टी 2014 के बाद लगातार राजनीतिक संक्रमण काल से गुजर रही है। जिससे बाहर निकलने के वह प्रयास अवश्य करती है परन्तु सफलता उस तरह की नहीं मिल पाती। लोकसभा चुनाव 2014 में उसके 44 सांसद, 2019 में 52 सांसद थे परन्तु राहुल गांधी की पदयात्रा का प्रभाव था कि 2024 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस अपने 100 सांसद तक पहुंच गई है। इसके बाद भी उसकी जो समस्यायें है कम होने का नाम नहीं ले रही है। उम्मीद थी कि लोकसभा चुनाव के बाद हरियाणा एवं महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में कांग्रेस कुछ अच्छा करेगी परन्तु ऐसा कुछ नहीं हुआ और दोनों जगह उसे निराशा का सामना करना पड़ा। कांग्रेस की संगठनात्मक कमजोरियां अपनी जगह यथावत हैं। इसमें सुधार की केवल बातें की जाती है। धरातल में इसके कोई सुधार होते दिखते नहीं। निरंतर पराजय से कार्यकर्ता से निराशा में डूबा हुआ है। जिला राज्य और केन्द्र तीनों जगह कांग्रेस संगठन कमजोर है। जिसके कारण कांग्रेस को हम कदम में एक नये संकट का सामना करना पड़ता है। ऐसे प्रतिकूल परिस्थितियों में कांग्रेस पार्टी ने अपने नये कार्यालय का उद्घाटन गत दिवस किया है यह अच्छी बात है। परन्तु पार्टी की जो समस्यायें है वह पुरानी है जब तक वह बाहर नहीं निकलेगी और सरकारें नहीं बनेगी तो वह एक मजबूत स्वरूप ग्रहण नही कर पायेगी। कांग्रेस की दिक्कत यह है कि यह चुनाव परिणाम के पश्चात अपने प्रदर्शन में ईमानदारी के साथ आत्ममंथन नहीं करती। उससे दूर भागती है जिसके कारण बेसिक समस्याओं का समाधान नहीं हो पाता। कांग्रेस पार्टी का नया मुख्यालय जो इंदिरा भवन 9ए कोटला रोड नई दिल्ली है। इसके निर्माण में 252 रुपए का व्यय आया है। जिसकी आधारशिला 2009 में तत्कालिन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह व राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनिया गांधी ने रखी थी। आर्थिक परेशानियों के कारण इस कार्यालय को बनने में पूरे 15 वर्ष लग गये। 46 साल बाद कांग्रेस का मुख्यालय बदला है। पुराना ऑफिस 24 अकबर रोड था। इस ऑफिस के डिजाइनर हर्षीत कान्ट्रेक्टर, निर्माण एंजेसी लार्सन एंड टूब्रों है। जब आधारशिला रखी गई तब इसकी लागत 172 करोड़ आंकी गई थी लेकिन देरी होने से इस लागत में 80 करोड़ का अधिक खर्चा आया। नये ऑफिस का क्षेत्रफल 1.82 एकड़ है। यह ऑफिस सभी तरह की अति आधुनिक सुविधाओं से परिपूर्ण है। जिसमें आजादी के पहले व आजादी के बाद की सभी यादगार पलों को सजोया गया है। भारत की महिला प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी के नाम पर इसे रखा गया है। आईसीसी मुख्यालय कांग्रेस पार्टी के अपने दिग्गजों के दृष्टिकोण को बनाये रखने के निरंतर मिशन का प्रतीक है।

आज का राशिफल

मेष आज लाभ का दिन है और आपके लिए सम्मान प्राप्ति के योग बने हैं। आपका भाग्य साथ देगा।	**तुला** आजदिन लाभकारक है और आपको सफलता प्राप्त होने से आपका मन काफी प्रसन्न रहेगा।
वृषभ आज मन नई योजनाओं में लगेगा। किसी देवस्थान की यात्रा से मन को सकून मिलेगा।	**वृश्चिक** दिन आर्थिक मामलों में लाभ से भरा होगा। आपको दिन भर लाभ के अवसर प्राप्त होंगे।
मिथुन आज करियर में लाभ के योग है और आपका कोई बड़ा कार्य पूर्ण होने से आपका मन खुश रहेगा।	**धनु** बिजनस के मामले में थोड़ा सा जोखिम उठाएं तो बड़ा लाभ होने की आशा है।
कर्क आपका दिन काफी सफलता से भरा होगा। आप जो भी काम लगन के साथ करेंगे।	**मकर** आज दिन सामान्य है। साझे में किया व्यापार काफी फायदा पहुंचाएगा और आपको राहत होगी।
सिंह दिन काफी व्यस्त रहने वाला है। आपकी योजनाएं सफल होंगी और कारोबार में सफलता प्राप्त होगी।	**कुंभ** दिन वाला है। कुंभ राशि वाले कल आत्मविश्वास के साथ अपने काम में आगे बढ़ेंगे।
कन्या आपको सफलता प्राप्त होगी। आपसी वार्ता और व्यवहार में संयम व सावधानी बरतें।	**मीन** आज योग का शुभ संयोग बन रहा है। साथ ही करियर में भी आप सफलता हासिल करेंगे।

विशेष

दिल्ली विधानसभा चुनाव में मुफ्त की रेवड़ियां

इन दिनों दिल्ली की राजधानी में विधानसभा चुनाव हो रहे हैं। इस विधानसभा चुनाव में मुफ्त की रेवड़ियों को लेकर बड़ी चर्चा हो रही है। आम आदमी पार्टी के साथ-साथ अब कांग्रेस और भाजपा भी मुफ्त की रेवड़ियों को लुटाने की होड़ लग गई है। वित्त आयोग के अध्यक्ष अरविंद पनगढ़िया ना तो केंद्र सरकार को समझा पा रहे हैं। नाही राज्य सरकारों को समझा पा रहे हैं। मुफ्त की रेवड़ी बांटने का काम भाजपा ने शुरू किया था। अब यह रेवड़ी उनके ही गले में फांस की तरह गड़ रही है। दिल्ली के चुनाव में मुफ्त बिजली मुफ्त पानी मुफ्त बस का पास अब कांग्रेस इनके साथ-साथ ?500 का गैस सिलेंडर महिलाओं को 2500 जैसे कई लुभाने वादे लेकर सामने आ गई है।

किसानों का दिल्ली कूच, सरकार बेफिक्र

हरियाणा और पंजाब के शंभू बॉर्डर पर पिछले 11 महीने से किसान आंदोलन कर रहे हैं। केंद्र सरकार किसानों से बात नहीं कर रही है। तीन बार किसानों ने दिल्ली जाने की कोशिश की। हरियाणा सरकार ने आंसू गैस और पानी छोड़कर किसानों को आगे नहीं बढ़ने दिया। अब किसानों ने 21 जनवरी को दिल्ली कूच का ऐलान किया है।किसान नेता डल्लेवाल की हालत बड़ी तेजी के साथ बिगड़ रही है। केंद्र सरकार बेफिक्र है।सुप्रीम कोर्ट की बनाई हुई कमेटी की आड़ में केंद्र सरकार को लगता है। किसानों का आंदोलन ठंडा हो जाएगा। इस बार यह मामला ठंडा होता नजर नहीं आ रहा है। यदि डल्लेवाल को कुछ हो गया, तो किसान आंदोलन सारे देश में भड़क सकता है। एमएसपी की मांग सारे देश के किसानों की मांग है।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1793 फ्रांस नरेश लुई 16वें को मौत के घाट उतार दिया गया, 1945 प्रसिद्ध क्रांतिकारी रासबिहारी बोस का निधन टोकियो में हुआ, 1954 अमेरिका में परमाणु चलित प्रथम पनडुब्बी यूएसएस नाटिलस का जलावतरण हुआ, 1968 ब्रिटेन ने सुदूरपूर्व और खाड़ी क्षेत्र से अपने सैनिक हटाने की योजना घोषित की, 1969 भारत में निर्मित प्रथम कम्प्युटर ने काम करना शुरू किया, 1970 इराक में सत्ता पलट की साजिश विफल होने के बाद 82 व्यक्तियों को मौत की सजा दी गयी, 1972 मणिपुर,मेघालय और त्रिपुरा पूर्ण राज्य बने, 1974 चीन के साथ परासेल द्वीप की लड़ाई में वियतनाम को अमेरिका ने मदद देने से इंकार किया था, 1983 प्रथम भारतीय एडमिरल आर. डी. कटारी का निधन, 1990 पूर्वी जर्मनी में कम्युनिस्ट पार्टी नेप्रमुख नेता इगोन क्रेंज को निष्कासित कर दिया, 1992 सुरक्षा परिषद ने पैन अमेरिका विमान में बम विस्फोट के लिए जिम्मेदार व्यक्तियों को अमेरिका को सौंपने का आग्रह लीबिया से किया.

दैनिक पंचांग

21 जनवरी 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

मंगलवार 2025 वर्ष का 21 वा दिन दिशाशूल उत्तर ऋतु शिशिर।
विक्रम संवत् 2081 शक संवत् 1946 मास माघ (दक्षिण भारत में पौष)
पक्ष कृष्ण तिथि सप्तमी 12.40 बजे को समाप्त। नक्षत्र चित्रा 23.37 बजे को समाप्त। योग सुकर्मा 03.49 बजे रात को समाप्त।
करण बव 12.40 बजे तदनन्तर बालव 02.01 बजे रात को समाप्त।
चन्द्रायु 21.1 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 19° 54'
सूर्य उत्तरायण
कलि अहर्गण 1872231
जूलियन दिन 2460696.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446 महीना रज्जब तारीख 20 विशेष स्वामी विवेकानन्द जयंती, कालाष्टमी।

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मकर में	कुंभ	08.07 बजे से
चंद्र	तुला में	मीन	09.40 बजे से
मंगल	कर्क में	मेष	11.10 बजे से
बुध	धनु में	वृष	12.50 बजे से
गुरु	वृष में	मिथुन	14.48 बजे से
शुक्र	कुंभ में	कर्क	17.02 बजे से
शनि	कुंभ में	सिंह	19.18 बजे से
राहु	मीन में	कन्या	21.30 बजे से
केतु	कन्या में	तुला	23.40 बजे से
राहुकाल 3.00 से 4.30 बजे तक		वृश्चिक	01.55 ब.से
		धनु	04.11 बजे से
		मकर	06.16 बजे से

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभस्य श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, मध्यम चर, अशुभ उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■Jagrutidaur.com, Bangalore

कहीं घूमने का है प्लान, पर करनी है घर की सफाई? जानें फास्ट होम क्लीनिंग आइडिया

संडे को सफाई और घूमने के बीच बैलेंस बनाना काफी मुश्किल होता है, क्योंकि गंदगी और अव्यवस्था से मन अशांत रहता है। ऐसे में कहीं घर को बुरी हालत में छोड़कर बाहर घूमने जाने का मन नहीं करता है। अगर आपके साथ भी हर वीकेंड पर कुछ ऐसी ही स्थिति बनी रहती है, तो यहां से फास्ट होम क्लीनिंग का आइडिया ले सकते हैं।

संडे को सफाई और घूमने के बीच बैलेंस बनाना काफी मुश्किल होता है, लेकिन जल्दी-जल्दी क्लीनिंग करके आप समय से काम निपटा सकती हैं। साथ ही, अपने घूमने की प्लानिंग को भी सफल बना सकती हैं।, क्योंकि गंदगी और अव्यवस्था से मन अशांत रहता है। पूरे सप्ताह के बिजी शेड्युल में घर की साफ-सफाई कई दफा नजरंदाज हो जाती है और वीकेंड्स पर ही अच्छी तरह सफाई करने का मौका मिलता है। ऐसे में, घर को बिखरा हुआ छोड़कर कहीं बाहर घूमने जाने का मन नहीं करता है। अगर इस संडे आपका भी कहीं घूमने का प्लान है, लेकिन घर की सफाई बाकी है तो आप इन टिप्स को फॉलो करके आप घर की सफाई को जल्दी से निपटाकर अपने घूमने के प्लान को आराम से एंजॉय कर सकती हैं।

डेली डिक्लटरिंग से शुरुआत करें

सबसे पहले घर के उन हिस्सों को साफ करें, जो सबसे ज्यादा बिखरे हुए हैं।बेडरूम, लिविंग रूम और किचन से फालतू सामान हटाएं। डस्टबिन और वेस्ट बास्केट में गैरजरूरी चीजें डाल दें।

10 मिनट रूल अपनाएं

हर कमरे की सफाई के लिए सिर्फ 10 मिनट दें।वाइप करें, झाड़ू लगाएं और चीजों को सही जगह रखें। सफाई का सामान तैयार रखें। किचन क्लीनर, डस्टिंग क्लॉथ, वाइपर, ग्लास क्लीनर जैसी चीजें पहले ही निकालकर रखें। इससे बार-बार चीजें ढूंढने में समय नहीं लगेगा।

स्पॉट क्लीनिंग परदें ध्यान

पूरे घर की सफाई करने की बजाय, सिर्फ गंदे हिस्सों पर फोकस करें।फर्श, टेबल, डोर हैंडल और मिरर जैसी चीजें जल्दी साफ करें। सफाई करते समय वॉशिंग मशीन में कपड़े डाल दें और बर्तन धोने का काम भी साथ में करें। इससे समय की बचत होगी।

फर्श की सफाई स्मार्ट तरीके से करें

वैक्यूम क्लीनर का इस्तेमाल करें या झाड़ू और पोछा एक साथ लगाएं।फर्श को एक बार वाइप कर दें ताकि धूल और गंदगी हट जाए।सफाई के बाद घर में फ्रेशनर का इस्तेमाल करें। इससे सफाई का असर और बेहतर लगेगा।

परिवार की मदद लें

सभी को एक-एक काम सौंपें, जैसे कोई झाड़ू लगाए, तो कोई धूल साफ करे।टीमवर्क से काम जल्दी और आसानी से हो जाएगा।गहराई से सफाई करने के बजाय सिर्फ बेसिक क्लीनिंग पर फोकस करें। डीप क्लीनिंग के लिए किसी और दिन का चयन करें।

बच्चों के प्ले एरिया को डिसइंफेक्ट करने के लिए अपनाएं ये तरीके

यह बात तो हम सभी जानते हैं कि बच्चों को खेलना कितना पसंद आता है। अमूमन हम सभी बच्चों के खिलौनों और प्ले एरिया को क्लीन जरूर करते हैं, लेकिन इसके साथ-साथ उसे डिसइंफेक्ट करना बेहद जरूरी है। दरअसल, इन सभी खिलौनों व प्ले एरिया पर बच्चे की चिपचिपी उंगलियों से लेकर फूड पार्टिकल्स तक रह जाते हैं, जिससे वहां पर बैक्टीरिया भी पनपने लगते हैं। ऐसे में बच्चे के प्ले एरिया को डिसइंफेक्ट करना आपको एक टफ टास्क लग सकता होगा। हालांकि, अब आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। अगर आप चाहें तो बेहद ही आसान तरीके से बच्चे के प्ले एरिया को डिसइंफेक्ट कर सकती हैं। फिर चाहे वह बच्चे के खिलौने हों या फिर उनकी खेलने की छोटी सी मेज, इन सबको डिसइंफेक्ट करने का बेहद ही आसान तरीका है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको बता रहे हैं कि बच्चे के प्ले एरिया को किस तरह डिसइंफेक्ट किया जाए-

पहले करें डिक्लटर

जब बात बच्चों के प्ले एरिया को डिइंफेक्ट करने की होती है तो इसकी शुरुआत हमेशा डिक्लटर करने से करें। आप बच्चे के सभी खिलौनों, किताबों और इधर-उधर पड़ी चीज़ों को हटाना शुरू करें। इससे प्ले एरिया को क्लीन करना अधिक आसान हो जाता है और यह सुनिश्चित होता है कि कोई छिपा हुआ कोना सफाई से छूट नहीं गया है।

बच्चों के लिए सुरक्षित डिसइंफेक्टेंट का करें इस्तेमाल

जब बात बच्चों के प्ले एरिया को डिसइंफेक्ट करने की हो तो आपको प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल थोड़ा समझदारी से करना चाहिए। ध्यान दें कि डिसइंफेक्टेंट किड्स सेफ हो। अगर आप चाहें तो एक भाग सफेद सिरका और 1 भाग पानी से घोल भी बनाकर इस्तेमाल कर सकते हैं। अब आप डिसइंफेक्टेंट की मदद से बच्चे के खेलने की टेबल, कुर्सियां आदि को साफ करें। उन एरिया पर खासतौर से ध्यान दें जिन्हें अक्सर छुआ जाता है - जैसे कि खेलने की मेज या हैंडल के किनारे आदि।

खिलौनों को इस तरह करें साफ

बच्चे के खिलौनों को साफ करने के अलग-अलग तरीके अपनाएं। मसलन, प्लास्टिक और गैर-इलेक्ट्रॉनिक खिलौनों को आप गर्म साबुन के पानी की बाल्टी में डालकर धोएं और हवा में सुखाएं। वहीं, सॉफ्ट टॉयज को ज़्यादातर को वॉशिंग मशीन में डालकर क्लीन करें। अगर खिलौने इलेक्ट्रॉनिक हैं तो उसे नम कपड़े और डिसइंफेक्टेंट की मदद से पोंछें। ध्यान रहे कि आप उन्हें गीला न करें।

मैट और दीवारों की भी करें सफाई

यदि आपके बच्चे फोम या रबर प्ले मैट पर खेलते हैं, तो उन्हें भी डिसइंफेक्टेंट की मदद से क्लीन करें। खासतौर से, उन जगहों पर ज्यादा ध्यान दें, जहां पर गंदगी छिपी रहती है। इसी तरह, दीवारों, लाइट स्विच और आस-पास की खिड़कियों को डिसइंफेक्टेंट वाइप्स या माइक्रोफाइबर कपड़े से पोंछें।

वेंटिलेशन का भी रखें ध्यान

बच्चे के प्ले एरिया को डिसइंफेक्ट करने के लिए उसे सिर्फ साफ करना ही काफी नहीं है, बल्कि आपको वेंटिलेशन का भी उतना ही ख्याल रखना चाहिए। एक बार जब आप प्ले एरिया को क्लीन व डिसइंफेक्ट कर लेते हैं तो उसे थोड़ी देर के लिए हवादार होने दें। इससे क्लीनिंग सॉल्यूशन जल्दी सूख जाते हैं और यह सुनिश्चित होता है कि कोई गंध नहीं रह जाती है।

बच्चों को बाहर घूमने या खेलने के लिए भेजने से पहले सिखाएं ये जरूरी सेफ्टी टिप्स

इस बात में कोई संदेह नहीं कि बच्चों को बाहर खेलने के लिए भेजना उनके स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद है, लेकिन अगर आप भी अपने बच्चों को खेलने के लिए बाहर भेज रही हैं, तो कुछ छोटी-छोटी बातों का ध्यान रखना बहुत जरूरी है। इन बातों की अनदेखी करना बच्चे के स्वास्थ्य के लिए खतरनाक हो सकता है। इसके अतिरिक्त भी सुरक्षा की दृष्टि से कुछ बातों को ध्यान में रखना चाहिए।

बहुत दूर न हो खेलने की जगह

एक महत्वपूर्ण बात यह है कि बच्चों के खेलने की जगह घर से बहुत दूर नहीं होनी चाहिए। कोशिश करें कि बच्चे ऐसी जगह खेलें, जहां से आप उन पर नजर रख सकें। बच्चे किन अन्य बच्चों के साथ खेलने जा रहे हैं, इसका भी पता रखें। बेहतर होगा कि बारी-बारी से किसी एक बच्चे के घर से कोई बड़ा भी उनके आसपास रहे।

मौसम का रखें ध्यान

सुरक्षा की बात करें, तो सबसे पहले आता है मौसम का ध्यान रखना। बच्चों को यह समझाकर रखें कि किस तरह के मौसम में बाहर नहीं जाना है और अगर पहले से बाहर खेलने के लिए निकले हैं, तो उन्हें तुरंत घर लौट आना है। जैसे, उन्हें बताकर रखें कि अगर घटाएं घिरने लगें और बारिश के आसार हों, तो तुरंत घर आ जाएं। बारिश में भीगना नुकसान कर सकता है। साथ ही बारिश में फिसलन के कारण खेलने पर चोट भी लग सकती है।

कीट-पतंगों का ध्यान रखें

बच्चे अगर पार्क में खेलते हैं तो वहां घास और पेड़-पौधों के कारण कीट-पतंगों का खतरा रहता है। इसलिए बच्चों को बग स्प्रे लगाकर भेजें। शाम के समय मच्छरों का प्रकोप बहुत होता है। इसलिए उनसे बचाव बहुत ज्यादा जरूरी है। साथ ही बच्चों को समझा दें कि ऐसी जगह नहीं जाना है, जहां घास बड़ी हो। वहां खतरनाक कीटों का खतरा ज्यादा रहता है।

आसपास रखें नजर

बच्चों को समझाएं कि उन्हें अपने आसपास की गतिविधियों को लेकर सतर्क रहना चाहिए। अगर कुछ अप्रत्याशित या अजीब लगे, तो तुरंत घर लौट आएं और बड़ों को बताएं। इसके अलावा उन्हें हमेशा ध्यान दिलाएं कि किसी भी अजनबी से बात नहीं करनी है। अजनबी के हाथ से कुछ खाना नहीं है। अजनबी से घुलना-मिलना घातक हो सकता है। अक्सर आपराधिक मानसिकता के लोग इसका लाभ उठाते हैं।

बाहर कुछ न खाएं

बच्चों के स्वास्थ्य के लिए जरूरी है कि उन्हें यह समझाकर भेजें कि बाहर की चीजें नहीं खानी हैं। और सबसे खास बात, किसी भी पार्क आदि जैसी जगहों पर पेड़ों पर लगे अनजान किस्म के फलों को कतई न खाएं। साथ ही उन्हें इस बात की सख्त हिदायत दें कि उन्हें अपने साथ के बच्चों के संग ही रहना है। अकेले इधर-उधर न जाएं।

इंस्टाग्राम पर कहीं आपका बच्चा भी तो नहीं देख रहा उल्टे-सीधे कंटेंट? ऐसे छुड़ाएं आदत

सोशल मीडिया वैसे तो दुनिया में चल रही चीजों से अप टू डेटेड रहने के लिए बड़ा काम का प्लेटफॉर्म है, लेकिन इसका मतलब ये बिल्कुल नहीं है कि आप इंस्टाग्राम पर घंटों रील्स देख कर अपना समय बर्बाद करें। अक्सर ऐसा बच्चे और टीनएजर्स कर रहे हैं, जिस पर ध्यान देना बेहद जरूरी है।

कई बार ऐसा होता है कि रील्स स्क्रॉल करते हुए सामने कोई ऐसा कंटेंट आ जाते हैं, जो कि उन्हें नहीं देखना चाहिए। आज के समय में, टीनेज बच्चों को हैंडल करना माता-पिता के लिए काफी चैलेंजिंग हो गया है। खास कर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के मामले में बच्चे को बच्चे को समझाना और उन्हें इससे दूर रखना किसी चुनौती से कम नहीं होता है। क्योंकि इस उम्र में उनकी फ्रीडम और प्राइवेसी दोनों ही अहम हो जाती हैं। ऐसी स्थिति में उनकी आदतों में सुधार कैसे लाया जाए, आइए इस बारे में हम आपको बताते हैं।

बच्चों को ब्रेक लेने के लिए समझाएं

इंस्टाग्राम पर स्क्रॉल करते समय, बच्चे अक्सर अपना बहुत सारा समय बर्बाद कर देते हैं। इससे उन्हें दूर रखने के लिए आप बच्चे को ब्रेक लेने के लिए कह सकते हैं। समय के महत्व को बताएं और उन्हें मोबाइल से ब्रेक लेकर खेल-कूद पर थोड़ा ध्यान देने पर फोकस करवाएं। अगर आपका टीनएजर इंस्टाग्राम पर घंटों समय बर्बाद कर रहा है, तो यह फीचर उन्हें एक टाइम बाद ब्रेक लेने की याद दिलाएगा। अक्सर बच्चे पढ़ते-पढ़ते भी बीच में मोबाइल उठा लेते हैं, तो यह फीचर बच्चों को रीसेट और रीफोकस करने में मदद कर सकता है। इसमें यूजर को यह मैसेज मिलता है कि उन्होंने अपनी डेली लिमिट का स्क्रीन टाइम इस्तेमाल कर लिया है।

क्वाइट मोड

इंस्टाग्राम का क्वाइट मोड सीमाएं तय करने के मामले में एक बेहतरीन फीचर है। इससे आपके बच्चे की लगातार स्क्रीन देखने की आदत में सुधार आ सकती है। यह फीचर 12 घंटे तक के लिए नोटिफिकेशन म्यूट करने में मदद करता है, जिससे बच्चे इंस्टाग्राम स्क्रॉल करने की जगह पढ़ाई में अपना समय बिता सकते हैं। इसका ऑटो-रिप्लाई फीचर डीएम करने की कोशिश कर रहे लोगों को संदेश भेजता है कि पर्सन अभी क्वाइट मोड में है और उपलब्ध नहीं है।

नाइट नज

मोबाइल देखने की लत से रात की नींद की क्वालिटी को बहुत ज्यादा प्रभावित होती है। ऐसे में बच्चों को इंस्टाग्राम से दूर रखने के लिए इसका नाइट नज टूल भी है, जो आपकी इस परेशानी का हल आसानी से कर सकता है। इस फीचर के तहत यूजर को याद दिलाते हुए एक रिमाइंडर मैसेज भेजा जाता है कि रात हो रही है और सोने की तैयारी कर लेनी चाहिए। अगर आपका बच्चा रात 10.00 बजे से सुबह 7.00 बजे के बीच 10 मिनट से अधिक समय तक इंस्टाग्राम का उपयोग करता है, तो यह फीचर हर 10 मिनट में एक फ्रेंडली रिमाइंडर भेजता है।

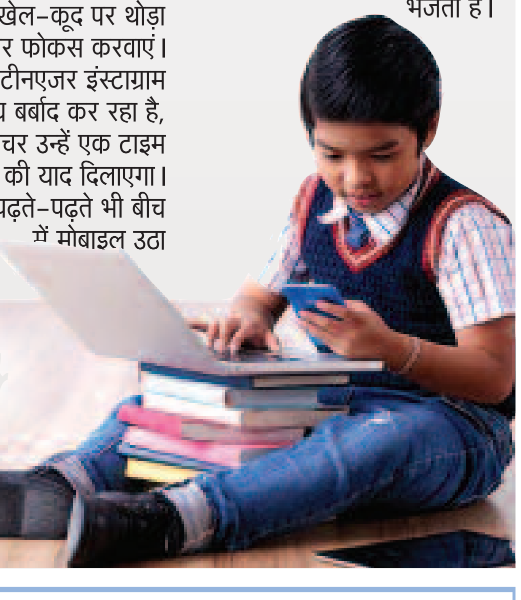

होम गार्डनिंग शुरू करने के 5 आसान टिप्स

अपने घर के अगल बगल हरियाली किसको पसंद नहीं होती है। हालांकि शहरों में हरियाली न होने के कारण ज्यादातर लोग खुद का गार्डन बनाना पसंद करते हैं। कई लोग अपने गार्डन में केवल फूल रखते हैं तो कई लोग अपने गार्डन में सब्जियों की खेती भी करते हैं। गार्डन छोटा हो या बड़ा आप चाहें तो आसानी से उसमें अपनी पसंदीदा चीज़ों को उगा सकती हैं।

उचित स्थान चुने

गार्डनिंग करने के लिए जरूरी है आपको सही जगह का चयन करना। अगर आपके पास गार्डन नहीं है तो आप अपनी बालकनी में भी गार्डनिंग कर सकते हैं। इसके लिए आपको मिट्टी के गमले ख़रीदने होंगे।

अच्छे बीज चुनें

गार्डनिंग आप कहीं भी क्यों न कर रहे हो आप को सही तरीके का बीज चाहिए होगा। बीज जितना अच्छा होगा उतनी जल्दी आपके पौधे में सब्जी और फूल प्राप्त होंगे। बीज खरीदते समय आपको खास ध्यान देना होगा।

कौन सा गमला होगा बेस्ट

अगर आप पौधों में सब्जियां फल उगाने की कोशिश कर रहे हैं तो आपको मिट्टी का गमला ही खरीदना चाहिए। मिट्टी के गमले में पौधे की ग्रोथ काफी ज्यादा अच्छी होती है। नहीं ऐसे में इन्हें एक जगह से दूसरी जगह ले जाना भी आसान होता है।

सही मिट्टी का चयन करें

पौधों की ग्रोथ के लिए मिट्टी का चयन करना काफी ज़्यादा ज़रूरी है। मिट्टी लेते समय ध्यान रखें कि मिट्टी ना तो ज्यादा हार्ड हो और ना ही ज्यादा चिपचिपा। पौधे लगाने के लिए मिट्टी निम्न प्रकार की होनी चाहिए। इससे पौधे अच्छे उठते हैं।

पौधे को समय पर पानी दें

पौधों की सही तरीके से ग्रोथ चाहते हैं तो आपको होम गार्डनिंग के दौरान भी पौधों को समय समय पर पानी देते रहना चाहिए। इससे आपके पौधे की ग्रोथ काफी ज्यादा अच्छी होती है। अगर आप इन बातों को फ़ॉलो करते हैं तो आपका हूँ गार्डनिंग करने का सपना पूरा हो सकता है।

संक्षिप्त समाचार

3100 प्रतिशत से अधिक का छप्परफाड़ रिटर्न देने वाला टाटा का टीटीएमएल शेयर

नईदिल्ली, एजेंसी। रतन टाटा ने जिस कंपनी की नींव रखी थी, आज उसके शेयर अरसे बाद उड़ान पर हैं। हम बात कर रहे हैं टाटा ग्रुप की सब्सिडियरी कंपनी टीटीएमएल की। आज इसके शेयर 12 पर्सेंट से अधिक उछलकर दिन के हाई 80.13 रुपये पर पहुंच गए। टीटीएमएल पिछले पांच साल में 2.45 रुपये से इस लेवल तक पहुंचा है। इस अवधि में इसने 3100 प्रतिशत से अधिक का छप्परफाड़ रिटर्न दिया है। यह वही स्टॉक है जो 11 जनवरी 2022 को यह

अपने ऑल टाइम हाई 291 रुपये पर पहुंच गया था। इसके बाद इसमें गिरावट का दौर शुरू हो गया। पिछले एक साल में रतन टाटा द्वारा स्थापित इस कंपनी के शेयर ने 9 फीसद से अधिक का निगेटिव रिटर्न दिया है। आज की उछाल के साथ पिछले 5 दिन में इसने करीब 17 पर्सेंट का शानदार रिटर्न दिया है। इसका 52 हफ्ते का हाई 111.40 रुपये और लो 65.05 रुपये है। आज सुबह 9 :40 बजे यह 11 पर्सेंट ऊपर 98.84 रुपये पर ट्रेड कर रहा था। जीआरएमबुल्स डॉट कॉम के मुताबिक टीटीएमएल शेयर शर्गेट प्राइस 2025 में 96 और 111.40 के बीच है। लॉन्ग टर्म के लिए टीटीएमएल का टार्गेट प्राइस 2030 तक 145 से 180 तक है। यह आशावादी दृष्टिकोण टीटीएमएल के परिचालन सुधारों, रणनीतिक बाजार स्थिति और तेजी से बाजार की भावना से प्रेरित है। नकारात्मक जोखिम सीमित है, विश्लेषकों को उम्मीद है कि कंपनी के मजबूत बुनियादी सिद्धांतों को देखते हुए कीमत 89 से ऊपर रहेगी।

एयरटेल और बजाज फाइनेंस ने भारत का सबसे बड़ा डिजिटल प्लेटफॉर्म बनाने के लिए मिलाया हाथ

नईदिल्ली, एजेंसी। भारती एयरटेल और नॉन-बैंकिंग वित्तीय कंपनी बजाज फाइनेंस ने आज वित्तीय सेवाओं के लिए भारत के सबसे बड़े डिजिटल प्लेटफॉर्म में से एक बनाने और अंतिम माइल डिलीवरी को बदलने के लिए एक स्ट्रैटजिक पार्टनरशिप का ऐलान किया है। इस अनूठी साझेदारी में एयरटेल के 37 करोड़ से अधिक ग्राहक, 12 लाख से अधिक मजबूत डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क शामिल हैं। इनके अलावा इसमें बजाज फाइनेंस के 27 प्रोडक्ट लाइनों के

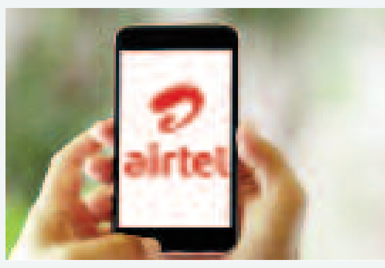

विविध समूह और 5,000 से अधिक शाखाओं और 70,000 फील्ड एजेंटों का वितरण भी शामिल है। एयरटेल शुरुआत में अपने एयरटेल थैंक्स ऐप पर बजाज फाइनेंस के रिटेल फाइनेंशियल प्रोडक्ट्स की पेशकश करेगा और बाद में अपने स्टोर के राष्ट्रव्यापी नेटवर्क के माध्यम से। कंपनियों की डिजिटल संपत्तियों की संयुक्त ताकत एयरटेल और बजाज फाइनेंस को वित्तीय उत्पादों और सेवाओं की पहुंच को काफी गहरा करने में सक्षम बनाएगी। भारती एयरटेल के वाइस प्रेसीडेंड और एमडी गोपाल विट्ठल ने कहा, एयरटेल और बजाज फाइनेंस, इस देश के दो विश्वसनीय नाम हैं, जिनका उद्देश्य लाखों भारतीयों को वित्तीय जरूरतों के विविध पोर्टफोलियो के साथ सशक्त बनाना है।

10 हजार रुपये तक का पर्सनल लोन पड़ रहा भारी, नहीं चुकाने वालों की संख्या बढ़ी

नईदिल्ली, एजेंसी। लोन लेकर उसे नहीं चुकाने वालों की संख्या में तेजी आ रही है। सबसे ज्यादा वृद्धि ऐसे लोगों की हो रही है जिन्होंने 10 हजार रुपये से कम का पर्सनल लोन लिया है। सितंबर 25 की तिमाही के आंकड़ों के मुताबिक दिसंबर 2023 से जून 2024 के बीच लोन नहीं चुकाने वाले ऐसे अधारकर्ताओं की संख्या में ज्यादा तेजी देखी गई है। सीआरआईएफ हाई मार्क और डिजिटल लेंडर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया द्वारा फिनटेक बैरोमीटर ने बताया कि दिसंबर 2023 और जून 2024 के बीच पर्सनल लोन नहीं चुकाने वालों में 44 फीसदी की तेजी आई है।

एनबीएफसी सबसे आगे

छोटे लोन देने में एनबीएफसी सबसे आगे हैं। इन्होंने ऐसे शहरों के लोगों को भी आसानी से लोन दिया, जिन्हें बैंक से लोन मिलने में काफी परेशानी होती थी। एनबीएफसी ने मूल्य (वैल्यू) और मात्रा (वॉल्यूम) दोनों के हिसाब से पर्सनल

लोन में अपनी बाजार हिस्सेदारी बढ़ाई है। छोटे-टिकट वाले लोन में वृद्धि का सबसे बड़ा कारण घर बैठे मोबाइल ऐप के जरिए लोन लेना रहा है। इससे लोन लेने की प्रक्रिया काफी आसान हुई है।

कितनी बढ़ी लोन की हिस्सेदारी

टाइम्स ऑफ इंडिया के मुताबिक अनसिक्योर्ड बिजनेस लोन और लोन अगेंस्ट प्रॉपर्टी सेगमेंट में 10 लाख रुपये से कम के लोन की मांग स्थिर रही। टॉप 100 से बाहर के शहरों ने लोन में 42 प्रतिशत वैल्यू और 44 प्रतिशत वॉल्यूम का योगदान दिया। इसमें छोटे शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों की बड़ी हिस्सेदारी रही।

बिना क्रडिट स्कोर वालों की संख्या बढ़ी

उच्च-जोखिम (हाई रिस्क) और बहुत उच्च-जोखिम वाले लोन पोर्टफोलियो में गिरावट आई है। वहीं लोन लेने वाले ऐसे लोगों की संख्या में तेजी आई है जिन्होंने कम मूल्य का लोन लिया और उनका क्रेडिट स्कोर काफी कम था।

क्यों नहीं चुका पा रहे लोन

सीआरआईएफ हाई मार्क के पूर्णकालिक निदेशक सुभ्रांग्शु चट्टोपाध्याय ने कहा, प्रतिकूल व्यापक आर्थिक रुझानों ने नए लोन में धीमी वृद्धि हुई है। इस कारण मार्च 2024 के बाद लोन नहीं चुकाने वालों की संख्या में तेजी आई है। उन्होंने 30 दिसंबर, 2024 को जारी आरबीआई की वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट का हवाला दिया, जिसमें घरेलू कर्ज में तेजी दिखाई गई।

सुरक्षित विरासत के लिए एचयूएफ बनाएं, टैक्स बचाएं

जानें कब और कैसे मिलेगी छूट

नईदिल्ली, एजेंसी। सरकारी नौकरी से रिटायर कानपुर के अमित मिश्रा को पेंशन मिलती है। दो शादीशुदा बेटे हैं। दोनों नौकरीपेशा हैं। परिवार को पुश्तैनी संपत्ति और व्यवसाय से भी अच्छी खासी कमाई हो रही है। सभी सदस्य अलग-अलग आयकर रिटर्न (आईटीआर) भरते हैं। अमित को चार्टर्ड अकाउंट (सीए) ने सलाह दी कि आप हिन्दू

अविभाजित परिवार यानी एचयूएफ का गठन कर लें तो पूरा परिवार काफी टैक्स बचा सकता है। इसके अलावा, कई और फायदे भी होंगे।

हिन्दू सक्सेशन एक्ट-1956 के तहत एचयूएफ को एक कानूनी इकाई माना गया है। आयकर कानून-1961 में एचयूएफ को परिवार के भीतर एक अलग इकाई मानी गई है। जिस प्रकार परिवार के किसी सदस्य को आयकर की विभिन्न धाराओं में छूट और कटौती का लाभ मिलता है, उसी तरह का फायदा एचयूएफ को भी मिलता है।

ऐसे बनता है एचयूएफ

आयकर कानून में एचयूएफ की एक व्यापक परिभाषा तय की गई है। इसके तहत, जो लोग भारत में रह रहे हैं और ईसाई, पारसी, मुस्लिम एवं यहूदी नहीं हैं तो वे अपना एचयूएफ बना सकते हैं। इसका मतलब यह हुआ कि सिख और जैन भी एचयूएफ बना सकते हैं। हिन्दू परिवार में शादी के बाद एचयूएफ स्वत: ही बन जाता है, लेकिन इसका फायदा उठाने के लिए आपको एचयूएफ रजिस्टर्ड करना होगा। इसके लिए एक घोषणा पत्र देना होगा। इसके जरिये आयकर विभाग से पैन कार्ड बनवाना होगा। पैन कार्ड बनते ही आपका एचयूएफ गठित हो जाएगा। एचयूएफ के पैन के जरिये आप बैंक में खाता खुलवा सकते हैं। एचयूएफ की आय को कहीं भी निवेश और खर्च कर सकते हैं।

कब और कैसे मिलेगी छूट

एचयूएफ को छूट सिर्फ उसकी कमाई पर ही मिलेगी। अगर कोई सदस्य चाहे कि वह एचयूएफ में अपनी इनकम डालकर कर छूट प्राप्त कर ले, ऐसा नहीं होगा। एचयूएफ के जरिये टैक्स में कैसे बचत कर सकते हैं, इसे अमित के उदाहरण से समझते हैं।

ऐसे करता है काम- एचयूएफ में परिवार का सबसे बड़ा व्यक्ति कर्ता यानी प्रबंधक होता है। नियमों के तहत, परिवार की महिला अपने नाम पर एचयूएफ नहीं बना सकती है। वह सिर्फ अपने पिता के एचयूएफ की कर्ता बन सकती है। अगर अमित एचयूएफ बनाते हैं तो वह परिवार में वरिष्ठ होने के नाते इसके मुखिया होंगे। परिवार के जिन सदस्यों का खून का रिश्ता है, वे एचयूएफ के को-पार्सनर यानी संयुक्त उत्तराधिकारी होंगे। शादी के बाद शामिल हुए लोग सदस्य कहलाते हैं। इस तरह, अमित की दोनों बहुएं एचयूएफ की सदस्य होंगी। परिवार में जब कोई बच्चा पैदा होता है, तो वह एचयूएफ का सदस्य बन जाता है।

सोना खरीदने का है प्लान तो 1 फरवरी से पहले करें खरीदारी

नईदिल्ली, एजेंसी। पिछले दो हफ्तों से सोने की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी देखी जा रही है। शुक्रवार को दिल्ली में सोने का भाव 700 रुपए बढ़कर 82 हजार रुपए प्रति 10 ग्राम तक पहुंच गया। विशेषज्ञों का मानना है कि सोने की कीमतों में यह तेजी जारी रह सकती है। इसके अलावा 1 फरवरी को पेश होने वाले केंद्रीय बजट के बाद सोने की

कीमतों में और इजाफा हो सकता है। एक रिपोर्ट के अनुसार, अटकलें लगाई जा रही हैं कि सरकार 1 फरवरी को पेश होने वाले बजट में सोने पर कस्टम ड्यूटी बढ़ा सकती है। यदि ऐसा होता है, तो सोने का आयात महंगा हो जाएगा और सोने की कीमतें और बढ़ सकती हैं। गौरतलब है कि पिछले साल कस्टम ड्यूटी को 15 फीसदी से घटाकर 6 फीसदी कर दिया गया था, जिसके बाद सोने की कीमतों में काफी गिरावट आई थी।

खपत बढ़ने की बढ़ी चिंता

पिछले बजट में सरकार ने लगातार मुद्रास्फीति के बीच कीमतों को स्थिर करने और पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए सोने पर कस्टम ड्यूटी कम की दी थी। हालांकि इससे खपत बढ़ने की चिंता बढ़ गई है, जिससे व्यापार घाटा बढ़ सकता है।

ऐसे में जानकार मान रहे हैं कि सरकार इस घाटे को रोकने के लिए बजट में सोने पर कस्टम ड्यूटी बढ़ाने का ऐलान कर सकती है।

क्या सोना खरीदने का सही समय - अगर सरकार सोने पर कस्टम ड्यूटी बढ़ाती है तो सोना और महंगा हो जाएगा। ऐसे में जानकारों का मानना है कि एक फरवरी से पहले सोने की खरीदारी करना सही समय है।

2024 में अरबपतियों की संपत्ति तीन गुना तेजी से बढ़कर 2 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर हुई, रिपोर्ट में दावा

नईदिल्ली, एजेंसी। दुनिया भर में अरबपतियों की संपत्ति 2024 में 2 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर बढ़कर 15 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर हो जाएगी, जो पिछले साल की तुलना में तीन गुना अधिक है। ऑक्सफैम की ओर से सोमवार को जारी एक अध्ययन में यह बात कही गई है।

विश्व आर्थिक मंच की वार्षिक बैठक के पहले दिन हर साल जारी की जाने वाली अपनी प्रमुख असमानता रिपोर्ट में, ऑक्सफैम इंटरनेशनल ने अरबपतियों की संपत्ति में भारी उछाल और गरीबी में रहने वाले लोगों की संख्या में 1990 के बाद से कोई खास बदलाव नहीं आने की तुलना की है। ऑक्सफैम ने कहा कि 2024 में एशिया में अरबपतियों की संपत्ति में 299 अरब अमेरिकी डॉलर की वृद्धि होगी। साथ ही उसने भविष्यवाणी की है कि एक दशक के भीतर कम से कम पांच खरबपति होंगे। वर्ष 2024 में 204 नए अरबपति बने- औसतन हर सप्ताह लगभग चार। रिपोर्ट के अनुसार इस वर्ष एशिया में अकेले 41 नए अरबपति बने।

टेकर्स, नॉट मेकर्स शीर्षक वाली अपनी रिपोर्ट में

ऑक्सफैम ने कहा कि ग्लोबल नॉर्थ के सबसे अमीर 1 प्रतिशत लोग 2023 में वित्तीय प्रणालियों के माध्यम से ग्लोबल साउथ से प्रति घंटे 30 मिलियन अमेरिकी डॉलर की कमाई की। इसमें आगे कहा गया है कि अरबपतियों की 60 प्रतिशत संपत्ति अब विरासत, एकाधिकार शक्ति या क्रोनी संबंधों से प्राप्त होती है, जो दर्शाता है कि अरबपतियों की अत्यधिक संपत्ति काफी हद तक वैध नहीं है।

ऑक्सफैम ने दुनिया भर की सरकारों से असमानता को कम करने, अत्यधिक धन-संपदा को समाप्त करने तथा नए अभिजाततंत्र को समाप्त करने के लिए सबसे अमीर लोगों पर कर लगाने का आग्रह किया। इसमें यह भी मांग की गई कि पूर्व औपनिवेशिक शक्तियों को अतीत में हुई गलतियों के लिए क्षतिपूर्ति देनी चाहिए। 2024 में अरबपतियों की संपत्ति औसतन 5.7 बिलियन अमरीकी डॉलर प्रतिदिन की दर से बढ़ी, जबकि अरबपतियों की संख्या 2023 में 2,565 से बढ़कर 2,769 हो गई

ऑक्सफैम ने कहा कि दुनिया के दस सबसे अमीर लोगों की संपत्ति औसतन प्रतिदिन लगभग 100 मिलियन अमेरिकी डॉलर बढ़ी है भले ही वे रातोंरात अपनी संपत्ति का 99 प्रतिशत खो दें, फिर भी वे अरबपति बने रहेंगे।

ऑक्सफैम, जिसकी वार्षिक असमानता रिपोर्ट पर विश्व आर्थिक मंच की वार्षिक बैठक में व्यापक रूप से बहस होती है, ने कहा कि लोकप्रिय धारणा के विपरीत, अरबपतियों की संपत्ति काफी हद तक बिना कमाई के हासिल हुई है- अरबपतियों की 60 प्रतिशत संपत्ति विरासत, एकाधिकार शक्ति या क्रोनी संबंधों से आती है।

घर वालों को बिना बताए छोड़ दी नौकरी, शुरू किया अपना काम, अब 1,000 करोड़ का साम्राज्य

नईदिल्ली, एजेंसी। उत्तर प्रदेश में आजमगढ़ के ऋषि दास ने दो कामयाब कंपनियां करियरनेट और इंडीक्यूब बनाई हैं। उन्होंने परिवार को बिना बताए नौकरी छोड़कर खुद का रास्ता बनाने का फैसला किया। पिता ने उनका परा साथ दिया। उनकी मदद से ऋषि ने अपने सपने को हकीकत में बदला। आईआईटी से पढ़ाई पूरी करने के बाद ऋषि ने नौकरी तो की, लेकिन मन में हमेशा अपना बिजनेस शुरू करने का ख्याल रहता था। आखिरकार उन्होंने नौकरी छोड़कर करियरनेट की शरुआत की। यह भारत की बडी रिक्रूटमेंट कंपनियों में से एक बन गई। करियरनेट के बढ़ते ऑफिस स्पेस की जरूरत को देखते हुए ऋषि ने इंडीक्यूब की नींव रखी जो फ्लेक्सिबल वर्कस्पेस मुहैया कराती है। उनका कारोबारी साम्राज य करीब 1,000 करोड़ रुपये का है। आइए, यहां ऋषि दास की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं। करियरनेट के संस्थापक हैं। वह हमेशा से कुछ अलग करना चाहते थे। उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ में पले-बढ़े ऋषि के पिता ने उन्हें हमेशा आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। उनके पिता के साहस और दृढ़ता ने ऋषि के अंदर उद्यमशीलता की भावना जगाई। ऋषि की कहानी जोखिम उठाने, धीरज रखने और परिवार के समर्थन की अहमियत बताती है। बिना किसी योजना के नौकरी छोड़ने से लेकर दो सफल व्यवसाय बनाने तक ऋषि ने अपने सपनों को साकार किया। आईआईटी में दाखिला मिलने के बाद ऋषि ने खुद को समान रूप से महत्वाकांक्षी साथियों से घिरा पाया। इंजीनियरिंग के दूसरे साल में ऋषि ने अपने चाचा को फ्लोरिकल्चर का व्यवसाय स्थापित करने में मदद की। शोध करने से लेकर व्यवसाय बनाने तक ऋषि को कुछ नया बनाने का जुनून मिला। इस अनुभव ने उन्हें एहसास दिलाया कि वह 9 से 5 वाली नौकरी के लिए नहीं बने हैं।

एक और सफल व्यवसाय तैयार किया

जैसे-जैसे करियरनेट का विस्तार हुआ वैसे-वैसे उसके कार्यालय की जगह की आवश्यकताएं भी बढ़ती गईं। हर दो साल में कंपनी को बढ़ने के साथ एडजस्ट करने के लिए ट्रांसफर होना पड़ता था। इस मशक्कत से निराश ऋषि ने इसमें एक अवसर देखा। उन्होंने सोचा कि ऐसा वर्कस्पेस समाधान क्यों न बनाया जाए जो व्यवसायों के साथ बढ़ सके 2013 में ऋषि ने मेघना अग्रवाल के साथ मिलकर इंडीक्यूब लॉन्च किया, जो एक टेक-इनेबल्ड फ्लेक्स स्पेस प्रोवाइडर है। यह उद्यमों, स्टार्टअप्स और सोलोप्रेन्योर्स की जरूरतों को पूरा करता है। इंडीक्यूब ने न केवल कार्यालय स्थान, बल्कि पूरा ईकोसिस्टम प्रदान किया। इसमें हाई-स्पीड वाई-फाई, मीटिंग रूम, कैफे और पार्किंग सुविधाएं शामिल हैं। यह कॉन्सेप्ट भारत के बदलते व्यावसायिक परिदृश्य के साथ मेल खाता था। इससे इंडीक्यूब तेजी से फ्लेक्सिबल वर्कस्पेस उद्योग में अग्रणी खिलाड़ी के रूप में उभरी। इंडीक्यूब की ग्रोथ शानदार रही है। वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी ने 867.6 करोड़ रुपये की कुल आय दर्ज की।

परिवार को बिना बताए छोड़ी नौकरी

ग्रेजुएशन के बाद अपनी पहली नौकरी पाने के बावजूद ऋषि खुद को एक उद्यमी बनने का सपना देखते हुए पाते थे। कॉर्पोरेट नौकरी की कठोरता उनकी महत्वाकांक्षाओं से मेल नहीं खाती थी। अपने सपने को पूरा करने के लिए ऋषि ने एक बड़ा कदम उठाया। उन्होंने अपने परिवार को बिना बताए नौकरी छोड़ दी। शुरुआत में उनके परिवार ने सोचा कि वह छोटी छुट्टी पर घर आए हैं। लेकिन, जैसे-जैसे हफ्ते महीने में बदलते गए उनके पिता ने उनसे उनकी योजनाओं के बारे में पूछा। जब ऋषि ने अपना व्यवसाय शुरू करने का इरादा बताया तो उनके पिता नाराज नहीं हुए। अलबत्ता, उन्होंने ऋषि को चीजों को समझने का समय दिया। अपने प्रोविडेंट फंड की बचत से आर्थिक मदद भी की।

आसान नहीं थी शुरुआत

शुरुआत आसान नहीं थी। जब ऋषि दास के दोस्त अच्छी तनख्वाह वाली नौकरियां कर रहे थे तब वह बिना किसी गारंटी के व्यवसाय बनाने की अनिश्चितता का सामना कर रहे थे। उन्होंने कोशिश की, असफल हुए और फिर से कोशिश की। अपनी मेहनत सपने को हकीकत में बदलने में लगा दी। 1999 में सिर्फ 24 साल की उम्र में ऋषि ने अपने भाई के साथ करियरनेट की सह-स्थापना की। कंपनी भारत की सबसे बड़ी रिक्रूटमेंट फर्मों में से एक बन गई, जो विभिन्न उद्योगों में टैलेंट सॉल्यूशन प्रदान करती है। लेकिन, उनकी यात्रा यहीं नहीं रुकी।

ट्रेविस हेड बनेंगे ऑस्ट्रेलिया के कप्तान!

श्रीलंका दौरे से पहले मुश्किल में टीम

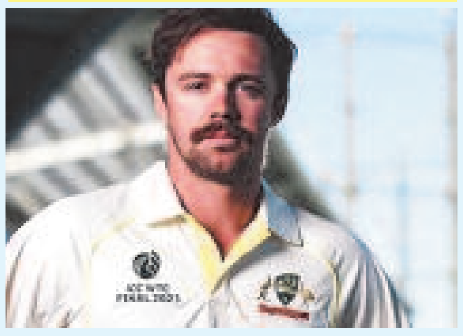

नईदिल्ली, एजेंसी। आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2025 के फाइनल से पहले ऑस्ट्रेलिया टीम श्रीलंका का दौरा करेगी. इस दौरे पर दोनों टीमों के बीच दो टेस्ट मैचों की सीरीज खेली जाएगी. इसके लिए ऑस्ट्रेलिया ने 15 सदस्यीय टीम का ऐलान किया था, जिसमें पैट कमिंस इस सीरीज से बाहर हैं, क्योंकि वह टखने की तकलीफ से उबर रहे हैं और अपने दूसरे बच्चे के जन्म के कारण परिवार के साथ हैं. ऐसे में क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने स्टीव स्मिथ को कप्तान और ट्रेविस हेड को उपकप्तान बनाया. लेकिन, श्रीलंका दौरे से पहले ऑस्ट्रेलियाई टीम में खलबली मच गई है.ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम को श्रीलंका दौरे से पहले बड़ा झटका लगा. टीम के अनुभवी बल्लेबाज और कप्तान स्टीव स्मिथ की कोहनी की चोट के कारण उनके इस सीरीज में खेलने पर सवाल उठने लगे. स्मिथ को यह चोट बिग बैश लीग के ट्रेनिंग सेशन के दौरान लगी थी, जिसके कारण उनकी फिटनेस को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है.ऑस्ट्रेलिया के उपकप्तान ट्रेविस हेड को श्रीलंका दौरे पर कप्तानी की जिम्मेदारी मिल सकती है. उन्हें पिछले साल ऑस्ट्रेलियाई टेस्ट टीम का उपकप्तान नियुक्त किया गया था और वे लगातार टीम का हिस्सा रहे हैं. हेड ने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दौरान पैट कमिंस के डिप्टी के तौर पर भी अपनी भूमिका निभाई थी.हालांकि ऑस्ट्रेलियाई बोर्ड ने साफ किया है कि स्टीव स्मिथ इस सप्ताह के अंत तक दुबई में टीम से जुड़ जाएंगे. उनकी चोट के बारे में एक्सपर्ट्स से सलाह ली जा रही है और जल्द ही उनके टीम में शामिल होने पर अंतिम फैसला लिया जाएगा.ऑस्ट्रेलिया और श्रीलंका के बीच पहला टेस्ट मैच 29 जनवरी से 2 फरवरी तक खेला जाएगा. इसके बाद दोनों के बीच दूसरा टेस्ट मैच 6 फरवरी से 10 फरवरी तक खेला जाना है. ये दोनों टेस्ट मैच गॉल इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले जाने हैं.

एक समाज के तौर पर बड़ी हार...

सर्बिया में प्रदर्शन कर रहे युवाओं के समर्थन में आए जोकोविच

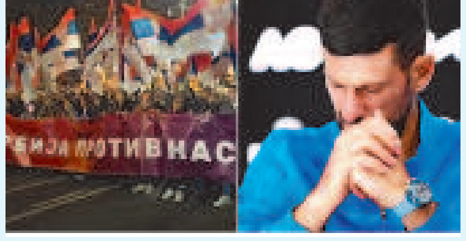

मेलबर्न, एजेंसी। टेनिस सुपरस्टार नोवाक जोकोविच ने रविवार को सर्बिया में सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हजारों लोगों को अपना समर्थन भेजा और अपने हमवतन लोगों के खिलाफ हिंसा की निंदा की। मेलबर्न में ऑस्ट्रेलियन ओपन में हिस्सा ले रहे जोकोविच ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि वह यह दिखावा नहीं कर सकते कि कुछ नहीं हो रहा है। जोकोविच ने क्वार्टर फाइनल के लिए क्वालिफाई करने के बाद कहा,मेरा समर्थन युवाओं, छात्रों और उन सभी को जाता है जो हमारे देश के भविष्य के मालिक हैं। सर्बिया के उत्तरी शहर नोवी साद में पिछले साल एक नवंबर को एक ट्रेन स्टेशन की छत गिरने के बाद छात्रों के नेतृत्व में विरोध प्रदर्शनों की लहर चल रही है। उस हादसे मं 15 लोग मारे गए थे।इस मामले में पूर्व परिवहन मंत्री समेत 13 लोगों को आरोपी बनाया गया है। इस मामले पर 37 वर्षीय जोकोविच ने कहा, मैं यह दिखावा नहीं कर सकता कि सर्बिया में कुछ नहीं हो रहा है और निश्चित रूप से ये चीजें मुझे प्रभावित करती हैं। जोकोविच सर्बिया में कई लोगों के लिए एक राष्ट्रीय आदर्श हैं। वह 24 ग्रैंडस्लैम खिताब जीत चुके हैं और साथ ही 2024 ओलंपिक में स्वर्ण पदक भी अपने नाम किया था।जोकोविच ने विशेष रूप से एक घटना का उल्लेख किया जिसमें बेलग्रेड में एक चौराहे पर नाकाबंदी के दौरान गुरुवार को एक छात्र को एक कार ने टक्कर मार दी थी। उन्होंने कहा, दुर्भाग्य से, यह छात्रों और युवाओं के खिलाफ हिंसा की एकमात्र स्थिति नहीं है। यह एक समाज के रूप में हमारे लिए, सामान्य रूप से सर्बियाई समाज के लिए एक बड़ी हार है।

क्रिकेटर शाकिब अल हसन के खिलाफ अरेस्ट वारंट जारी, चेक बाउंस से जुड़ा है मामला

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश क्रिकेट टीम के दिग्गज ऑलराउंडर शाकिब अल हसन की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं. अब शाकिब के खिलाफ ढाका की एक अदालत ने गिरफ्तारी वारंट जारी किया है. शेख हसीना सरकार के तख्तापलट के बाद से ही अवामी लीग के पूर्व सांसद शाकिब विदेश में रह रहे हैं. गिरफ्तारी वारंट में शाकिब के अलावा तीन अन्य लोगों के नाम शामिल हैं. ढाका के अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट जियादुर रहमान ने रविवार (19 जनवरी) को यह आदेश जारी किया.

शाकिब से जुड़ा ये नया मामला क्या है?

बता दें कि 15 दिसंबर को शाकिब अल हसन का नाम चेक बाउंस केस में आया था. इसके बाद 18 दिसंबर को कोर्ट ने शुरुआती सुनवाई के बाद उन्हें 19 जनवरी को पेश होने का आदेश दिया था. आईएफआईसी बैंक के रिलेशनशिप ऑफिसर शाहिबुर रहमान ने बैंक की तरफ से मामला दर्ज कराया था, जिसमें शाकिब और बाकी तीन लोगों पर दो अलग-अलग चेकों के माध्यम से 41.4 मिलियन बांग्लादेशी टका (2.95 करोड़ रुपये) ट्रांसफर करने में विफल रहने का आरोप लगाया गया. आरोपियों में शाकिब अल हसन के अलावा उनकी कंपनी अल हसन एग्रो फार्म लिमिटेड के प्रबंध निदेशक गाजी शाहगीर हुसैन, निदेशक इमदादुल हक और मलाइकर बेगम शामिल हैं. शाकिब की कंपनी ने कई बार आईएफआईसी बैंक की बनानी शाखा से धन उधार लिया था. बयान के अनुसार संबंधित चेक ऋण का कुछ हिस्सा चुकाने के लिए जारी किए गए थे, लेकिन अपर्याप्त राशि होने के कारण चेक बाउंस हो गए.

शाकिब अल हसन पर एक छात्र की हत्या में शामिल होने का आरोप है, लेकिन घटना के समय बांग्लादेश का यह अनुभवी खिलाड़ी कनाडा में एक टी20 लीग में हिस्सा ले रहा था. शाकिब के अलावा उस मामले के अन्य आरोपियों में पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना, ओबैदुल कादर और 154 अन्य लोग भी शामिल हैं. करीब 400-500 अज्ञात लोग भी आरोपी बनाए गए. कथित तौर पर पिछले साल 5 अगस्त को रुबेल ने एडबोर में रिंग रोड पर एक विरोध मार्च में हिस्सा लिया था. रैली के दौरान किसी ने कथित तौर पर एक सुनियोजित आपराधिक साजिश के तहत भीड़ पर गोलियां चला दीं. इसी दौरान रुबेल की मौत हो गई.

बीसीबी (बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड) शाकिब अल हसन को यह साफ तौर पर कह चुका है कि बोर्ड उन्हें किसी तरह की सुरक्षा की गारंटी नहीं दे सकता. ऐसे में शाकिब काफी महीनों से बांग्लादेश नहीं लौट पाए हैं. शाकिब पिछले साल साउथ अफ्रीका के खिलाफ अपने घरेलू मैदान पर फेयरवेल टेस्ट मैच खेलना चाहते थे, लेकिन सुरक्षा चिंताओं और अरेस्ट होने की आशंका के चलते वो बांग्लादेश नहीं लौटे. ऐसी संभावना नहीं है कि शाकिब जल्द बांग्लादेश लौटेंगे क्योंकि उनका परिवार फिलहाल संयुक्त राज्य अमेरिका में बस गया है.

37 साल के शाकिब अल हसन ने बांग्लादेश के लिए 71 टेस्ट खेले और 37.78 की औसत से 4609 रन बनाए. वहीं बॉलिंग में 246 विकेट निकाले. शाकिब ने 247 ओडीआई और 129 टी20 इंटरनेशनल मुकाबले भी खेले हैं. वनडे में शाकिब के नाम पर 7570 रन और 317 विकेट दर्ज हैं. शाकिब ने 129 टी20 इंटरनेशनल में 2551 रन बनाए और उन्होंने 149 विकेट भी चटकाए. शाकिब को इंडियन प्रीमियर लीग का भी अनुभव है. उन्होंने में 71 मुकाबले खेले, जिसमें 793 रन बनाए और 63 विकेट भी लिए.

चैंपियंस ट्रॉफी 2025

गिल को उप-कप्तान बनाए जाने का हरभजन सिंह ने किया विरोध

नईदिल्ली, एजेंसी। इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज और चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए भारतीय टीम का ऐलान कर दिया गया है और इन दोनों अहम टूर्नामेंट के लिए भारतीय वनडे टीम का उप-कप्तान शुभमन गिल को बनाया गया है। कुछ रिपोर्ट्स के मुताबित टीम के हेड कोच गौतम गंभीर चाहते थे कि भारतीय टीम का उप-कप्तान हार्दिक पांड्या को बनाय जाए, लेकिन अजीत अगरकर और रोहित शर्मा की पसंद गिल थे और इसकी वजह से ही उन्हें ये जिम्मेदारी दी गई।

अब गिल के वनडे का उप-कप्तान बनने के बाद टीम इंडिया के पूर्व स्पिनर हरभजन सिंह ने भी इस पर अपनी प्रतिक्रिया दी और कहा कि ऐसा अभी किए जाने की जरूरत नहीं थी। उन्होंने कहा कि चयनकर्ता और टीम प्रबंधन शुभमन गिल को नया उप-कप्तान घोषित करने के पहले चैंपियंस ट्रॉफी तक का इंतजार कर सकते थे। वहीं उनका मानना है कि इस अहम टूर्नामेंट में भारतीय पारी की शुरुआत रोहित शर्मा और यशस्वी जायसवाल करें, लेकिन उन्होंने इस संभावना को खारिज कर दिया कि गिल के उप-कप्तान बनने के बाद अब यशस्वी को शीर्ष क्रम में खेलने का मौका मिले।

हरभजन सिंह ने अपने यूट्यूब चैनल पर बात करते हुए कहा कि भारत रोहित-यशस्वी के साथ बतौर ओपनर जा सकता है क्योंकि टीम को ऐसे खिलाड़ी को मैदान पर उतारने की जरूरत है जो फॉर्म में है साथ ही टॉप ऑर्डर में दाएं-बाएं का संयोजन भी इससे आता है और इससे विरोधी गेंदबाजों को परेशानी होगी। हम सभी ने कहा कि जायसवाल को टीम में होना चाहिए। जिस तरह से उन्होंने ऑस्ट्रेलिया में खेला उससे पता चलता है कि वह तैयार हैं। उन्हें न केवल टीम में होना चाहि, बल्कि उन्हें अंतिम एकादश में भी खेलना चाहिए, लेकिन अब मुझे लगता है कि उनका अंतिम एकादश में खेलना मुश्किल होगा।

भज्जी ने आगे कहा कि शुभमन गिल उप-कप्तान हैं और वह पारी की शुरुआत करेंगे। आप यह नहीं कह सकते कि यशस्वी जायसवाल ओपनिंग करेंगे, शुभमन गिल नंबर 3 पर खेलेंगे और विराट कोहली नंबर 4 पर। अगर ऐसा होता है, तो श्रेयस अय्यर कहां खेलेंगे। यहां पेंच है, लेकिन यशस्वी को खेलना चाहिए था। जब कोई खिलाड़ी फॉर्म में होता है, तो उसे खेलना चाहिए। भज्जी ने आगे कहा कि अगर शुभमन गिल को उप-कप्तान नहीं बनाया जाता तो यशस्वी खेल सकते थे। यशस्वी और रोहित ओपनिंग करते, विराट कोहली नंबर 3 पर बल्लेबाजी करते, श्रेयस अय्यर नंबर 4 पर और बाकी बल्लेबाजी क्रम वैसा ही होता। उस स्थिति में गिल बाहर बैठते, लेकिन अब वह उप-कप्तान हैं और मुझे नहीं लगता कि कोई उप-कप्तान बाहर बैठा है।

हरभजन ने कहा कि चयनकर्ताओं का फैसला इस बात का संकेत है कि गिल निकट भविष्य में वनडे टीम के कप्तान बन सकते हैं। मुझे लगता है कि उन्होंने भविष्य को ध्यान में रखते हुए उन्हें उप-कप्तान के रूप में चुना है। हो सकता है कि अगले छह-आठ महीनों में जब भी बदलाव होगा, गिल को यह जिम्मेदारी (कप्तानी) दी जाएगी। वैसे गिल को ये जिम्मेदारी देने के लिए चैंपियंस ट्रॉफी तक का इंतजार किया जा सकता था और फिर उन्हें उप-कप्तान बनाना चाहिए था। वैसे मैं गिल के लिए खुश हूं, लेकिन मैं चाहता था कि यशस्वी जायसवाल खेलें। शीर्ष पर बाएं-दाएं संयोजन महत्वपूर्ण है और वह खुलकर खेलते हैं साथ ही अच्छी फॉर्म में हैं।

जानसेन की बदौलत सनराइजर्स ईस्टर्न केप ने डरबन सुपरजायंट्स को 6 विकेट से हराया

नई दिल्ली, एजेंसी। एसए20 में सनराइजर्स ईस्टर्न केप ने सेंट जॉर्ज पार्क में डरबन सुपर जायंट्स पर लगातार दूसरी बोनस अंक की जीत के साथ प्लेऑफ में प्रवेश कर लिया है। गत चैंपियन सनराइजर्स ईस्टर्न केप ने शानदार प्रदर्शन की बदौलत डरबन सुपर जायंट्स को छह विकेट से हरा दिया। लगातार तीन हार के बाद गत चैंपियन ने निश्चित रूप से वापसी की है और अब वह उस फॉर्म के करीब पहुंच रहे हैं, जिसने उन्हें पिछले दो सत्रों में लगातार एसए20 चैंपियनशिप जीतने में मदद की थी। पिछले सीजन के सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज मार्को जानसेन (2/23) ने नई गेंद से विशेष प्रदर्शन करके वापसी की थी। जानसेन ने पारी की दूसरी ही गेंद पर डरबन के सुपरजाइंट्स के सलामी बल्लेबाज ब्रैंडन किंग को आउट कर दिया। जानसेन ने कहा, टीम की जीत से मुझे खुशी है। इस समय सब ठीक चल रहा है। पावरप्ले में गेंदबाजी करना आसान नहीं है, मेरे लिए यह विकेट लेने के बारे में है और सब कुछ अपने आप ठीक हो जाता है। मैं लगातार सटीक गेंदबाजी करने की कोशिश करता हूं। हमारे फैंस शानदार हैं और मैं उनके आने की सराहना करता हूं। जानसेन के अलावा रिचर्ड ग्लीसन (2-19), ओटनील बार्टमैन (2-30) और बाएं हाथ के स्पिनर लियाम डॉसन (2-11) ने मेहमान टीम को 115/8 पर रोक दिया।ग्लीसन अब 14.25 की औसत से आठ विकेट लेकर प्रतियोगिता में विकेट लेने वालों की सूची में शीर्ष पर पहुंच गए हैं। सुपर जाइंट्स की पारी को न्यूजीलैंड के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी केन विलियमसन (45 गेंदों पर 44 रन) ने संभाला, लेकिन उन्हें तब तक बहुत कम सपोर्ट मिला।

ऑस्ट्रेलियन ओपनङ

स्वितोलिना ने छह साल बाद क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई

मेलबर्न, एजेंसी। यूक्रेन की खिलाड़ी और 28वीं सीड एलिना स्वितोलिना ने सोमवार को रोड लेवर एरिना में हुए चौथे राउंड के मुकाबले में वेरोनिका कुदेरमेटोवा को 6-4, 6-1 से हराकर छह साल में पहली बार ऑस्ट्रेलियन ओपन क्वार्टरफाइनल में जगह बनाई। पूर्व वर्ल्ड नंबर 3 स्वितोलिना ने इतिहास रचते हुए ग्रैंड स्लैम में 100 मैच जीतने वाली पहली यूक्रेनी खिलाड़ी बनने के बाद यह कारनामा किया है। यह उनके करियर का 12वां ग्रैंड स्लैम क्वार्टर फाइनल है।

अब क्वार्टरफाइनल में स्वितोलिना का सामना छठी सीड एलिना रिबाकिना और 19वीं सीड मेडिसन कीज के बीच होने वाले चौथे राउंड के विजेता से होगा। स्वितोलिना के प्रदर्शन पर मां बनने के बाद भी कोई असर नहीं पड़ा है। 2022 में बेटी स्काई के जन्म के बाद यह उनका चौथा ग्रैंड स्लैम क्वार्टरफाइनल है। उन्होंने 2018 और 2019 में लगातार दो बार ऑस्ट्रेलियन ओपन क्वार्टरफाइनल में जगह बनाई थी।पिछले साल, स्वितोलिना ने शानदार शुरुआत की थी, लेकिन चौथे राउंड में लिंडा नोस्कोवा के खिलाफ पीठ में चोट के कारण केवल तीन गेम के बाद मैच छोड़ना पड़ा। इसके बाद पूरे सीजन में वह शारीरिक समस्याओं से जूझती रहीं और यूएस ओपन के बाद फुट सर्जरी के लिए ब्रेक लिया।

भारत को 2036 ओलंपिक की मेजबानी के लिए तैयार करने की कार्य योजना तैयार, बोले खेल मंत्री मांडविया

भोपाल, एजेंसी। मांडविया ने कहा कि यह सिर्फ एक नारा नहीं है बल्कि इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए एक मजबूत कार्य योजना तैयार की गई है।

केंद्रीय खेल एवं युवा मामलों के मंत्री मनसुख मांडविया ने रविवार को कहा कि भारत को 2036 ओलंपिक की मेजबानी को तैयार करने के लिए खेल के माहौल को बढ़ावा देने के लिए एक मजबूत योजना तैयार की गई है। मांडविया ने यहां राज्य के पहले फिट इंडिया क्लब को लॉन्च करने के लिए आयोजित कार्यक्रम में हिस्सा लिया जिसमें मुख्यमंत्री मोहन यादव भी मौजूद थे। मांडविया ने कहा, प्रधानमंत्री (नरेंद्र) मोदी जी ने कहा कि हम 2036 में ओलंपिक का आयोजन करेंगे। उन्होंने कहा कि भारत को अगले दस वर्षों में अंतरराष्ट्रीय खेलों में एक से 10 की रैंकिंग हासिल करनी होगी। उन्होंने कहा, जब देश स्वतंत्रता का शताब्दी वर्ष मनाएगा तो हमें खेल क्षेत्र में एक से पांच के पैमाने पर खेल रैंकिंग में सुधार करना होगा।

मांडविया ने कहा कि यह सिर्फ एक नारा नहीं है बल्कि इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए एक मजबूत कार्य योजना तैयार की गई है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि नौ से 15 वर्ष की आयु के लड़कों के लिए खेलो इंडिया स्कूल खेलो का आयोजन करके प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की पहचान की जा रही है और उन्हें तराशा जा रहा है। उन्होंने कहा कि युवाओं को शामिल करके 2036 में भारत को दुनिया में शीर्ष दस में पहुंचाने के लिए खेल बुनियादी ढांचे का विस्तार किया जा रहा है। मांडविया ने कहा, हम एक व्यापक योजना के साथ आगे बढ़ रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत बदल रहा है और आगे बढ़ रहा है। यादव और मांडविया ने उत्तराखंड में होने वाले राष्ट्रीय खेलों में भाग लेने वाले मध्य प्रदेश के खिलाड़ियों की किट का अनावरण किया। उन्होंने मध्य प्रदेश में 'खेलो बढ़ो अभियान' का शुभारंभ किया

भारतीय पुरुष और महिला टीमों ने रचा इतिहास

खो-खो वर्ल्ड कप 2025

नईदिल्ली, एजेंसी। खो खो विश्व कप 2025 में रविवार (19 जनवरी) को भारत के लिए दोहरी खुशी मिली। पहले भारतीय महिला टीम ने नेपाल के खिलाफ 78-40 की शानदार जीत के साथ खिताब जीता। इसके बाद पुरुष टीम ने भी नेपाल खिलाफ 54-36 से शानदार जीत दर्ज की। पहला खो खो विश्व कप 13 से 19 जनवरी तक भारत के इंदिरा गांधी स्टेडियम में खेला गया। इस टूर्नामेंट में पुरुष और महिला वर्ग की 39 टीमों ने हिस्सा लिया था। 20 पुरुषो टीमों को चार ग्रुप में रखा गया था, जबकि महिलाओं के वर्ग में 19 टीमों को चार ग्रुप में रखा गया था।

मेंस फाइनल में नेपाल ने टॉस जीतकर डिफेंस चुना। पहली पारी में भारत ने 26 पॉइंट्स हासिल किए, जबकि नेपाल को एक भी पॉइंट नहीं मिला। टीम इंडिया नेपाल को एक बार ऑलआउट करने में भी कामयाब रही। भारत ने पहली पारी में 26-0 की बढ़त ली। दूसरी पारी में नेपाल ने चेज किया और टीम ने 18 पॉइंट्स बटोरे। हाफ टाइम के बाद स्कोर 26-18 से भारत के पक्ष में रहा।

तीसरी पारी में भी नेपाल ऑलआउट

तीसरी पारी में भारत ने 28 पॉइंट्स हासिल किए। नेपाल की टीम 4 मिनट के अंदर ही ऑलआउट हो गई, टीम एक भी ड्रीम रन नहीं बना सकी। तीसरे टर्न के बाद भारत ने 54-18 के अंतर से बढ़त बनाए रखी। चौथे टर्न में भी नेपाल की टीम 18 ही पॉइंट्स ले सकी और भारत ने 54-36 के अंतर से वर्ल्ड कप जीत लिया।

भारतीय टीम का सफर शानदार रहा

चैंपियनशिप तक भारतीय टीम का सफर शानदार रहा। भारत ने पूरे टूर्नामेंट में अपना दबदबा दिखाया, जिसकी शुरुआत ग्रुप स्टेज में ब्राजील, पेरू और भूटान पर जीत से हुई। नॉकआउट राउंड तक लय जारी रही, जहां उन्होंने क्वार्टर फाइनल में बांग्लादेश को हराया और फिर सेमीफाइनल में साउथ अफ्रीका की मजबूत टीम को हराया।

बॉलीवुड स्टार्स के बॉडीगार्ड भी लेते हैं तगड़ी फीस

सुनकर उड़ जाएंगे होश

सैफ अली खान पर हुए हमले के बाद पूरा बॉलीवुड हिल गया है। हर एक बड़ा बॉलीवुड स्टार अपनी सुरक्षा के लिए बॉडीगार्ड नियुक्त करता है, ताकि वह सुरक्षित रह सकें। आइए आपको बताते है इन बॉलीवुड स्टार्स की सुरक्षा के लिए यह अपने बॉडीगार्ड को कितनी मोटी फीस देते हैं।

अभिनेता सैफ अली खान के ऊपर गुरुवार देर रात उनके बांद्रा स्थित घर में चाकू से हमला किया गया, जिसमें वे बुरी तरह घायल हो गए। हालत को देखते हुए उन्हें तुरंत लीलावती अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों से उनका इलाज चल रहा है। बहरहाल, उनकी हालत स्थिर है। उनकी कॉस्मेटिक सर्जरी की गई। इस सर्जरी में सैफ की बॉडी से 2.5 इंच का चाकू का टुकड़ा निकाला गया है। आइए जानते हैं सैफ के अलावा बॉलीवुड स्टार्स के बॉडीगार्ड की सैलरी कितनी है।

सैफ अली खान

सैफ अली खान और करीना कपूर खान के पास बड़ा स्टाफ है। इसमे पीएस, पीआरओ, ड्राइवर, माली, बॉडीगार्ड शामिल हैं। इसमे दोनों (सैफ और करीना) का मिलाकर 13 लोग है। घर का स्टाफ 4 लोगों का है। सैफ और करीना के पास कुल 6 ड्राइवर हैं। अलग-अलग बॉडीगार्ड मिलाकर ये संख्या 10 है। इनमें से सैफ और करीना के पास हमेशा 13 लोगों का स्टाफ दिन हो या रात में मौजूद रहता है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार इन सभी में खासतौर पर सैफ के बॉडीगार्ड की सैलरी करोड़ों में है।

सलमान खान

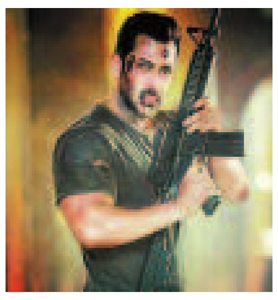

शेरा, जो 1995 से सलमान खान के बॉडीगार्ड हैं, कथित तौर पर सालाना 2 करोड़ रुपये कमाते हैं। शेरा अपनी बॉडी बिल्डिंग के लिए पहचाने जाते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, शेरा ने कहा कि वे अपनी खुद की सुरक्षा फर्म, टाइगर सिक्योरिटी भी चलाते हैं। 2017 में, उन्होंने मुंबई में अपने कॉन्सर्ट के दौरान जस्टिन बीबर की सुरक्षा संभाली थी।

शाहरुख खान

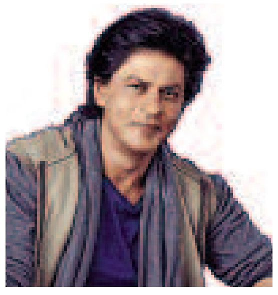

रवि सिंह कथित तौर पर एक दशक से अधिक समय से शाहरुख खान के बॉडीगार्ड हैं और अभिनेता की सुरक्षा करते हैं। उन्हें अक्सर अभिनेता के बच्चों आर्यन खान और सुहाना खान की सुरक्षा करते हुए भी देखा गया है।

आलिया भट्ट

सुनील तालेकर बचपन से ही आलिया भट्ट के बॉडीगार्ड रहे हैं और कथित तौर पर उनकी बेटी राहा की भी देखभाल वहीं करते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, वह अपनी सेवाओं के लिए सालाना 50 लाख रुपये कमाते हैं।

अक्षय कुमार

अक्षय कुमार के बॉडीगार्ड श्रेयसे थेले कथित तौर पर हर साल 1.2 करोड़ रुपये लेते हैं, जिससे वह इंडस्ट्री में सबसे ज्यादा वेतन पाने बॉडीगार्ड की लिस्ट में शुमार हैं।

आमिर खान

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, पूर्व बॉडी बिल्डर युवराज घोरपड़े आमिर खान के निजी अंगरक्षक हैं और कथित तौर पर सालाना लगभग 2 करोड़ रुपये कमाते हैं।

करण वीर मेहरा बने

बिग बॉस 18 के विजेता

करण वीर मेहरा ने आखिरकार बिग बॉस 18 के विजेता की ट्रॉफी जीत ली है। वह और पहले रनर-अप विवियन डीसेना बिग बॉस 18 के घर के अंदर 105 दिनों की लंबी, थकाऊ और चुनौतीपूर्ण यात्रा के बाद फिनाले में अंतिम दो कंटेस्टेंट थे।

काफी सस्पेंस क्रिएट करने के बाद शो के होस्ट सलमान खान ने रविवार आधी रात के बाद करण के विजेता बनने की घोषणा की। घर में करण वीर मेहरा का सफर स्ट्रेटिजिक चालों और भावनात्मक क्षणों भरा रहा। उन्होंने अपने साथी चुम दरंग के साथ एक खास रिश्ता बनाया। इतना ही नहीं, उन्होंने अपनी दो असफल शादियों के बारे में भी खुलकर बात की। दूसरी ओर, विवियन डीसेना का बिग बॉस का सफर उतार-चढ़ाव से भरा रहा है। शो के शुरुआती हफ्तों में मधुबाला अभिनेता की तुलना पूर्व बिग बॉस प्रतियोगी सिद्धार्थ शुक्ला से की गई थी। बाद में, अपनी पत्नी नूरन के साथ उनके दिल को छू लेने वाली प्रेम गाथा ने बहुत ध्यान आकर्षित किया। विवियन डीसेना को अपने बिग बॉस के सफर के दौरान कई मजबूत रिश्ते बनाने के लिए भी जाना जाता है।

रजत दलाल, विवियन डीसेना, करण वीर मेहरा, चुम दरंग, अविनाश मिश्रा और ईशा सिंह इस सीजन के शीर्ष छह दावेदार थे। चुम दरंग और ईशा सिंह फिनाले में सबसे पहले घर से बाहर हो गए, उसके बाद रजत दलाल और अविनाश मिश्रा बाहर हो गए।

बिग बॉस 18 का प्रीमियर 6 अक्टूबर 2024 को कलर्स पर शुरू हुआ था। रियलिटी शो की शुरुआत शिल्पा शिरोडकर, चाहत पांडे, कशिश कपूर, सारा अरफीन खान, अरफीन खान, दिग्विजय सिंह राठी, एडिन रोज, यामिनी मल्होत्रा, अदिति मिस्त्री, एलिस कौशिक, मुस्कान बामने, तजिंदर बग्गा, शहजादा धामी, न्यारा बनर्जी, हेमा शर्मा और गुणरत्न सदावर्ते सहित 23 घरवालों के साथ हुई। सलमान खान द्वारा होस्ट किए गए बिग बॉस 18 के फिनाले में कुछ उल्लेखनीय प्रदर्शन देखने को मिले। वीर पहरिया, जो अपनी आने वाली फिल्म स्काई फोर्स के प्रचार के लिए वहां आए थे, ने होस्ट सलमान खान के साथ डांस भी किया।

इसके अलावा, आमिर खान पहली बार बिग बॉस में दिखाई दिए। वह अपने अंदाज अपना अपना के सह-कलाकार सलमान खान के साथ फिर से जुड़े। दोनों ने इस मशहूर फिल्म के एक सीन को रीक्रिएट भी किया। इसके अलावा, जुनैद खान और खुशी कपूर भी फिनाले का हिस्सा थीं। वे अपनी फिल्म लवयापा का प्रमोशन करने आए थे। बिग बॉस 18 की जगह कलर्स पर एक और रियलिटी शो लाफ्टर शेफ्स 2 आएगा।

मन से चाह लो तो दुनिया में कुछ भी असंभव नहीं:अक्षरा सिंह

भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री की सफल अभिनेत्री अक्षरा सिंह खुद को चुस्त दुरुस्त रखने के लिए जिम में खूब पसीना बहा रही हैं। इसकी झलक उन्होंने इंस्टाग्राम पोस्ट में दिखाई। अक्षरा सोशल मीडिया पर सक्रिय रहती हैं और अक्सर निजी और काम से जुड़े पोस्ट साझा करती रहती हैं। इंस्टाग्राम पर वर्कआउट की तस्वीरें साझा करते हुए अभिनेत्री ने कैप्शन में लिखा, मन से चाह लो तो दुनिया में कुछ भी असंभव नहीं है। चार तस्वीरों में से दो में अक्षरा जिम में पसीना बहाती हैं, तो दो में खुली छत पर एक्सरसाइज करती नजर आईं। तस्वीरों के अलावा, अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम के स्टोरीज सेक्शन पर फिटनेस ट्रेनर मसरूफ अहमद के एक वीडियो को साझा किया, जिसमें वह प्लैंक एक्सरसाइज करती दिखाई दीं। अभिनेत्री 10 किलो के प्लेट के साथ प्लैंक करती नजर आईं।

भोजपुरी फिल्मों में कमाल के अभिनय के साथ अभिनेत्री बेहतरीन गायिका भी हैं। उन्होंने हाल ही में एक वीडियो साझा किया था, जिसमें वह महाकुंभ के महत्व को अपने गाने के साथ बताती नजर आईं। वीडियो के साथ उन्होंने लिखा, हिमालय से आते मुनि रमाते संगम में धूनी। अक्षरा सिंह ने महाकुंभ के लिए एक खास गाना तैयार किया है। गाने की पहली झलक अभिनेत्री ने 16 जनवरी को सोशल मीडिया पर साझा की थी। लेटेस्ट वीडियो में अभिनेत्री 'महाकुंभ में डुबकी लगाओ' नाम के गाने को गाती भक्ति-भाव में डूबी नजर आईं। अक्षरा सिंह की हालिया रिलीज अक्षरा दुनिया भर में धूम मचा रही है। देशभक्ति से भरपूर भोजपुरी फिल्म वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्स भोजपुरी के ऑफिशियल यूट्यूब चैनल पर रिलीज हुई है। फिल्म में अक्षरा के साथ अभिनेता अंशुमान मिश्रा मुख्य भूमिका में हैं। सत्यमेव जयते से डेब्यू करने वाली अभिनेत्री अक्षरा सिंह फिल्म इंडस्ट्री को सत्या, सरकार राज, मां तुझे सलाम, धड़कन, तबादला, सत्य, प्रेम विवाह, साथिया, दिलेर, तबादला, सौगंध गंगा मैया के जैसी हिट फिल्में दे चुकी हैं। इसके साथ ही अक्षरा बिग बॉस ओटीटी समेत सर्विस वाली बहू, पोरस, काला टीका जैसे टीवी शो में भी काम कर चुकी हैं।

उन 15 दिनों में मैंने सिर्फ... एक्ट्रेस को याद आए जेल में बिताए दिन

रिया चक्रवर्ती लंबे समय से किसी फिल्म में नजर नहीं आई हैं, लेकिन अपने पॉडकास्ट के जरिए अब अपने फैंस के साथ जुड़ी रहती हैं। एक्ट्रेस ने चैप्टर 2 नाम से अपना पॉडकास्ट शुरू किया है, जिसमें अब तक कई चर्चित और बड़े सेलिब्रिटी शिरकत कर चुके हैं। रिया के शो में फरहान अख्तर-शिबानी दांडेकर और आमिर खान जैसे सितारे शिरकत कर चुके हैं, जिनके साथ अभिनेत्री ने कई मुद्दों पर चर्चा की। अब उनके शो में यो यो हनी सिंह बतौर गेस्ट पहुंचे, जिनके साथ एक्ट्रेस ने जेल में बिताए अपने दिनों और मेंटल हेल्थ पर चर्चा की।

रिया चक्रवर्ती के शो में पहुंचे हनी सिंह

दरअसल, हनी सिंह की जिंदगी में एक ऐसा भी समय आया था, जब वह बायपोलर डिसऑर्डर का शिकार हो गए थे। हालांकि, अब वह पूरी तरह ठीक हैं। अपने पॉडकास्ट में रिया चक्रवर्ती ने हनी सिंह के साथ मेंटल हेल्थ और बायपोलर डिसऑर्डर पर बात की और कहा कि मैंने इस बीमारी को बहुत ही नजदीक से देखा है। जब मैं जेल में थी तो मैंने मेंटल हेल्थ पर बात की थी।

लोग बायपोलर डिसऑर्डर को नहीं समझते- रिया

रिया चक्रवर्ती ने आगे कहा- लोग बायपोलर डिसऑर्डर को नहीं समझते। या तो लोग मरीज को पागल समझते हैं या फिर कहते हैं कि इसके ऊपर ऊपरी कुछ हो सकता है। लेकिन, ऐसा नहीं होता। मैं जब जेल में थी तो वहां एक चीज थी और वो थी सुसाइड वॉच।

एक साथ कैमरे में कैद हुए मलाइका अरोड़ा और अर्जुन कपूर

बॉलीवुड इंडस्ट्री के पॉपुलर स्टार्स मलाइका अरोड़ा और अर्जुन कपूर एक समय पर पॉपुलर कपल हुआ करते थे. फिर साल 2024 में खबर आई कि दोनों का ब्रेकअप हो गया और तमाम फैंस का दिल टूट गया. मलाइका अरोड़ा और अर्जुन कपूर अब एक साथ नजर नहीं आते हैं. ये दोनों अक्सर सोशल मीडिया पर क्रिप्टिक पोस्ट लिखकर फैंस का ध्यान खींचते हैं. इसी बीच मलाइका अरोड़ा और अर्जुन कपूर एक बार साथ में कैमरे में कैद हुए और दोनों का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है.

आइए जानते हैं कि आखिर दोनों के एक साथ स्पॉट होने के पीछे क्या वजह है. दरअसल, मलाइका अरोड़ा और अर्जुन कपूर मुंबई के लीलावती अस्पताल पहुंचे थे, जहां बॉलीवुड एक्टर सैफ अली खान का इलाज चल रहा है. इन दोनों स्टार्स ने अस्पताल पहुंचकर सैफ अली खान का हेल्थ अपडेट लिया. जब मलाइका अरोड़ा और अर्जुन कपूर हॉस्पिटल से बाहर निकल रहे थे तो एक साथ कैमरे में कैद हुए हैं और दोनों का वीडियो सामने आया है. दोनों को साथ में देखकर लोग कमेंट कर रहे हैं और लिख रहे हैं कि दोनों का पैचअप हो गया है. वहीं, मलाइका अरोड़ा और अर्जुन कपूर के फैंस भी दोनों को साथ में देखकर खुश हैं.

अर्जुन कपूर और मलाइका अरोड़ा ने 6 साल तक की डेटिंग

बताते चलें कि मलाइका अरोड़ा और अर्जुन कपूर ने एक-दूसरे को करीब 6 साल तक डेट किया था. ये दोनों जब तक रिलेशनशिप में थे अक्सर वेकेशन पर जाते थे और एक-दूसरे पर प्यार जताने का कोई मौका नहीं छोड़ते थे. फिर साल 2024 में खबर आई कि दोनों का ब्रेकअप हो गया. गौरतलब है कि मलाइका अरोड़ा ने अरबाज खान के साथ शादी की थी और दोनों का एक बेटा अरहान खान हैं. अरबाज खान से तलाक लेने के बाद वह अर्जुन कपूर के साथ रिश्ते में आई थीं.

सैफ पर हुए हमले के बाद भाग्यश्री ने जताई चिंता

हमें अपनी सीमाओं को सुरक्षित रखना चाहिए

सैफ अली खान पर हुए हमले को लेकर अभिनेत्री भाग्यश्री ने प्रतिक्रिया दी है। अभिनेत्री ने सीमाओं पर सुरक्षा बढ़ाने की बात को भी उठाया।

सैफ अली खान पर हुए हमले को लेकर अभिनेत्री भाग्यश्री ने प्रतिक्रिया दी है। मुंबई पुलिस द्वारा सैफ अली खान पर चाकू से हमला करने वाले आरोपी के बांग्लादेशी होने की पुष्टि के बाद भाग्यश्री ने भारतीय सीमाओं की सुरक्षा की मांग की है। इंदौर में एक कार्यक्रम में अभिनेत्री भाग्यश्री ने कहा कि बांद्रा में हुई घटना ने मुंबई में रहने वाले बहुत से लोगों की सुरक्षा पर सवालिया निशान खड़ा कर दिया है। 16 जनवरी को अभिनेता सैफ अली खान पर जानलेवा हमला हुआ था।

सीमाओं की सुरक्षा बढ़ाने की कही बात

एएनआई से बात करते हुए अभिनेत्री ने कहा, जब मुंबई में इस तरह की घटनाएं होती हैं, तो हर कोई तनाव में आ जाता है। स्थानीय लोग भी। यह बॉलीवुड की बात नहीं है, यह सभी की सुरक्षा की बात है। सभी की सुरक्षा पर सवालिया निशान है और खासकर अगर कोई बाहरी ऐसा कुछ करता है तो हमें निश्चित रूप से अपनी भारतीय सीमाओं की सुरक्षा करनी चाहिए, यह बहुत महत्वपूर्ण है। भाग्यश्री ने कहा कि जब उन्हें इस घटना के बारे में पता चला तो वह हैरान रह गए। अभिनेत्री ने आगे कहा, मुंबई में रहने वाले हम लोग इस घटना से बहुत हैरान हैं, क्योंकि मुंबई को भारत के सबसे सुरक्षित शहरों में से एक माना जाता है। इसलिए, इस घटना के बाद हर कोई तनाव में है। पुलिस अपना काम बखूबी कर रही है और मुझे लगता है कि ताजा खबरों के अनुसार, हमलावर को पकड़ लिया गया है। इसलिए, मुझे उम्मीद है कि कानूनी प्रक्रिया जल्द ही शुरू होगी। इस बीच मुंबई पुलिस ने मोहम्मद शरीफुल इस्लाम शहजाद नामक आरोपी को पकड़ लिया है, जिसके बारे में उनका दावा है कि वह बांग्लादेश के झालोकाटी जिले का निवासी है।

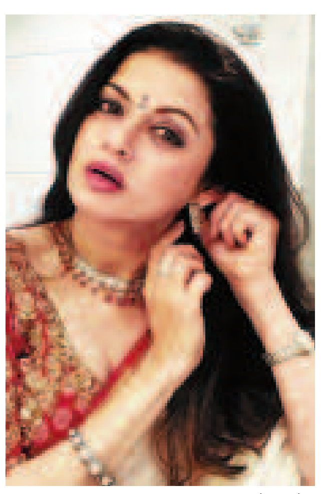

5 करोड़ में बनी इस फिल्म ने लूटा बॉक्स ऑफिस, अब बॉलीवुड ने लगाया करोड़ों का दांव!

2024 की मलयालम सर्वाइवल ड्रामा मंजुम्मेल बॉयज से लेकर 2022 की कन्नड़ एक्शन ड्रामा कांतारा तक, कई छोटी बजट की फिल्में ऐसी हैं जिन्होंने बॉक्स ऑफिस पर बेहतरीन रिकॉर्ड बनाए हैं। अब इस लिस्ट में एक और नाम जुड़ गया है। 2022 की तमिल रोमांटिक कॉमेडी लव टुडे का हिंदी रीमेक रिलीज होने वाला है। इस फिल्म में प्रदीप रंगनाथन और इवाना ने लीड रोल निभाया था। इसकी आईएमडीबी रेटिंग 8 है जो भारत में बनी अब तक की सबसे ज्यादा मुनाफा कमाने वाली फिल्मों में से एक है। लव टुडे प्रदीप रंगनाथन की दूसरी निर्देशित फिल्म है। 5 करोड़ के बजट में बनी इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 100 करोड़ की कमाई की थी। सुपरस्टार आमिर खान के बेटे जुनैद खान जल्द ही खुशी कपूर के साथ फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखने जा रहे हैं। जुनैद खान और खुशी कपूर की लवयापा तमिल फिल्म लव टुडे की रीमेक है जो साल 2022 की सबसे बड़ी हिट थी।